शर्मा हार्डওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 170 | गुवाहाटी | गुरुवार, 18 जनवरी, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

महाराष्ट्र कांग्रेस में भारी फूट की संभावना पेज 2
कार्बी युवा महोत्सव के स्वर्ण जयंती समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री हिमंत पेज 3
चुनाव हारकर जुगाड़ के सहारे कुर्सी से चिपके हुए हैं नीतीश कुमार : प्रशांत किशोर पेज 5
लक्ष्य सेन पहले ही दौर में हारे, प्रियांशु ने किया बहार... पेज 7

सीएम ने 42 लाख लोगों को दिया राशन कार्ड

गुवाहाटी। असम में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत 42 लाख से अधिक नए लाभार्थियों को राशन कार्ड वितरण शुरू कर दिया गया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने अपने निर्वाचन क्षेत्र जालुकबाड़ी में इसकी शुरुआत की। शर्मा ने मंगलवार को बोरीपाड़ा क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए इसे वर्तमान सरकार के कार्यकाल में एक मील का पत्थर बताया। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि राज्य भर में राशन कार्ड के औपचारिक वितरण के साथ एनएफएसए के तहत राज्य में कुल 42,85, 745 नए लाभार्थियों को कवर किया जाएगा। शर्मा ने कहा कि अपने सभी निवासियों के लिए खाद्य सुरक्षा हासिल करने के मौजूदा सरकार के प्रभावी प्रयासों में यह एक और मील का पत्थर है। खबरों के अनुसार उन्होंने बताया कि राशन कार्डधारक परिवार का प्रत्येक सदस्य हर माह पांच किलोग्राम चावल मुफ्त पाने का हकदार है। उन्होंने कहा कि यह सुविधा हर माह *अन्न सेवा सप्ताह* के दौरान उपलब्ध रहेगी और इस माह के लिए यह 31 जनवरी तक उपलब्ध है। शर्मा ने अंत्योदय अन्न योजना जैसी सामाजिक क्षेत्र की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले प्रशासन द्वारा समाज के वंचित वर्गों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अधिक लोगों तक इसका लाभ पहुंचे यह सुनिश्चित करने के लिए कार्डधारकों के खातिर आय सीमा को दो लाख रुपए प्रति वर्ष से बढ़ाकर चार लाख रुपए कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि राशन कार्ड धारक सरकार की प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना और आयुष्मान भारत तथा आयुष्मान असम स्वास्थ्य देखभाल योजनाओं का लाभ भी उठा सकेंगे। मुख्यमंत्री ने उन विभिन्न पहलों का भी उल्लेख -शेष पृष्ठ दो पर

राहुल की भारत जोड़ो न्याय यात्रा, परंतु मुख्यमंत्री का कार्यक्रम नहीं

गुवाहाटी। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा 18 जनवरी को असम के 17 जिलों से गुजरेगी और करीब 833 किलोमीटर का सफर तय करेगी। इस कार्यक्रम को देखते हुए राज्य के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि वह इन दिनों में होने वाले राज्य के ऊपरी जिलों में अपने कार्यक्रमों को रद्द कर रहे हैं, ताकी भारत जोड़ो न्याय यात्रा का क्लैश उनके कार्यक्रम से न हो। उन्होंने यह भी दावा किया कि लोगों को अब कांग्रेस की सभाओं और बैठकों में भाग लेने में शर्म आती है। मीडिया से बातचीत में शर्मा ने कहा कि राहुल गांधी का यात्रा कार्यक्रम हमारी उन तारीखों से क्लैश कर रहे हैं जिन पर नई योजना के लिए फॉर्म वितरित किए जाने हैं। इन तारीखों की घोषणा उनके यहां आने के कार्यक्रम के ऐलान के पहले ही कर दी गई थी। हमें नहीं पता था कि वह भी इन्हीं तारीखों पर यहां आएंगे। इसलिए हमने फिलहाल यह फैसला किया है कि अभी हम अपना कार्यक्रम रद्द करेंगे। सीएम ने कांग्रेस के उन आरोपों को खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि ग्रामीण महिलाओं के लिए नव-घोषित योजना का फॉर्म-वितरण कार्यक्रम इस तरह से तय किया गया है कि यह उन जिलों और आसपास के क्षेत्रों में यात्रा कार्यक्रम के साथ टकराव हो। उन्होंने कहा -शेष पृष्ठ दो पर

कौन हैं आनंद मिश्रा ? मुख्यमंत्री का प्रश्न

गुवाहाटी। लखीमपुर जिले में पुलिस अधीक्षक के इस्तीफे की चर्चा के बीच, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को यह पूछकर सुर्खियां बटोरीं, *आनंद मिश्रा कौन हैं?* मीडिया से बात करते हुए सीएम शर्मा ने कहा कि उन्हें किसी एसपी का नाम याद नहीं है क्योंकि वह किसी के प्रशंसक नहीं हैं। सीएम शर्मा ने कहा कि एसपी का कोई प्रशंसक नहीं होना चाहिए, वे वेतनभोगी सरकारी कर्मचारी हैं। वे चुनाव नहीं खेलते। मैं एसपी के नाम कैसे याद रखूंगा क्योंकि उनमें से तो बहुत सारे हैं। 36 जिलों में 36 एसपी हैं। वे तैनात होते हैं, अपना कर्तव्य निभाते हैं और -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री हिमंत ने की सीएम रियो से मुलाकात

कोहिमा (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने आज डिमापुर में एक बैठक के दौरान अपने नगालैंड के समकक्ष नेफ्यू रियो से मुलाकात की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर असम के मुख्यमंत्री ने बैठक की एक तस्वीर साझा करते हुए कहा कि दोनों राज्यों के बीच सहयोग को प्रगाढ़ बनाने और शांति बरकरार रखने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि डिमापुर में नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक -शेष पृष्ठ दो पर

कुकी उग्रवादियों के हमले में दो जवान शहीद, दो घायल

इंफाल (हि.स.)। भारत-म्यांमार सीमा पर तेंगनोपाल जिले के मोरेह शहर के पास सिक्किम गांव और कानानवेंग में सुरक्षा बलों पर संदिग्ध हथियारबंद कुकी आतंकवादियों के मोर्टार हमले में दो जवान बलिदान हो गए। तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए मणिपुर सरकार ने तत्काल लड़ाकू हेलीकॉप्टरों के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय को एक पत्र भेजा है। भारत-म्यांमार सीमा पर तेंगनोपाल जिले के मोरेह शहर में बुधवार की सुबह करीब 3 बजे के आसपास कुकी आतंकवादियों के मोर्टार हमले में दो जवान बलिदान हो गए, जबकि दो और सैनिक घायल हो गए। शहीदों में एक 6वीं मणिपुर राइफल्स का जवान ओयांगखेम समरजीत मैतेई है। इसके अलावा एक अन्य की पहचान का खुलासा नहीं हुआ है। इलाके में अर्धसैनिक -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

राष्ट्रपति का असम दौरा खराब मौसम के कारण रद्द : मुख्यमंत्री डॉ शर्मा

डिफू (हि.स.)। खराब मौसम के कारण राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की असम के डिफू की यात्रा रद्द कर दी गई है। राष्ट्रपति बुधवार दोपहर मेघालय की राजधानी शिलांग से भारतीय वायु सेना के हेलीकॉप्टर से डिमापुर पहुंची। लेकिन पहाड़ों पर घने कोहरे और घने बादलों के कारण राष्ट्रपति की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार अधिकारी डिफू की यात्रा का जोखिम नहीं उठाना चाहते थे। राष्ट्रपति द्रौपदी आज असम के कार्बी आंग्लांग जिला मुख्यालय डिफू के तारालांगसो में कार्बी युवा महोत्सव के स्वर्ण जयंती समारोह में भाग लेने वाली थीं। असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कार्बी यूथ फेस्टिवल में संवाददाताओं से कहा कि खराब मौसम के कारण डिफू की उनकी यात्रा रद्द कर दी गई। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया भी इसी कारण से महोत्सव में शामिल नहीं हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति का भाषण सुनने और कार्बी युवा -शेष पृष्ठ दो पर

देश का अगला जहाज निर्माण केंद्र बनने को तैयार है कोच्चि : पीएम

कोच्चि। पीएम मोदी ने बुधवार को केरल के कोच्चि में 4000 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन किया। कोच्चि में एक सभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने उनके आगमन पर भव्य स्वागत करने के लिए केरल के लोगों का आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब मैं कोच्चि पहुंचा तो खुश चेहरों को देखकर मुझे बहुत खुशी हुई। भव्य स्वागत के लिए धन्यवाद। मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि मुझे त्रिशूर के गुरुवयूर मंदिर में प्रार्थना करने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले 30 दिसंबर को अयोध्या में महर्षि वाल्मिकी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन करते समय, मैं केरल में रामायण से संबंधित चार मंदिरों के बारे में बात कर रहा था। मैं *प्राण प्रतिष्ठा* समारोह से ठीक पहले त्रिप्रयार श्री रामास्वामी मंदिर में पूजा करने के लिए भाग्यशाली हूं। उद्घाटन किए गए नए बुनियादी ढांचे की पहल पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार कोच्चि जैसे तटीय शहरों की क्षमता बढ़ाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि कोच्चि देश का अगला जहाज निर्माण केंद्र बनने के लिए तैयार है। पीएम मोदी ने कहा कि हम बंदरगाहों की क्षमता बढ़ाने, बंदरगाह के बुनियादी ढांचे को बनाने और मजबूत करने और सागरमाला परियोजना जैसी पहल के माध्यम से बंदरगाहों की कनेक्टिविटी बढ़ाने के प्रयास कर रहे हैं। पीएम ने कहा कि आज जब भारत वैश्विक व्यापार का केंद्र बन रहा है, तब हम अपनी समुद्री शक्ति बढ़ा रहे हैं। जल्द ही हम देखेंगे कि -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

राहुल के सामने आमगुड़ी में लगे जस्टिस फॉर अंकिता के पोस्टर

शिवसागर (हि.स.)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के असम में प्रवेश से ठीक पहले बुधवार को शिवसागर जिले के आमगुड़ी में न्याय की मांग करते हुए बड़े पैमाने पर पोस्टर लगाए गए। इसमें सवाल किया गया है कि क्या निष्कासित भारतीय युवा कांग्रेस नेता अंकिता दत्ता को न्याय मिलेगा? पोस्टर में राहुल गांधी और अंकिता दत्ता की *भारत जोड़ो यात्रा* के दौरान ली गई तस्वीरें दिखाई गई हैं। दत्ता को युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी पर उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाने के बाद पार्टी से निकाल दिया गया था। पोस्टरों पर लिखा है अंकिता के -शेष पृष्ठ दो पर

ईरान ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर ड्रोन से किया हमला

नई दिल्ली (हि.स.)। ईरान ने पाकिस्तान में आतंकी समूह जैश अल-अदल के ठिकानों पर मंगलवार को मिसाइल और ड्रोन से हमला किया है। जैश अल-अदल सुन्नी आतंकवादी समूह है, जो मुख्यत: पाकिस्तान से अपनी गतिविधियों को अंजाम देता है। ईरान के सरकारी मीडिया के हवाले से कहा गया है कि बलूची आतंकी समूह जैश-अल-अदल के दो ठिकानों को मिसाइलों से निशाना बनाया गया है। इससे एक दिन पहले ईरान के विशिष्ट रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स की ओर से इराक और सीरिया में टारगेट पर मिसाइल गिराई गई थीं। आतंकी समूह ने पहले पाकिस्तान के साथ सीमा क्षेत्र में ईरानी सुरक्षा बलों पर हमले किए हैं। ईरान के -शेष पृष्ठ दो पर

गंभीर परिणाम भुगतने की दी चेतावनी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने बलूचिस्तान प्रांत में आतंकवादियों से जुड़े ठिकानों को निशाना बनाकर ईरान की ओर से हवाई हमले किए जाने पर ईरान को *गंभीर परिणाम* भुगतने की चेतावनी दी है। ईरान के इन हमलों में दो बच्चों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य घायल हो गए। ईरान की मीडिया ने बताया कि पाकिस्तान में बलूची आतंकवादी समूह जैश-अल-अदल के दो ठिकानों को देश के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने -शेष पृष्ठ दो पर

खतरा : एक और घातक वायरस का टेस्ट कर रहा चीन

बीजिंग। कोरोना वायरस कहां से आया, कब आया और कैसे आया। इन सवालों का जब भी जिक्र होता है तो नजर चीन पर जाकर टिकती है। लेकिन अपनी सबूतों की इमारतों पर चीन इस बात को झूठला देता है या पीछे हट जाता है। कोरोना को लेकर चीन से जुड़े खुलासे लगातार सामने आते रहे। लेकिन अब चीन को लेकर एक नया दावा सामने आया है। कहा जा रहा है कि कोरोना के नए स्ट्रेन को फैलाने के लिए चूहों का प्रयोग कर रहा है। प्री-पीयर समीक्षा जर्नल लेखों के डेटाबेस पर आई एक रिपोर्ट पर विश्वस किया -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

शत्रु की दुर्बलता जानने तक उसे अपना मित्र बनाए रखें।

– **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

उग्रवादी हमले में सात घर, दो चर्च और तीन स्कूल जलकर राख

इंफाल (हि.स.)। भारत-म्यांमार सीमा पर तेंगनोपाल जिले के मोरे शहर के निकट सिक्किम गांव और काननवेंग में सुरक्षा बलों पर संदिग्ध हथियारबंद कुकी उग्रवादियों के मोर्टार हमले के बाद गंभीर रूप से घायल दो जवानों को हवाई मार्ग से इंफाल के क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) ले जाया गया। बुधवार सुबह करीब 3 बजे के आसपास एक संगठित मोर्टार हमले में इंडियन रिजर्व बटालियन (आईआरबी) और मणिपुर पुलिस के दो जवान बलिदान हो चुके हैं। असम राइफल्स के जवानों ने स्थानीय निवासियों -शेष पृष्ठ दो पर

ब्रिटेन में सिखों को मिल रही हत्या की उस्मान चेतावनी

लंदन। ब्रिटेन में वेस्ट मिडलैंड्स में सिखों को *जान के खतरे* की चेतावनी जारी की गई है। मिडलैंड में सिखों को हत्या की धमकियां मिलने के बाद उनमें भय व्याप्त है। खालिस्तान अलगाववादी प्रचारकों की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंता के बीच ब्रिटिश पुलिस ने इन धमकियों जिसे उस्मान चेतावनी भी कहा जाता है, को लेकर सतर्क रहने की सलाह जारी की है। एक परिवार के तीन सदस्यों को मार्च में वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस से उस्मान चेतावनी मिली, जिसका अर्थ है कि मौत की धमकी या हत्या के जोखिम की खुफिया जानकारी लेकिन गिरफ्तारी को उचित ठहराने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं हैं। अधिकारियों ने इस बारे में जानकारी नहीं दी कि चेतावनियां, जो एक हाई-प्रोफाइल मामले के नाम पर हैं, क्यों जारी की गईं। वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा कि हमें जानकारी मिली है कि एक परिवार के सदस्यों को जान का खतरा हो सकता है। एक सिख शख्स जिसके भाई को पिता को उस्मान नोटिस मिला है, ने यूके टाइमस को बताया कि शुरुआत में ये वेस्ट मिडलैंड्स में धार्मिक कट्टरपंथी के द्वारा भेजा गया लगा, लेकिन ये निज्जर और पन्नू के केस से जुड़ा मामला है। इसके साथ ही लगता है कि ये प्रो खालिस्तानी अवतार सिंह खांडा के जहर देने से भी जूड़ा है। उन्होंने आशंका जताई कि इसमें भारत सरकार का हाथ हो सकता है। हालांकि, एक सिख का मानना है कि ये धमकियां ब्रिटेन के एक -शेष पृष्ठ दो पर

राम मंदिर के चारों ओर रामलला ने किया भ्रमण

प्रयागराज। 22 जनवरी को राम मंदिर में होने वाली प्राण प्रतिष्ठा से पहले आज रामलला की मूर्ति की पहली तस्वीर सामने आ गई है। पालकी में विराजित रामलला को मंदिर परिसर में भ्रमण कराया गया है। मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के लिए पूजा-अनुष्ठान का कार्यक्रम शुरू हो चुका है। इस बीच भगवान राम लाल के विग्रह को आज मंदिर परिसर में ले जाया गया है। मंदिर परिसर में भ्रमण करवाने के बाद बाल स्वरूप को मंदिर में प्रवेश करवाया गया। प्राण प्रतिष्ठा से पहले मंदिर की सरयू से लाए हुए जल से गर्भगृह की साफ सफाई की जाएगी। इसके साथ ही अन्य देशों -शेष पृष्ठ दो पर

अमित शाह 20 को गुवाहाटी में

गुवाहाटी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुवाहाटी के पानबाजार क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र रिवरफ्रंट सौंदर्यीकरण परियोजना के एक हिस्से सहित राज्य में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करने के लिए 20 जनवरी को असम का दौरा करेंगे। असम के कैबिनेट मंत्री पीयूष हजारिका ने बताया कि अमित शाह अपनी यात्रा के दौरान गुवाहाटी में तीन सरकारी कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे, जिसमें सरूसजाई स्टेडियम में असम पुलिस का पासिंग परेड कार्यक्रम भी शामिल है। हजारिका ने कहा कि हम केंद्रीय गृह मंत्री का यहां भव्य स्वागत करेंगे और लगभग 60,000 भाजपा पार्टी कार्यकर्ता विभिन्न स्थानों पर उनका स्वागत करेंगे।

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

महाराष्ट्र कांग्रेस में भारी फूट की संभावना

मुंबई (हि.स.)। बुधवार को वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री सुशीलकुमार शिंदे के सोलापुर स्थित आवास पर जाकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता और मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने शिंदे से मुलाकात की। इसी तरह आज ही मिलिंद देवड़ा के कट्टर समर्थक विधायक अमीन पटेल ने भी मुंबई में सह्याद्रि गेस्ट हाउस में जाकर मुंबई शहर के संरक्षक मंत्री दीपक केसरकर से मुलाकात की है। इन दोनों मुलाकातों से राज्य का राजनीतिक माहौल गरमा गया है। महाराष्ट्र कांग्रेस पार्टी में एक बार फिर से भारी फूट होने की संभावना व्यक्त की जाने लगी है। सुशील कुमार शिंदे ने आज ही सुबह कहा था कि वे दो बार चुनाव हार गए हैं। फिर भी भाजपा की ओर से उन्हें और उनकी विधायक बेटी प्रणिती शिंदे को पार्टी में शामिल होने का आफर दो बार आ चुका है। हालांकि इसके बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि इस तरह का कोई आफर नहीं दिया गया है। आज ही दोपहर में मंत्री चंद्रकांत पाटिल सोलापुर स्थित सुशील कुमार शिंदे के आवास पर गए और शिंदे से मुलाकात की। इसके बाद चंद्रकांत पाटिल ने पत्रकारों को बताया कि उनकी मुलाकात के दौरान इस तरह की कोई चर्चा नहीं हुई है। पाटिल ने कहा कि सुशील कुमार शिंदे और उनकी बेटी जाने माने स्वच्छ राजनीतिक घराने से हैं,प्रणिती शिंदे आक्रामक विधायक हैं। अगर यह लोग भाजपा में आएंगे तो उनका स्वागत है। पाटिल ने यह भी कहा कि जब इस तरह की बात होगी तो मीडिया को पता भी नहीं चलेगा। इसी तरह आज मिलिंद देवड़ा समर्थक विधायक अमीन पटेल भी शिंदे समूह के नेता और मंत्री दीपक केसरकर से मिले। इन दोनों के बीच काफी देर तक चर्चा हुई, लेकिन दोनों नेताओं ने इस मुलाकात को व्यक्तिगत बताया है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता स्वर्गीय मुरली देवड़ा के बेटे मिलिंद देवड़ा हालही में शिंदे समूह की शिवसेना में शामिल हो गए हैं। अमीन पटेल मुरली देवड़ा के समय से ही देवड़ा समर्थक रहे हैं। इसलिए अमीन पटेल के बारे में चर्चा है कि निकट भविष्य में वे भी शिंदे समूह में शामिल हो सकते हैं। इसी तरह अंदरुनी जानकारी के मुताबिक कांग्रेस पार्टी के कई विधायक और नेता भाजपा और शिंदे समूह की शिवसेना के संपर्क में हैं।

पीएम के नेतृत्व में भारत दुनियाभर में छू रहा नई ऊंचाईयां : उपराष्ट्रपति

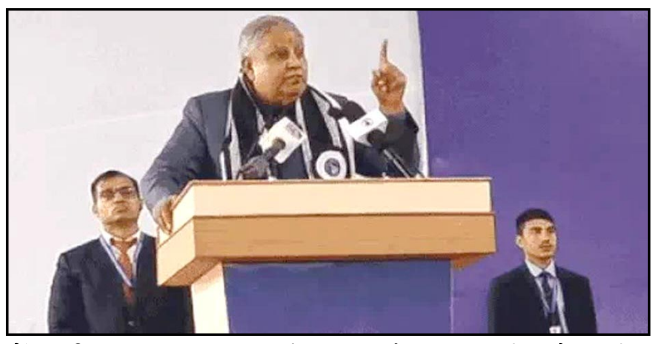

टोंक (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि पिछले दस साल में देश की शासन व्यवस्था बदल गई है। मगर कुछ लोग सोचते हैं कि वे कानून से ऊपर हैं और जब कोई अपने आप को कानून के ऊपर समझता है तो बाकी सब हताश हो जाते हैं कि यह हमसे अलग क्यों है। हमारे बराबर क्यों नहीं है? प्रजातांत्रिक व्यवस्था में तो सभी बराबर होते हैं। सभी को कानून के सामने हिसाब देना पड़ता है। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बुधवार को वनस्थली विद्यापीठ के 40वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज से 10 साल पहले भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में मानी जाती थी और पीएम ने ऐसा करिश्मा किया कि कनाडा को पीछे छोड़ा, इंग्लैंड को पीछे छोड़ा, फ्रांस को पीछे छोड़ा, कई देशों को पीछे छोड़ा हमने और आज भारत दुनिया में पांचवी आर्थिक महाशक्ति है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अगले 2-3 वर्ष में जर्मनी और जापान भी हमसे पीछे हो जाएंगे और भारत जहां दुनिया की आबादी का छठां हिस्सा रहता है, वह तीसरी आर्थिक महाशक्ति बन जाएगा। धनखड़ ने कहा कि तीन दशक तक महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा में आरक्षण नहीं मिला पर पीएम ने कहा यह तो मुमकिन होना चाहिए। यह मुमकिन नहीं होगा तो उत्थान कैसे होगा? 20 और 21 सितंबर 2023 को यह बिल पास हो गया। अब आने वाले चुनाव में लोकसभा में कम से कम एक तिहाई महिला होंगी और ज्यादा भी होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि मुझे कुछ चिंताएं भी हैं। पहली मेरी चिंता यह है कि हमारा देश आगे बढ़ रहा है, कुछ लोगों का हाजमा बड़ा गड़बड़ है। उनकी संख्या बहुत कम है, वे इसको पचा नहीं पा रहे हैं। वनस्थली विद्यापीठ में इसका अनुसंधान होना चाहिए कि उनका हाजमा गड़बड़ क्यों है, विकास को क्यों नहीं पचा पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि असफलता से आपको डर कभी नहीं लगना चाहिए। असफलता से डरने का मतलब आप सफलता का रास्ता बंद कर रहे हो। बहुत से प्रयास होते हैं, उनमें पहली बार में ही सफल होना आसान नहीं है। हम अमृत काल में जी रहे हैं।

पटाखा फैक्टरी में विस्फोट, 20 की मौत

बैंकाक (हि.स.)। थाईलैंड में सुफान बुरी पटाखा फैक्टरी में बुधवार को हुए विस्फोट में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई। यह विस्फोट मुआंग जिले के तांबोन सलाखाओ के एक गांव में दोपहर करीब 3.30 बजे हुआ। विस्फोट की तीव्रता से 100 मीटर के दायरे में मलबा फैल गया और हर जगह मानव अवशेष बिखरे हुए थे। स्थानीय निवासियों ने बताया कि सुबह 20 कर्मचारी कारखाने में काम करने के लिए पहुंचे थे और उन्होंने विस्फोट के बाद किसी को बाहर नहीं आते देखा। उल्लेखनीय है कि यहीं पर एक साल पहले हुए विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और तीन घायल हो गए थे।

गुवाहाटी : बिहू में दो दिनों में बिकी 12.5 करोड़ की शराब

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य उत्पाद शुल्क विभाग के अनुसार इस साल गुवाहाटी शहर में दो दिनों- उरुका और माघ बिहू के दौरान 12.5 करोड़ रुपए की शराब की बिक्री हुई। जानकारी के अनुसार 14 जनवरी को गुवाहाटी में उरुका के दिन 7.2 करोड़ रुपए की शराब बिकी, जबकि 15 जनवरी को गुवाहाटी में 4.6 करोड़ रुपए की शराब बेची गई। इनके अलावा बिहू के दो दिनों के दौरान पूरे राज्य में लगभग 20 करोड़ रुपए की शराब बेची गई। उल्लेखनीय है इससे पहले नए साल के मौके पर गुवाहाटी में 7.80 करोड़ रुपए की शराब बिकी थी। गुवाहाटी में ड्रिंक एंड ड्राइव की 15 घटनाएं घटित हुई।

दरंग में कांपी धरती, 3.5 मापी गई तीव्रता

दरंग। असम के दरंग में बुधवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। दरंग में बुधवार सुबह 3.5 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने कहा कि भूकंप सुबह 7.54 बजे आईएसटी (भारतीय मानक समय) पर 20 किमी की गहराई पर आया। भूकंप का अक्षांश 26.55, लंबाई 92.13, गहराई 20 किमी थी। राहत भरी बात यह है कि भूकंप में किसी के भी हताहत होने की खबर सामने नहीं आई है। इससे पहले सोमवार शाम को मध्य असम में 3.6 तीव्रता वाले भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक, सात बजकर 12 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिसका केंद्र ब्रह्मपुत्र के दक्षिणी तट पर पूर्वी कार्बी आंग्लांग जिले में जमीन से 23 किलोमीटर नीचे था।

रिश्वत का आरोपित आरपीएफ के पूर्व सिपाही को पांच साल की जेल

नई दिल्ली (हि.स.)। आरपीएफ के पूर्व सिपाही को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के विशेष न्यायाधीश की एक अदालत ने पांच साल की जेल की सजा सुनाई है। यह सजा पीसी एक्ट मामले में कुर्दुवाड़ी, सोलापुर के आरपीएफ के पूर्व सिपाही गणेश सतपुते को सुनाई गई है। इसके ऊपर 4,500 रुपए का जुर्माना लगाया है। सीबीआई ने आरोपित के खिलाफ पिछले वर्ष मार्च में मामला दर्ज किया था। सीबीआई का आरोप था कि सिपाही ने एक टूर एंड ट्रैवल कंपनी के कर्मचारी से 10 हजार रुपए लिए थे। इस कंपनी द्वारा बुक किए गए रेलवे टिकटों पर प्रतिदिन प्रति यात्री 100 रुपए की रिश्वत ले रहा था। जांच के बाद अगस्त 2023 को आरोपी के विरुद्ध आरोप पत्र दाखिल किया गया। जिसके बाद ट्रायल कोर्ट ने उक्त आरोपी को दोषी पाया और उसे दोषी ठहराया।

कछार में हेरोइन और दो बंदूकों के साथ दो गिरफ्तार

कछार (हिंस)। कछार पुलिस ने प्रतिबंधित मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में हेरोइन के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आज बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर सीआरपीएफ और बासकांदी पुलिस ने छापेमारी कर नयाग्राम सिंगेरबंद द्वितीय ब्लॉक से हेरोइन जब्त की।आताबुर रहमान लश्कर और आलिफ हुसैन लश्कर के घरों पर छापा मारकर पुलिस ने हेरोइन से भरे 6 साबुनदानी और 16 प्लास्टिक के कंटेनर जब्त किए। पुलिस ने बताया कि जब्त हेरोइन का वजन 411 ग्राम है। तलाशी के दौरान दो हस्तनिर्मित बंदूकें भी बरामद की गईं। पुलिस ने आताबुर रहमान और आलिफ हुसैन को प्रतिबंधित दवाओं और हथियारों के भंडारण के आरोप में गिरफ्तार कर लिया।

ईडी ने पूर्व सीएम हुड्डा से सात घंटे तक की पूछताछ

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा से बुधवार को दिल्ली में करीब 7 घंटे तक पूछताछ की। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय ने भूपेंद्र सिंह हुड्डा से 2004-07 के दौरान मानेसर में भूमि अधिग्रहण में अनियमितताओं को लेकर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ की है। ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के प्रावधानों के तहत हुड्डा का बयान दर्ज किया। हालांकि, इस बारे में अभी कांग्रेस और हुड्डा के करीबियों से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। उल्लेखनीय है कि ईडी की हुड्डा के खिलाफ यह जांच वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और नौकरशाहों पर मिलीभगत से 2004-07 के दौरान हरियाणा के मानेसर में भूमि के अवैध रूप से अधिग्रहण से संबंधित है। इस मामले में कई किसानों और भूमि मालिकों ने आरोप लगाया था कि उनके साथ करीब 1,500 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की गई है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने हरियाणा पुलिस के एक प्राथमिकी के आधार पर सितंबर, 2016 में भूमि घोटाले में पीएमएलए के तहत मामला दर्ज किया था। वहीं, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) भी इस मामले में जांच कर रहा है।

पृष्ठ एक का शेष

सीएम ने 42 लाख...

किया, जिन पर अभी काम किया जा रहा है, जिसमें राशन कार्डधारकों के लिए जीवन बीमा और दुर्घटना बीमा कवरेज योजना प्रदान करना शामिल हैं। नए राशन कार्डों के वितरण से 10,73,479 परिवार इसके दायरे में आ जायेंगे। मुख्यमंत्री ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि 2.52 करोड़ राशन कार्ड लाभार्थियों में से 2.32 करोड़ को अब तक कार्ड मिल चुके हैं और शेष को कार्ड उपलब्ध कराने की प्रक्रिया चल रही है।

राहुल की भारत ...

कि मैंने अपना माजुली का कार्यक्रम रद्द कर दिया है। माजुली एक छोटा सा जिला है, मैं जिला प्रशासन को मुश्किल में नहीं डालना चाहता। उन्होंने कहा कि हमने 18 जनवरी और 19 जनवरी को जोरहाट और डेरगांव में राशन कार्ड वितरण कार्यक्रम भी रद्द कर दिया है, जिस अवधि के दौरान यात्रा उन क्षेत्रों से गुजरने वाली है। हम इससे ज्यादा क्या कर सकते हैं। मैंने 18 जनवरी और 19 जनवरी को ऊपरी असम में अपने सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं, जो एक महीने पहले घोषित किए गए थे। आपको इससे अधिक बड़े दिल वाली सरकार नहीं मिल सकती। इसी बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के 20 जनवरी को राज्य के प्रस्तावित दौरे पर शर्मा ने कहा कि कार्यक्रम अभी तय नहीं हुआ। शर्मा ने कहा कि हम किसी को यात्रा में जाने से नहीं रोक रहे लेकिन एक समुदाय को छोड़कर कोई यात्रा में नहीं जाना चाहता। लोगों को कांग्रेस की बैठकों में जाने में शर्म आती है। शर्मा से पूछा गया कि वह किस समुदाय की बात कर रहे हैं, इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि वह *मिया मुस्लिम* समुदाय की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुझे समुदाय का नाम लेने में कोई झिझक नहीं है। यहां तक कि वो भी आजकल कांग्रेस की बैठकों में भी नहीं जाना चाहते हैं। उन्होंने लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिलते देखा है; हम सभी के लिए काम कर रहे हैं। कांग्रेस की यात्रा हिंदू धर्म के विरोध का समर्थन करती है। कांग्रेस हिंदू विरोधी है और हम हिंदू समर्थक हैं। हालांकि, हम मुस्लिम विरोधी या ईसाई विरोधी या किसी समुदाय के खिलाफ भी नहीं हैं।

कौन हैं आनंद...

चले जाते हैं। आपको नाम याद होंगे क्योंकि आप प्रशंसक हैं, लेकिन मुझे एसपी का कोई नाम याद नहीं है क्योंकि मैं किसी का प्रशंसक नहीं हूं। प्रशंसकों वाला एसपी हमारे सिस्टम के लिए अच्छा नहीं है।

मुख्यमंत्री हिमंत ने ...

हुई। हमने अपने सहयोग को प्रगाढ़ करने और हमारे दोनों राज्यों के बीच निरंतर शांति और सद्भाव की दिशा में अपनी प्रतिबद्धताओं का विस्तार करने के तरीकों पर इस दौरान चर्चा की। उल्लेखनीय है कि अभी हाल ही में दोनों राज्यों के बीच के सीमा विवाद को लेकर दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक हुई थी। बैठक में सीमा विवाद से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई थी। आज, जबकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी नगालैंड के दो दिवसीय दौरे पर हैं- ऐसे में मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा का नगालैंड के मुख्यमंत्री ने नेफ्यू रियो से मिलना राजनीतिक दृष्टि से विशेष माना जा रहा है।

कुकी उग्रवादियों के...

बलों ने कुकी उग्रवादियों के विरूद्ध तलाशी अभियान चला रखा है। मणिपुर के गृह आयुक्त टी रणजीत सिंह ने बताया कि आज सुबह करीब 3 बजे के आसपास संदिग्ध कुकी उग्रवादियों ने तेंगनोपाल जिले के अंतर्गत मोरेह शहर के इमा कोंडोंग लैरेम्बी देवी मंदिर के पास आईआरबी शिविर पर मोर्टार से हमला किया। हमले के समय आईआरबी और मणिपुर पुलिस के हथियारबंद जवान सो रहे थे। सशस्त्र उग्रवादियों ने हमले में सिक्किम गांव की पहाड़ियों से रॉकेट-चालित ग्रेनेड (आरपीजी) का इस्तेमाल किया। हमले में एक सीडीओ कर्मी की मौके पर ही मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। एक अन्य जवान की बाद में अस्पताल में मौत हो गई। उन्होंने बताया कि असम राइफल्स का कैंप आईआरबी पोस्ट से महज 20 मीटर की दूरी पर है। गोलियों की आवाज सुनकर असम राइफल्स के जवानों ने आईआरबी जवानों की सुरक्षा के लिए अपने बुलेट-प्रूफ वाहनों का इस्तेमाल किया और उग्रवादियों का सामना करने के लिए दौड़ पड़े। टी रणजीत सिंह ने कहा कि सुबह से ही दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी जारी रही। उग्रवादी पहाड़ी चोटियों और नागरिक आवासों पर मोर्टार दाग रहे हैं। नागरिकों की सुरक्षा चिंताओं के कारण केंद्रीय और राज्य अर्धसैनिक बलों को बहुत सावधानी से जवाबी कार्रवाई करनी पड़ रही है। गृह आयुक्त टी रणजीत ने कहा कि मौजूदा संघर्ष को देखते हुए मोरे की स्थिति और खराब हो सकती है। किसी भी समय आपातकालीन चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता हो सकती है। इसलिए उन्होंने केंद्र को एक पत्र भेजकर गोला-बारूद, सेना आदि को एयरलिफ्ट करने के लिए हेलीकॉप्टरों की मांग की है। दरअसल, पिछले वर्ष तेंगनौपाल जिला के मोरेह में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की हत्या की घटना के मद्देनजर न्यू मोरेह के वार्ड नंबर 8 निवासी फिलिप खैखोलाल खोंगसाई और मौलसांग गांव निवासी हेमखोलाल मटे को सोमवार को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार किए गए दोनों लोग कुकी संगठन के शीर्ष नेता हैं। मंगलवार को कुकी संगठन ने इन्हें बिना शर्त रिहा करने के लिए 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया था। इसके बाद ही इस तरह की गोलीबारी की घटना सामने आई है।

राष्ट्रपति का असम ...

महोत्सव की स्वर्ण जयंती का आनंद लेने के लिए बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए थे। लेकिन आज कार्बी आंग्लांग की पहाड़ियों में बहुत घने बादल थे। वह ठीक शिलांग से आया था लेकिन कार्बी आंग्लांग में नहीं उतर सका। डॉ शर्मा ने कहा कि हालांकि राष्ट्रपति ने इस अवसर के लिए एक वीडियो संदेश भेजा। मालूम हो कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तीन दिवसीय दौरे कार्यक्रम के तहत 15 जनवरी को मेघालय और असम आईं थीं। वह उसी दोपहर दो बजे एक विशेष उड़ान से गुवाहाटी के लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरीं। राष्ट्रपति गुवाहाटी हवाईअड्डे से वायुसेना के हेलीकॉप्टर से मेघालय के तुरा के लिए रवाना हुईं। उन्होंने तुरा के पीए संगमा स्टेडियम में 5वें मेघालय खेलों के उद्घाटन, राज्य में कई परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास, महिला सशक्तिकरण गतिविधियों आदि में भाग लिया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का कल शाम शिलांग के राजभवन में मेघालय सरकार द्वारा आयोजित एक समारोह में नागरिक अभिनंदन किया गया। आज 17 जनवरी को राष्ट्रपति मुर्मू असम के कार्बी आंग्लांग जिला मुख्यालय डिफू तारालांगसो में कार्बी युवा महोत्सव के स्वर्ण जयंती समारोह में भाग लिए बिना दिल्ली के लिए रवाना हो गईं।

देश का अगला जहाज...

कोच्चि इसका प्रतीक बन रहा है। उन्होंने आज उद्घाटन किए गए नए बुनियादी ढांचे पर जोर दिया जो कोचीन शिपयार्ड की क्षमता को और बढ़ावा देगा। पीएम मोदी ने कहा कि आज देश के पास अपना सबसे बड़ा ड्राई डॉक (एनडीडी) है। इसके अलावा, जहाज निर्माण, जहाज मरम्मत और एलपीजी आयात टर्मिनल के बुनियादी ढांचे का भी उद्घाटन किया गया है। उन्होंने कहा कि इन नई सुविधाओं से शिपयार्ड की क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी। मैं इन सुविधाओं के लिए केरल के लोगों को बधाई देता हूं। यह बताते हुए कि भारत वैश्विक व्यापार के एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है, प्रधानमंत्री ने कहा कि देश की समुद्री शक्ति को मजबूत करने के प्रयास भी चल रहे हैं। राज्य के दो दिवसीय दौरे पर आए पीएम मोदी ने दिन की शुरुआत में त्रिशूर के गुरुवयूर श्री कृष्णस्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की। गुरुवायुर मंदिर भगवान गुरुवायुरप्पन (भगवान कृष्ण) को समर्पित है और केरल में हिंदुओं के लिए एक महत्वपूर्ण पूजा स्थल है। देवस्वओम पदाधिकारियों ने उनका स्वागत *पूर्ण कुंभम* (फूलों से सजे पवित्र जल से भरा घड़ा) देकर किया। यह मंदिरों और इसी तरह के स्थानों में मेहमानों का स्वागत करने का एक पारंपरिक तरीका है। अपने मंदिर दौरे के दौरान पीएम मोदी अभिनेता और भाजपा नेता सुरेश गोपी की बेटी की शादी में भी शामिल हुए। पीएम मोदी त्रिशूर में त्रिप्रयार श्री रामास्वामी मंदिर भी गए और वहां पूजा-अर्चना की। त्रिप्रयार मंदिर राज्य के प्रमुख मंदिरों में से एक है, जिसमें भगवान राम मुख्य देवता हैं। प्रधानमंत्री मंगलवार रात केरल पहुंचे जहां नेदुंबसेरी में कोचीन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, राज्य मंत्री वी मुरलीधरन और भाजपा नेता प्रकाश जावड़ेकर ने उनका स्वागत किया। पीएम मोदी ने मंगलवार को कोच्चि में एक भव्य रोड शो किया जिसमें हजारों समर्थक शामिल हुए। रोड शो के लिए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के सुरेंद्रन अपने काफिले में प्रधानमंत्री के साथ थे। दो हफ्ते में पीएम का यह दूसरा केरल दौरा है।

राहुल के सामने ...

लिए न्याय और क्या आप महिलाओं के साथ हर रोज होने वाले अन्याय से थक गए हैं? बीते वर्ष अंकिता दत्ता ने युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हुए श्रीनिवास के खिलाफ उत्पीड़न और भेदभाव के गंभीर आरोप लगाए थे। आरोप के बाद असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने अंकिता को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। उनके जवाब से संतुष्ट नहीं होने पर कांग्रेस ने उन्हें संगठन विरोधी गतिविधियों को लेकर पार्टी से निष्कासित कर दिया था।

ईरान ने पाकिस्तान...

सरकारी मीडिया ने कहा कि आतंकी ठिकानों पर मिसाइलों और ड्रोनों से हमला कर उन्हें नष्ट कर दिया गया है। ईरान ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर हमले का दावा ऐसे वक्त में किया है जब ईरानी विदेश मंत्री होसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन और पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवर काकड़ ने दावोस में विश्व आर्थिक फॉरम (डब्ल्यूईएफ) के मौके पर मुलाकात की है। हालांकि ईरान के इस दावे पर पाकिस्तान ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

गंभीर परिणाम भुगतने ...

मंगलवार को मिसाइलों से निशाना बनाया। यह कार्रवाई इराक और सीरिया में किए गए हमलों के एक दिन बाद की गई। पाकिस्तान ने *अपने हवाई क्षेत्र के उल्लंघन* की कड़ी निंदा करने के लिए ईरान के प्रभारी राजदूत को विदेश मंत्रालय में तलब किया। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने बयान जारी कर ईरान के इस कृत्य को उसके *हवाई क्षेत्र का अकारण उल्लंघन* बताया है। पश्चिम एशिया में हमास और इजराइल के युद्ध के कारण में पहले से ही स्थिति तनावपूर्ण है, ऐसे में ईरान के इन हमलों ने चिंता और बढ़ा दी है। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम ने कहा कि पाकिस्तान में जैश अल-धुल्म (जैश अल-अदल) आतंकवादी समूह के दो प्रमुख ठिकानों को विशेष रूप से लक्षित किया गया और सफलतापूर्वक ध्वस्त कर दिया गया। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने कहा कि पाकिस्तान अपनी संप्रभुता के उल्लंघन का कड़ा विरोध करता है। यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है और इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। समाचारपत्र की एक रिपोर्ट के अनुसार जैश अल-अदल आतंकवादी समूह ने ईरानी सुरक्षा बलों पर हमले किए हैं।

खतरा : एक और ...

जाए, तो चीन एक नए घातक कोविड जैसे वायरस पर काम कर रहा है। ये चूहों के लिए 100 प्रतिशत घातक है और मनुष्यों को प्रभावित कर सकता है। 3 जनवरी को बायोरेक्सिव वेबसाइट पर प्रकाशित पेपर में दावा किया गया कि चीनी सेना द्वारा प्रशिक्षित डॉक्टरों ने तथाकथित पैंगोलिन कोरोना वायरस का अपना वर्जन तैयार किया है और चूहों पर इसका परीक्षण भी किया है। पेपर में कहा गया है कि चार चूहों को निष्क्रिय वायरस का टीका लगाया गया और चार नकली-संक्रमित चूहों को नियंत्रण के रूप में इस्तेमाल किया गया। हैरानी की बात यह है कि जीवित वायरस से संक्रमित सभी चूहे टीकाकरण के 7-8 दिनों के भीतर संक्रमण का शिकार हो गए। विशेषज्ञों ने पाया कि जिन चार चूहों को वायरस दिया गया, संक्रमित होने के बाद पांच दिनों के भीतर उनका वजन कम हो गया। सातवें दिन चूहे सुस्त होने लगे और उनकी आंखें सफेद हो गईं। जीवित वायरस से संक्रमित चूहों में फेफड़ों में वायरल लोड छठे दिन तक काफी कम हो गया। इसके साथ ही चूहों की मौत के आखिरी दो दिन पहले मस्तिष्क में वायरस का असर ज्यादा था। पेपर में आगे कहा गया कि इस खोज से पता चला संक्रमण के बाद के चरणों के दौरान गंभीर मस्तिष्क संक्रमण इन चूहों में मृत्यु का प्रमुख कारण हो सकता है।

ब्रिटेन में सिखों ...

कट्टरपंथी सिख संगठन से आई और इसमें भारत सरकार की कोई भागीदारी नहीं थी। रविवार को फेडरेशन ऑफ सिख ऑर्गेनाइजेशन (एफएसओ) की एक बैठक में एक प्रस्ताव पारित किया गया, जिसमें ब्रिटेन में सिख कार्यकर्ताओं की सुरक्षा के खतरे को सुनिश्चित करने में विफल रहने और भारत सरकार द्वारा सार्वजनिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय दमन की निंदा न करने के लिए यूके सरकार की आलोचना की गई। एक अन्य प्रस्ताव पारित कर उसमें सिख नेताओं से आग्रह किया गया कि वे ब्रिटेन के राजनेताओं को गुरुद्वारों में तब तक बोलने की अनुमति न दें, जब तक कि वे सार्वजनिक रूप से प्रवासी भारतीयों में सिख कार्यकर्ताओं के भारत सरकार के अंतर्राष्ट्रीय दमन की निंदा नहीं करते। कनाडा में एक सिख अलगाववादी नेता की गोली मारकर हत्या के बाद भारत सरकार की सार्वजनिक रूप से निंदा न करने पर सिख समुदाय के नेताओं ने ब्रिटेन सरकार की आलोचना की है। सिख फेडरेशन का आरोप है कि इस धमकी के पीछे भारत का हाथ हो सकता है, क्योंकि खालिस्तानी आतंकी गुरुपवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश के चलते अमेरिका की कोर्ट में भारतीय मूल के नागरिक निखिल गुप्ता पर केस चल रहा है। महासंघ ने सिख कार्यकर्ता अवतार सिंह खांडा के परिवार की कानूनी चुनौती का भी समर्थन किया, जो जून में उनकी अचानक मौत की जांच की मांग कर रहा है। सिख फेडरेशन के प्रमुख सलाहकार दबिंदरजीत सिंह, जो एफएसओ के एक प्रमुख सदस्य हैं, ने कहा कि हम आम तौर पर यूके सरकार और यहां के अधिकारियों के दृष्टिकोण से चिंतित हैं, हमने उनकी ओर से लगभग पूरी तरह से चुप्पी देखी है। उन्होंने इस देश में सिखों की सुरक्षा के बारे में कुछ नहीं कहा। ऐसा लगता है जैसे हम अब उतने सुरक्षित नहीं हैं। मेरी सबसे बड़ी चिंता यह है कि ब्रिटेन में सिख विरोध प्रदर्शनों से दूर रहेंगे, वे अपनी आवाज नहीं उठाएंगे, क्योंकि उन्हें डर है कि क्या होगा। हालांकि एफएसओ की शिकायतों का ब्रिटिश सरकार ने करारा जवाब दिया है। एक सरकारी प्रवक्ता ने कहा कि ब्रिटेन को अपने विविध समुदायों पर गर्व है, और ब्रिटिश सिख हमारे समाज की ताकत में बहुत योगदान देते हैं। हम यूके में संभावित खतरों का लगातार आकलन करते हैं, और यूके में व्यक्तियों के अधिकारों, स्वतंत्रता और सुरक्षा की सुरक्षा को गंभीरता से लेते हैं। बता दें कि इससे पहले कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के पीछे भारत सरकार के जासूसों के हाथ होने का आरोप भी लगाया था जिसके बाद भारत-कनाडा के संबंधों में लगातार तनाव चल रहा है। बता दें कि उस्मान वार्निंग पुलिस के द्वारा हत्या की धमकी के बात दी जाती है। ये उस वक्त दी जाती जब इस बात की खुफिया जानकारी होती है, लेकिन किसी को गिरफ्तार करने के लिए सही सबूत नहीं रहते। ये नाम एक उस्मान परिवार से आया। जिसमें पुलिस ने अली उस्मान (एक व्यापारी जिसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने उसके जीवन के अधिकार का उल्लंघन किया क्योंकि उनके पास खतरे से निपटने के लिए आवश्यक जानकारी थी।

राम मंदिर के चारों ...

से या फिर भारत के अन्य राज्यों से जो जल आया है उससे भी पवित्रीकरण का कार्यक्रम किया जाएगा। हालांकि, यह असली मूर्ति नहीं जो गर्भगृह में स्थापित होगी और न ही इस मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। यह एक प्रतीकात्मक मूर्ति है। जानकारी के अनुसार, भगवान राम की असल मूर्ति, जो गर्भगृह में स्थापित होगी उसे 18 जनवरी को राम मंदिर परिसर में लाया जाएगा। भगवान राम के बालस्वरूप की असल मूर्ति को कर्नाटक के मूर्तिकार अरुण योगीराज ने बनाया है। बता दें कि प्राण प्रतिष्ठा में मुख्य मेहमाम पीएम मोदी है इसके साथ कई दिग्गज हस्तियां वहां पहुंचेंगी। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए हजारों की संख्या में वीवीआईपीएस भी शामिल होंगे।

उग्रवादी हमले में ...

को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के लिए ऑपरेशन चलाया। सेना और आतंकियों के बीच अभी भी गोलीबारी जारी है। गोलीबारी के बाद लगी आग में सात घर, दो चर्च और तीन स्कूल जलकर राख हो गए हैं। पूरे इलाके की नाकेबंदी कर सुरक्षा बल जोरदार अभियान चला रहे हैं। उग्रवादी मोर्टार से भी रिहायसी इलकों हमला कर रहे हैं, जिसके चलते घरों और चर्च एवं स्कूलों में आग लग गई। हालात बेहद संवेदनशील बने हुए हैं।

कार्बी युवा महोत्सव के स्वर्ण जयंती समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री हिमंत

कार्बी यूथ फेस्टिवल के लिए राज्य सरकार सालाना तीन करोड़ रुपए देगी

कार्बी आंगलोंग (हिंस)। असम के सबसे बड़े सांस्कृतिक उत्सवों में से एक कार्बी यूथ फेस्टिवल में आज मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। डिफू के तारालांग्सू में आयोजित इसके उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस फेस्टिवल की लोकप्रियता क्षेत्र के युवाओं के सशक्तिकरण के लिए एक संभावित शक्ति बन गई है। उन्होंने कहा कि युवा सांस्कृतिक पुनरुत्थान के अग्रदूत हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें कार्बी महोत्सव के स्वर्ण जयंती समारोह में कार्बी लोगों की समृद्ध और रंगीन संस्कृति को देखकर प्रसन्नता हुई। प्रतिकूल मौसम की वजह से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू कार्बी युवा महोत्सव में भाग लेने में असमर्थ रहीं। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष राष्ट्रपति की उपस्थिति में यह फेस्टिवल बड़े पैमाने पर मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने घोषणा

की कि राज्य सरकार कार्बी युवा महोत्सव के लिए सालाना 3 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करेगी और सांस्कृतिक मामलों का विभाग महोत्सव का सह-आयोजक भी होगा। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार जिले में पर्यटन क्षेत्र को विकसित करने के लिए कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद की मदद करेगी। मुख्यमंत्री ने कार्बी आंगलोंग जिले के दिग्गजों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि कार्बी युवा महोत्सव 1974 में शुरू हुआ था। आज 50 वर्षों से कार्बी युवा महोत्सव ने कार्बी आंगलोंग जिले को एकजुट किया है तथा अन्य जातीय समूहों को एकता की लय में एक साथ लाया है। उन्होंने कहा कि कार्बी समुदाय ने लोकतांत्रिक व्यवस्था के माध्यम से लोकतांत्रिक समाज को जीवित रखा है, जो प्रेरणा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि कार्बी समुदाय के बीच एक अजीब शक्ति है, जिसने कार्बी समुदाय को जीवंत बनाए रखा है और इसे विश्व मंच पर आगे बढ़ाया है। कार्बी यूथ फेस्टिवल की संयुक्त ताकतें कार्बी आंगलोंग की नई पीढ़ी को इसे और आगे ले जाने के लिए प्रेरित करेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्बी लोक संस्कृति बहुत समृद्ध है और इस समृद्ध संस्कृति को कार्बी युवा महोत्सव के माध्यम से विश्व मंच पर ले जाया जा सकता है। अपने स्वर्ण जयंती वर्ष में प्रवेश करते हुए इस युवा महोत्सव को एक नए स्तर पर ले जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कार्बी युवा महोत्सव पिछले 50 वर्षों की सफलता के आधार पर देश के अग्रणी युवा महोत्सवों में से एक बन सकता है। समारोह के दौरान असम विधानसभा के अध्यक्ष नॉर्मल मोहन, नंदिता गालोसा, कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य तुलीराम रंगहांग, विधायक बिद्यासिंग इंग्ले, दरसिंग रंगहांग, कार्बी राजा लोंगसिंग रंगहांग, डिमा हसाओ स्वायत्तशासी परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य देवलाल गार्लोसा और असम सरकार के मुख्य सचिव पवन कुमार बरठाकुर समित के गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

आज शक्ति को किया जाता है ज्ञान से परिभाषित : डॉ. सोमनाथ

गुवाहाटी (हिंस)। आज प्राग्ज्योतिषपुर विश्वविद्यालय ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष डॉ. श्रीधर पाणिक्कर सोमनाथ को चंद्रयान-3 मिशन की सफलता का जश्न मनाने तथा उन्हें सम्मानित करने के लिए श्रीमंत शंकरदेव अंतर्राष्ट्रीय सभागार में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. सोमनाथ ने 2023 के सफल चंद्रयान-3 मिशन से जुड़े वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की टीम का नेतृत्व किया था। जिससे चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव तक पहुंचने वाला पहला देश बनकर भारत ने इतिहास रचा। सितंबर 2023 में उन्होंने और उनकी टीम ने भारत का पहला सूर्य अवलोकन मिशन आदित्य-एल1 सफलतापूर्वक लांच किया। असम के प्रसिद्ध लेखक, नाट्यकार, फिल्म निर्माता ज्योतिप्रसाद अग्रवाल की पुण्यतिथि शिल्पी दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दीप प्रज्वलन के बाद महान कलाकार ज्योति प्रसाद अग्रवाल की छवि पर माल्यार्पण के बाद सम्मान-सह-

संवाद कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत हुई। राज्यभर के स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों ने डॉ. पाणिक्कर को अंतरिक्ष अन्वेषण में भारत के साहसिक प्रयास और उसकी चुनौतियों पर उनके संबोधन सुने। अपने संबोधन के बाद छात्रों के सवालों का जवाब देते हुए डॉ. सोमनाथ ने कहा कि भारत के अंतरिक्ष उपक्रमों का भविष्य उज्ज्वल है। साथ ही उन्होंने कहा कि एक समय में शक्ति को तलवार से परिभाषित किया जाता था, और फिर प्राकृतिक और मानव संसाधनों की उपलब्धता से। आज, इसे समाज की पृष्ठभूमि में ज्ञान द्वारा परिभाषित किया जाता है, जो ज्ञान के इर्द-गिर्द हर चीज को आकार देता है। एक राष्ट्र को अपने नागरिकों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने में सक्षम होने के लिए शक्तिशाली होना होगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता क्रांति का उल्लेख करते हुए डॉ. सोमनाथ ने कहा कि आज एआई द्वारा आकार और संचालित दुनिया में सामाजिक संवेदनशीलता से समझौता नहीं किया जाना चाहिए। इनके बाद उन्होंने विद्यार्थियों के प्रश्नों का उत्तर दिया।

दस क्विंटल लैबलैब बीन्स लंदन को निर्यात किया गया

शिवसागर (हिंस)। असम के कृषि क्षेत्र में क्रांति आ रही है। आज लगभग दस क्विंटल लैबलैब बीन्स लंदन को सफलतापूर्वक निर्यात किया गया। लैबलैब बीन्स को स्थानीय रूप से उरोही के नाम से जाना जाता है। शिवसागर जिले के निताईपुखुरी में दिहिंगपरिया फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी (एफपीसी) के किसानों ने यह निर्यात किया। राज्य के कृषि मंत्री अतुल बोरा ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि यह एफपीसी द्वारा निर्यात की गई दूसरी खेप है। हाल ही में 500 किलोग्राम उरोही का निर्यात किया गया था। मंत्री ने अपनी खुशी व्यक्त की और बागवानी विभाग के अधिकारियों, शिवसागर जिला कृषि विभाग के संबंधित अधिकारियों, एपीएआरटी और उरोही के उत्पादन में शामिल प्रत्येक किसानों को बधाई दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि इससे आने वाले दिनों में फसल निर्यात के चलन को और बढ़ाकर राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था में एक नई क्रांति की शुरुआत होगी। प्लेटफॉर्म एक्स पर अतुल बोरा ने लिखा, माघ के पहले दिन असम के कृषि क्षेत्र के लिए अच्छी खबर! शिवसागर जिले के निताईपुखुरी में दिहिंगपरिया एफपीसी के किसानों द्वारा उत्पादित 1, 000 किलोग्राम लैबलैब बीन्स (उरोही) को लंदन में निर्यात किया गया।

जरूरतमंदों के बीच खाद्यान्न वितरित

गुवाहाटी। सामाजिक, सांस्कृतिक संस्था विद्यापति चेतना समिति ने तिल संक्रांति, माघ बिहू के अवसर पर प्रत्येक साल की तरह इस वर्ष भी शांति सभा, कुमारपाड़ा, पांचअली में जरूरतमंदों में कंबल, बिस्कुट, मिनरल वाटर एवं नाश्ता के पैकेट्स बांटे, जिसमें सैकड़ों गरीब औरत, पुरुष व बच्चों ने कतारबद्ध होकर लिया। सर्वप्रथम शांति सभा में पं. नगेन शर्मा ने भगवान गणेश की विधिवत पूजा-अर्चना कर उन्हें कंबल एवं सामग्री चढ़ाई। तत्पश्चात समिति के उपाध्यक्ष मिथिलेश मंडल एवं संयुक्त सचिव सत्येंद्र झा को संकल्प कराकर सामग्री बांटने के आदेश दिए।

24वीं बटालिन एसएसबी, रंगिया के मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

रंगिया (विभास)। सशस्त्र सीमा बल की 24वीं वाहिनी द्वारा बुधवार को वाहिनी के कमांडेंट दीपक सिंह के मार्ग-दर्शन में द्वितीय कमान अधिकारी जसबीर सिहं, 24वीं वाहिनी, रंगिया के द्वारा नागरिक कल्याण कार्यक्रम (उत्तर-पूर्व) के तहत कराए जा रहे मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण का शुभांरभ किया गया। यह कार्यक्रम सीमा क्षेत्र के कुमारीकाटा स्थित *खादी ग्रामउद्योग विद्यालय* के माध्यम से आज से कावली सामुदायिक भवन में शुरू किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित द्वितीय कमान अधिकारी जसबीर सिहं ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य सीमा क्षेत्र के किसानों

को मधुमखी पालन की जानकारी देना हैं, जिससे कि वें अपने लिए इसे रोजगार के रूप में उपयोग कर सके एवं इसकों व्यवसायिक रूप भी दे पाए, उन्होंने कहा कि मधुमक्खी पालन वर्तमान में अत्यन्त लाभकारी विषय है जिसकी मांग समूचे विश्व भर में दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। बताया गया है कि प्रशिक्षण में कुल 20 पुरुष एवं महिलाएं भाग ले रहें है। उन्होंने कहा कि वाहिनी का उद्देश्य सीमा क्षेत्र के नागिरकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। इसी उद्देश्य से वाहिनी लगातार इस प्रकार के प्रशिक्षण कराने का प्रयास कर रहीं है और आगे भी ऐसा प्रयास जारी रहेगा। वहीं दूसरी ओर वाहिनी द्वारा नागरिक कल्याण कार्यक्रम (उत्तर-पूर्व) के तहत, तामूलपुर स्थित *कैरियर इंफो* प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से कराए जा रहे 15 दिवसीय मशरूम क्लटीवेश प्रशिक्षण का आज समापन किया गया। इसके तहत सीमा क्षेत्र के कुल 16 पुरूष एवं महिलाओं को मशरूम की लाभकारी खेती का प्रशिक्षण दिया गया। मालूम हो कि सशस्त्र सीमा बल की 24वीं वाहिनी द्वारा हर संभव प्रयास किया जा रहा है कि अपने कार्यक्षेत्र के नागरिकों और छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य के लिए निरंतर इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन करते रहे और इससे सीमावर्ती क्षेत्रों के नागरिकों को आत्मनिर्भर एवं आर्थिक शसक्त बनाया जा सके। कार्यक्रम के दौरान 24वीं वाहिनी के कुमुद रंजन, मोती लाल, विश्वा नाथ मिश्रा, उप-कमांडेट, श्री सनोज राज, नवनीत कुमार यादव, पीयूष कुमार पाठक, सहायक कमांडेंट एवं अन्य बल कर्मी उपस्थित रहे।

आलोपती मंडलपाड़ा नवज्योति क्लब का 13वें भोगली महोत्सव का समापन

नगरबेड़ा (विबास)। बरपेटा जिले के बाघबार निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आलोपति मंडलपाड़ा नवज्योति क्लब द्वारा आयोजित 13वें हेपहर भोगली महोत्सव का मंगलवार को समापन हो गया। 15 जनवरी को क्लब के वार्षिक भोगली उत्सव के अवसर पर ध्वजारोहण, समाज सेवा आदि के साथ नृत्य, संगीत और विभिन्न खेलों आदि प्रतियोगिताएं हुईं। भोगाली उत्सव के समापन के दिन यानी कल दोपहर एक खुली और पुरस्कार वितरण बैठक आयोजित की गई। आलोपति मंडल पारा नवज्योति क्लब के सचिव रुकेश अली अहमद के संचालन में हुई बैठक में नवज्योति क्लब के महासचिव मास्टर अबू शोहेल ने बैठक का उद्देश्य समझाया। क्लब के अध्यक्ष रेजाउल हक मंडल की अध्यक्षता में हुई खुली बैठक में चेंगा निर्वाचन क्षेत्र के विधायक अशरफुल हुसैन ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और यह वृहद असमिया जाती के निर्माण में चर क्षेत्र के लोगों द्वारा निभाई गई विशेष भूमिका का एक शानदार प्रमाण है। सभा में लुइटपरिया कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. शामसुल आलम सोरवर्डी, नवद्वीप अकादमी के प्राचार्य स्वाहा आलम, बाघमारा चर सहकारी समिति के पूर्व अध्यक्ष एम मुसूर उद्दीन, कमर उद्दीन अहमद, रबीउल हुसैन, पत्रकार साज्जाद कबीर, प्रमुख व्यवसायी नजरुल इस्लाम, हैदर अली मंडल सहित कई गणमान्य लोगों ने भी अपने विचार रखे। बैठक के कई अतिथि भोगली पर्व के महत्व के साथ-साथ समाज में प्रचलित बाल विवाह, नशे आदि के दुष्प्रभाव और छात्रों के शैक्षिक पहलुओं पर भी भाषण देते देखे गए। बैठक में क्लब के कार्यकारी अध्यक्ष मनवर हुसैन ने भाग लिया। खुली एवं पुरस्कार वितरण बैठक के अंत में अबू शमा अंसारी द्वारा उद्घाटन सांस्कृतिक संध्या के आमंत्रित कलाकारों द्वारा गीत गाए जाने के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। गौरतलब है कि आलोपति चर भोगली में देखा जाता है कि भेलाघर, मेजी सजी साथ-साथ गाओ के युवको ने एक साथ भोजन करने के दृश्य को लेकर हर किसी के मन में अटूट खुशी होती है।

ग्वालपाड़ा में भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा जिले के धूपधारा में आज भारी मात्रा में विस्फोटक पदार्थ बरामद किया गया। असम पुलिस द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार यह बरामद की उसे समय हुई जब जिले की धूपधारा थाना पुलिस की एक टीम राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 17 पर नियमित तलाशी कर रही थी। विस्फोटक को लेकर जा रहा वाहन वहां पुलिस द्वारा लगाए गए बैरियर को तोड़कर भागने की कोशिश की। पुलिस ने आखिरकार गाड़ी को पकड़ने में सफलता प्राप्त की। हालांकि गाड़ी में सवार दोनों लोग इसी बीच भागने में सफल रहे। बरामद किए गए विस्फोटकों में 2000 से अधिक जिलेटिन की छड़, 1800 के करीब डेटोनेटर, 8 बंडल ब्लास्टिंग वायर तथा एक बैटरी शामिल है। गाड़ी छोड़कर भागे दोनों अपराधियों की तलाश में पुलिस जुट गई है। ज्ञात हो कि गणतंत्र दिवस के मौके पर इस प्रकार से हुई 20 पाठकों की बरामद की अपने आप में एक बड़ी कहानी कह रही है। इस विस्फोटकों की बरामदकी से निश्चित ही राज्य में बड़ा हादसा टल गया। इस विस्फोटोकों की बरामदगी के बाद राज्य भर में सुरक्षा व्यवस्था काड़ी कर दी गई है। महत्वपूर्ण स्थान पर सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है।

स्थानीय लोगों के हमले में कथित पशु तस्कर की मौत

मोरीगांव (हिंस)। पशु तस्करी के आरोपित एक व्यक्ति को बुधवार को स्थानीय लोगों द्वारा हमला किए जाने के बाद गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। यह घटना राज्य के मोरीगांव जिले के कुमोई गांव की है। व्यक्ति को गंभीर हालत में नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान कार्बी आंगलोंग जिले के जीतू दास के रूप में हुई है। खबरों के अनुसार, व्यक्ति ने घने कोहरे के बीच तड़के एक घर से मवेशी चुराने का कथित तौर पर प्रयास किया। इसी बीच घर के लोग जग गये और पड़ोसियों से सहायता मांगी। उक्त व्यक्ति को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया, लेकिन संदिग्ध गाय तस्कर के दो और साथी दो मवेशियों के साथ मौके से भागने में सफल रहे। लोगों ने पशु तस्कर पर बुरी तरह से हमला कर दिया।

मारवाड़ी सम्मेलन, नगांव शाखा ने मनाया शिल्पी दिवस

नगांव (निसं)। लोकप्रिय, साहित्यकार एवं संगीतकार रुपकुंवर ज्योति प्रसाद अग्रवाल की पुण्यतिथि के अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन नगांव शाखा ने असम साहित्य सभा, नगांव जिला समिति, नगांव पौर सभा एवं नगांव भोगली बिहू आयोजन समिति के साथ संयुक्त रूप से शिल्पी दिवस का आयोजन ढाकापट्टी स्थित ज्योति प्रसाद अग्रवाल की प्रतिमा के सम्मुख किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नगांव सदर क्षेत्र के विधायक रूपक शर्मा उपस्थित थे, सम्मेलन की ओर से विधायक का फुलाम गामोछा पहनाकर अभिनंदन किया गया। सम्मेलन की ओर से संयुक्त सचिव अरुण नागरका ने कार्यक्रम प्रारंभ की घोषणा की। तत्पश्चात सर्वप्रथम सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित किया गया एवं ज्योति प्रसाद अग्रवाल की प्रतिमा पर

माल्या अर्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। शिल्पी दिवस के अवसर पर इस वर्ष नगांव के जाने-माने बांसुरी वादक एवं कंठ शिल्पी दीपक शर्मा का अभिनंदन किया गया। उन्हें फुलाम गामोछा, सेलिंग चादर, सम्मान पत्र एवं पांच हजार एक सौ रुपए नगद राशि देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि विधायक रूपक शर्मा ने अपने संबोधन में ज्योति प्रसाद अग्रवाल की जीवनी को अपने जीवन में उतारने तथा ज्योति संगीत को अपने बच्चों को सीखाने की जरूरत पर बल दिया। इस अवसर पर नगांव नगर पालिका के उपसभापति सीमांत बोरा, मारवाड़ी सम्मेलन नगांव शाखा के अध्यक्ष प्रदीप शोभासरिया, उपाध्यक्ष अजित माहेश्वरी, संजय मित्तल, सचिव अजय मित्तल, सहसचिव अरुण नागरका, कोषाध्यक्ष मालचंद अग्रवाल, सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष बजरंग लाल अग्रवाल, जुगल किशोर जाजोदिया, पवन गाड़ोदिया, समाजसेवी रघुवीर प्रसाद आलमपुरिया, कमल शोभासरिया, शंकर शोभासरिया, बालकिशन अग्रवाल, नगांव राजस्थानी युवक संघ के अध्यक्ष, युवा मंच नगांव शाखा के अध्यक्ष विनीत मोर सहित सम्मेलन के कई सदस्य एवं वरिष्ठ व्यक्तिगण उपस्थित थे। इस अवसर पर नगांव साहित्य सभा, नगांव नगरपालिका, नगांव भोगली बिहू आयोजन समिति के भी काफी संख्या में सदस्य गण व संगीतकार चित्र देव महंत भी उपस्थित थे।

भाजपा शासनकाल में राज्य को गरीबी से मुक्ति मिली : सुभाष दत्ता

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के शासनकाल में राज्य को गरीबी से मुक्ति मिली है। नीति आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, असम में करीब 22.5 फीसदी बेहद गरीब लोग गरीबी से बाहर आ गए हैं। असम में गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या वित्तीय वर्ष 2013-14 में 36.97 प्रतिशत से घटकर वित्तीय वर्ष 2023-24 में 14.47 प्रतिशत हो गई है। उपरोक्त बातें आज भाजपा प्रवक्ता सुभाष दत्ता ने प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहीं। पूर्व मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल और वर्तमान मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नेतृत्व वाली सरकार के सहयोग से राज्य में 2016 से विकास हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के प्रशासनिक कौशल, दूरदर्शिता और बुद्धिमत्ता ने 8 मिलियन से अधिक लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। प्रवक्ता ने कहा कि हमने डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के निरंतर प्रयासों से असम को भारत के शीर्ष पांच राज्यों में ले जाने के सपने और योजना को साकार होते देखा है। मुख्यमंत्री की सशक्त पहल से राज्य सरकार के राजस्व संग्रहण में वृद्धि हुई है। राज्य की जीएसडीपी 5.5 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 6 लाख करोड़ रुपए हो गयी है। वे राज्य में स्थिर आर्थिक माहौल लाने के लिए मुख्यमंत्री, राज्य सरकार के मंत्रियों और प्रत्येक अधिकारी को धन्यवाद देना चाहते हैं। प्रवक्ता सुभाष दत्ता ने कहा कि दिवंगत मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के शासन के दौरान असम में पूंजीगत व्यय चार हजार करोड़ रुपए था और अब भाजपा शासन के केवल चार से सात वर्षों में, असम में पूंजीगत व्यय 30 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस ने इतने लंबे समय तक असम के साथ बहुत अन्याय किया। अब राहुल गांधी ने कांग्रेस के अन्याय और पाप निवारण के लिए यात्रा शुरू कर दी है। राहुल गांधी अब विकास देखने असम आ रहे हैं। अजीत भुइयां द्वारा राहुल गांधी को असम में आमंत्रित करने पर टिप्पणी करते हुए, दत्ता ने कहा कि बादुली फूकन की भूमिका निभाने वाले अजीत भुइयां, राहुल गांधी का स्वागत नहीं करेंगे ?

रंगिया में श्री श्याम वार्षिक फाल्गुन महोत्सव का आयोजन मार्च में

रंगिया (विभास)। रंगिया में पहली बार श्याम परिवार, रंगिया की ओर से श्री श्याम वार्षिक फाल्गुन महोत्सव का आयोजन किया गया है। जिसका आज पहला निमंत्रण भगवान श्री गणेश जी सहित समस्त देवी देवताओं को अर्पित किया गया। महोत्सव के दौरान समस्त विघ्न बाधाओं को दूर कर आनंदमय वातावरण के बीच इसके आयोजन के उद्देश्य से आयोजकों द्वारा आज महोत्सव का यह निमंत्रण भगवान के श्री चरणों मे स्थानीय श्री श्री राधाकृष्ण मंदिर के महंत पुजारी गोपाल शर्मा द्वारा मंत्रोच्चार के साथ अर्पित किया गया। इस शुभ अवसर पर समिति के पदाधिकारी तथा समाजबंधु आशिक सुरेका, प्रमोद छित्रका, आशीष लुंडिया, गौरव सिकरिया, प्रदीप शर्मा, केशव लुंडिया, कैलाश छित्रका, अंकित अग्रवाल, राजेश लाडसरिया, निर्मल सिकरिया, विकास कुमार लुंडिया, गौतम शर्मा और आयांश लुंडिया ने उपस्थित होकर भगवान की आराधना की। मालूम हो कि भगवान श्री श्याम प्रेमियों द्वारा आगामी 13 मार्च को रंगिया में पहली बार श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव का भव्य

आयोजन किया गया है। रंगिया के बीचों बीच स्थित संगम संघ मैदान परिसर में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में बाबा श्याम का भव्य दरबार, पूजा अर्चना, ज्योत प्रज्ज्वलन आदि के साथ जानेमाने आमंत्रित कलाकारों द्वारा संगीतमय भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। वहीं बाबा श्याम की निशान यात्रा प्रात: 7.30 बजे प्रारम्भ होगी। इस मौके पर आयोजकों द्वारा सभी श्याम भक्तों की उपस्थिति एवं सहायता और सहयोगिता की कामना की गई है।

सतदल शाखा साहित्य सभा के सभागार में शिल्पी दिवस का आयोजन

बासुरीवादक अश्विनी शर्मा को शिल्पी सम्मान

गुवाहाटी (विभास)। रुपकुंवर ज्योति प्रसाद अगरवाला की पुण्यतिथि दिनभर के कार्यक्रम के साथ सतदल शाखा साहित्य सभा के सभागार में शिल्पी दिवस के रूप में मनाया गया। साहित्य सभा का झंडोत्तोलन शाखा के उपाध्यक्ष डॉ. मिनेश्वर हजारिका ने किया। रुपकुंवर ज्योति प्रसाद अगरवाला की तस्वीर पर दीप प्रज्ज्वलित से स्मृति तर्पण शाखा के पूर्व अध्यक्ष फणीधर डेका ने किया। सुबह 10 बजे शाखा के अध्यक्ष विशिष्ठ साहित्यिक थानेश्वर मालाकार की अध्यक्षता में कार्यक्रम का शुभांरभ किया गया।बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में विशिष्ठ साहित्यिक फणींद्र कुंमार देव चौधरी उपस्थित थे। फणींद्र कुंमार देव चौधरी ने कहा कि कलाकार सत्य शिव सुंदर के समर्पित साधक हैं वह सत्य की खोज के लिए सौंदर्य की रचना करके समाज का एक समर्पित सेवक है और समाज के हर पहलू पर एक सजग प्रहरी की तरह समाज में होने वाले हर अन्याय के खिलाफ विरोध की आवाज के

रूप में खड़ा रहता है। रुपकुंवर ज्योति प्रसाद अगरवाला एक सजक प्रहरी की तरह थे जो हमेशा अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई है। उनकी रचनाएं उनके संगीत में इसे प्रतिबिंबित करती हैं। बैठक में संगीतकार, गीतकार, बांसुरीवादक, कवि, चित्रकार और मूर्तिकार अश्विनी शर्मा को लाइफ टाइम एचिवमेंट के लिए फुलाम गामोछा, जापी, सेलेंग शाल, शराई, प्रशस्ति पत्र और शिल्पी स्मारक से शिल्पी सम्मान से सम्मानित किया। इस सम्मान के प्रति प्रतिक्रिया में कलाकार शर्मा ने कहा कि आज के पुरस्कार ने उन्हें अपने जीवन का एक अवर्णनीय एहसास दिया है। *चिर सेनेही मोर भाषा जननी* नामक सामूहिक गीत के साथ हुई बैठक में गरीश शर्मा, माला शर्मा, सदानंद बर्मन, अलका महंत और बिदिशा चौधरी की ओर से ज्योति संगीत, शाखा सभा के सांस्कृतिक सचिव हरिनारायण बर्मन के सुमधुर बासुरी वादन और सांतना दास बर्मन की ज्योति प्रसाद का कविता आवृति, शाखा के उपाध्यक्ष अन्नप्रभा काकति रुपकुंवर शीर्षक स्वरचित कविता पाठ उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बैठक में पूर्व अध्यक्ष लोहित हजारिका, भूपेन्द्र नाथ दास, शाखा उपाध्यक्ष कनक चंद्र महंत, रामधेनु के शाखा सचिव डॉ. बुधिन सैकिया, आकाश शाखा सचिव मंजू दत्त और कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। शाखा के प्रचार सचिव धनंजय तालुकदार की ओर से बैठक संचालन किया गया और असम संगीत से सफल समापन किया गया।

संपादकीया

बसपा चलेगी एकला

बसपा लोकसभा का चुनाव अकेले ही लड़ेगी। अपने 68वें जन्मदिन पर मायावती ने यह घोषणा की, लेकिन यह चौंकाने वाली खबर नहीं है। कांग्रेस की इच्छा जरूर थी कि बसपा भी 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा बने, लेकिन प्रयास अनमने से थे, क्योंकि समाजवादी पार्टी का दबाव और धमकी थी कि बसपा को शामिल किया गया, तो वह 'इंडिया' से अलग हो जाएगी। सपा सबसे बड़े राज्य उप्र में प्रमुख विपक्षी दल है और अखिलेश यादव नेता प्रतिपक्ष हैं। हालांकि उप्र विधानसभा में बसपा का एक ही विधायक है, लेकिन लोकसभा में 10 सांसद हैं। 2014 में पार्टी का एक भी सांसद लोकसभा में नहीं था। इस आधार पर आकलन करें, तो बसपा किसी भी गठबंधन का हिस्सा रहती है, तो उसे चुनावी फायदा होता है। 2019 के आम चुनाव में बसपा ने सपा के गठबंधन में चुनाव लड़ा था, तो उसे करीब 19 फीसदी वोट मिले थे और 10 सांसद चुनकर संसद तक पहुंचे थे, लेकिन सपा का मत-प्रतिशत भी कम रहा और 5 सांसद ही चुने गए। एक विश्लेषण स्पष्ट है कि बसपा के समर्थक मतदाताओं ने सपा के उम्मीदवारों को वोट नहीं दिए। 2019 के चुनाव के बाद मायावती ने सपा से गठबंधन भी तोड़ लिया और अब वह सपा प्रमुख अखिलेश यादव के लिए 'गिरगिट' जैसे शब्द का इस्तेमाल कर रही है। लोकसभा में बसपा संसदीय दल के नेता श्याम सिंह यादव ने मायावती के 'एकला चलो' के निर्णय पर निराशा व्यक्त की है। 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा नहीं बन सकी, लिहाजा बसपा के सामने रास्ता ही क्या था? भाजपा के साथ सामाजिकता और विचारधारा के स्तर पर बसपा की तल्खी बनी रही है, हालांकि मायावती भाजपा के समर्थन से उप्र की मुख्यमंत्री बनती रही हैं। बहरहाल बसपा की ताकत उप्र तक ही सीमित नहीं है। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा और पंजाब आदि राज्यों में बसपा के विधायक चुने जाते रहे हैं। यह अलग और दलबदल की राजनीति है कि वे विधायक टूट कर सत्तारूढ़ पक्ष में विलय करते रहे हैं, लेकिन दलितों और मुसलमानों के एक तबके में बसपा के लिए जबरदस्त समर्थन आज भी है। बसपा के संस्थापक नेता कांशीराम ने जातीय समीकरणों के आधार पर जो राजनीति 1984 में शुरू की थी, उसके कट्टर समर्थक आज भी बसपा का ही समर्थन करते हैं, लिहाजा पार्टी का अकेले ही लोकसभा चुनाव में उतरना महत्त्वपूर्ण राजनीतिक घटना है। उससे कमोबेश चुनाव भाजपा, कांग्रेस और बसपा में विभाजित हो सकता है। शेष क्षेत्रीय और छोटे दल भी चुनाव को बहुतरफा बना सकते हैं, नतीजतन प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा को पराजित करने की रणनीति नाकाम साबित हो सकती है। उप्र का चुनाव काफी महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि भाजपा-एनडीए ने सभी 80 संसदीय सीटें जीतने का फॉर्मूला तय किया है। बसपा का कमोबेश 14-15 फीसदी मत प्रतिशत भाजपा-एनडीए की जीत को सुनिश्चित कर सकता है। मायावती ने राजनीति से संन्यास लेने की अफवाहों को भी खंडित किया है, तो खासकर जाटव दलितों और मुस्लिम वोट बैंक में बिखराव की संभावनाएं धूमिल होंगी। यह मत-प्रतिशत 'इंडिया' के साझा उम्मीदवार के पक्ष में जा सकता था, यदि बसपा का सपा-कांग्रेस के साथ गठबंधन होता! मायावती ने यह भी बयान दिया है कि चुनाव के बाद किसी भी गठबंधन पर विचार किया जा सकता है। अर्थात वह भाजपा-एनडीए को भी समर्थन दे सकती हैं। बशर्ते गठबंधन बसपा और दलितों के पक्ष में हो। यकीनन मायावती का अपना जनाधार आज भी है, हालांकि दलित वोट बैंक भाजपा की तरफ भी गया है। यदि मायावती निष्क्रिय रहतीं, तो उनका परंपरागत वोट बैंक, जो उनकी ठोस संपदा है, भी भाजपा या कांग्रेस की ओर जा सकता था। लिहाजा 'एकला चुनाव' बसपा के लिए बेहद महत्त्वपूर्ण है। मायावती एक-एक सीट जीतने की भरपूर कोशिश कर सकती हैं, ताकि उनकी सौदेबाजी की ताकत बरकरार रहे। मायावती का यह निर्णय 'इंडिया' के लिए चेतावनी भी है कि यदि 'इंडिया' फैसले लेने में देरी करता रहेगा, तो उसके और भी घटक-दल गठबंधन से बिदक सकते हैं। बहरहाल मायावती ने नई राजनीतिक सक्रियता का आगाज किया है, नतीजतन चुनाव और भी दिलचस्प हो गए हैं।

2019 के आम चुनाव में बसपा ने सपा के गठबंधन में चुनाव लड़ा था, तो उसे करीब 19 फीसदी वोट मिले थे और 10 सांसद चुनकर संसद तक पहुंचे थे, लेकिन सपा का मत-प्रतिशत भी कम रहा और 5 सांसद ही चुने गए। एक विश्लेषण स्पष्ट है कि बसपा के समर्थक मतदाताओं ने सपा के उम्मीदवारों को वोट नहीं दिए। 2019 के चुनाव के बाद मायावती ने सपा से गठबंधन भी तोड़ लिया और अब वह सपा प्रमुख अखिलेश यादव के लिए 'गिरगिट' जैसे शब्द का इस्तेमाल कर रही है। लोकसभा में बसपा संसदीय दल के नेता श्याम सिंह यादव ने मायावती के 'एकला चलो' के निर्णय पर निराशा व्यक्त की है। 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा नहीं बन सकी, लिहाजा बसपा के सामने रास्ता ही क्या था? भाजपा के साथ सामाजिकता और विचारधारा के स्तर पर बसपा की तल्खी बनी रही है, हालांकि मायावती भाजपा के समर्थन से उप्र की मुख्यमंत्री बनती रही हैं। बहरहाल बसपा की ताकत उप्र तक ही सीमित नहीं है। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा और पंजाब आदि राज्यों में बसपा के विधायक चुने जाते रहे हैं। यह अलग और दलबदल की राजनीति है कि वे विधायक टूट कर सत्तारूढ़ पक्ष में विलय करते रहे हैं।

'वसुधैव कटुंबकम' विचार की व्यापकता की शाश्वत और गौरवशाली चमक से प्रज्वलित है

प्रभु श्रीराम का आगमन, सब में एक, एक में सब

शेख अकील अहमद

जैसे ही दुनिया ने नए साल 2024 की शुरुआत की, भारत भारतीय मूल्य प्रणाली के लोकाचार को संस्थागत बनाने के लिए भव्य श्रीराम मंदिर के निर्माण को पूरा करने की एक शानदार ऐतिहासिक परियोजना में लगा हुआ है, जिसने युगों से देश की विविध समग्रता के व्यापक विचार को बरकरार रखा है। वास्तव में सामाजिक बंधनों को मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की सांस्कृतिक अस्मितावादी खोज को अब भगवान श्रीराम के मानवीय संदेशों और मजबूत सांस्कृतिक मानदंडों के लिए उनके व्यापक रुख के माध्यम से अभिव्यक्ति मिलेगी। अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर का हिंदुओं के लिए बहुत महत्व हो सकता है और यह होना भी चाहिए, लेकिन हमें इससे आगे देखना चाहिए और मंदिर को एक स्मारक के रूप में सराहना चाहिए और भारत माता की सभ्यतागत यात्रा पर ध्यान केंद्रित करना चाहता है, जिसमें हमारे भावनात्मक और सांस्कृतिक संबंधों में तीव्र दरार या टूट-फूट की कभी कोई घटना नहीं हुई है। मंदिर एक अनुस्मारक है जो भारत की अपनी विशिष्ट स्वदेशी संस्कृति है जो इसकी अंतर्निहित शक्ति और ताकत का एक समृद्ध बनावट वाला स्रोत है और पश्चिमीकरण के नासमझ अनुकरण को दृढ़ता से खारिज किया जाना चाहिए। भारतीय सभ्यता उम्र बढ़ने से इनकार करने वाली जीवंत सभ्यता है क्योंकि यह 'वसुधैव कटुंबकम' विचार की व्यापकता की शाश्वत और गौरवशाली चमक से प्रज्वलित है। इस तरह के तीव्र और प्रबल स्वभाव का राम मंदिर में पूर्ण रूप से प्रकटीकरण हुआ है। नवनिर्मित राम जन्मभूमि मंदिर और उसका पवित्रीकरण निस्संदेह एक शानदार धार्मिक आयोजन है और रहेगा। यह एक राष्ट्रीय उत्सव का आह्वान करता है क्योंकि भगवान राम उन सभी चीजों के प्रतीक हैं जिनका भारत प्रतीक है और रहेगा। रामायण और महाभारत हमारे राष्ट्रीय महाकाव्य और भारतीय मूल्य प्रणाली के मूल हैं। ऐसे में हमें भगवान राम पर गर्व होना चाहिए और उन्हें हमारी सामाजिक मूल्य प्रणाली की आधारशिला रखने का श्रेय देना चाहिए, जिसके लिए भारत को श्रेय दिया जाता है और दुनिया भर में इसकी सराहना की जाती है। भगवान राम का जीवन कभी भी सामान्य नहीं रहा। वह एक पुत्र के रूप में, एक पिता के रूप में, एक पति के रूप में और

सबसे महत्वपूर्ण रूप से एक राजा के रूप में एक आदर्श साबित हुए हैं। उनके चरित्र की उत्कृष्टता ऐसी रही है कि भगवान राम और उनके विशिष्ट आध्यात्मिक गुण सभी युगों तक मान्य रहे हैं। भगवान राम और उनका जीवन निस्वार्थता, माता-पिता के प्रति समर्पण, साहस, न्याय, सच्चाई और धार्मिकता के मूल्यों की प्रशंसा करता है। उनका महत्व केवल एक अत्यंत पूजनीय हिंदू देवता होने तक ही सीमित नहीं है। भगवान राम की स्पष्ट व्याख्या में कुछ समूहों या लोगों के बीच आशंका का कुछ तत्व हो सकता है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि वे यह समझने में विफल रहे हैं कि भगवान राम अपने नैतिक दावों और मानव स्वभाव की शुद्धता की व्यावहारिक अभिव्यक्ति और मानवीय करण की सहवर्ती पवित्रता के कारण हमारे जीवन पर शाश्वत प्रभाव डालते हैं। यह अकारण नहीं है कि उनका नाम न केवल शिष्टाचार के प्रयोजनों के लिए, बल्कि मृत्यु के समय भी लिया जाता है। भगवान राम की संपूर्ण मूल्य प्रणाली मानवतावाद के दर्शन के इर्द-गिर्द घूमती है जो शक्ति के एक सुसमाचार के रूप में काम करेगी जो विशेष रूप से वर्तमान समाज को बेईमानी और असंवेदनशीलता के उच्च दबाव वाले तूफानों से निपटने में सक्षम बनाएगी। भगवान राम नामक इस आध्यात्मिक और राष्ट्रीय इकाई के बारे में वास्तव में बहुत कुछ सार्थक और गहराई से कहा जा सकता है। एक आदर्श व्यक्ति 'पुरुषोत्तम' के अवतार के रूप में भगवान राम को सबसे शक्तिशाली और अद्वितीय धर्म रक्षक माना गया है। धर्म शब्द की उत्पत्ति इसके संस्कृत मूल 'धृ' से मानी जा सकती है, जिसका अर्थ है एक साथ रखना, कुछ ऐसा जो समाज को बांधता है और एक साथ रखता है। इस प्रकार भगवान राम की शिक्षाएं और जीवन उदाहरण एक मजबूत सामाजिक आधार के रूप में कार्य कर सकते हैं और मानव स्वभाव की कमजोरियों को विफल करने में मदद कर सकते हैं। कोई भी सुरक्षित रूप से यह तर्क दे सकता है कि त्रेता युग की तुलना में किसी भी समय एक महान आध्यात्मिक व्यक्तित्व ने हमारी सभ्यता और संस्कृति की रूपरेखा को आकार देने में अधिक शक्तिशाली और निर्णायक भूमिका नहीं निभाई, एक ऐसा युग जिसने भगवान राम में एक महान आध्यात्मिक व्यक्तित्व का शानदार और भाग्यशाली उद्भव देखा। जिन्होंने एक नए दिव्य युग की स्थापना की, जिसने विभिन्न युगों के दौरान विभिन्न कारणों से अपनी चमक, जीवंतता और शक्ति खो दी। वह एक आदर्श राजा और एक आदर्श गृहस्थ थे जो मानवता की उच्चतम संस्कृति की रक्षा और प्रचार के प्रति समर्पित थे और इस प्रकार लोगों के जीवन को प्रबुद्ध करते थे और सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध समाज के उद्भव का मार्ग प्रशस्त करते थे, जिसके अवशेष आज भी मौजूद हैं जो हमारे सामाजिक जीवन का अभिन्न अंग हैं। अब समय आ गया है जब हमें इस महान विरासत के मशाल वाहक के रूप में धार्मिकता, आशा, दृढ़ता और एकता के युग को पुनर्जीवित करने का संकल्प लेना चाहिए। राम मंदिर का निर्माण और राष्ट्र को समर्पित करने की वर्तमान सरकार की प्रतिबद्धता देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और परंपरा की सुरक्षा और संरक्षण के प्रति उसके मजबूत समर्पण को दर्शाती है। हां, भव्य मंदिर का सफल और शांतिपूर्ण निर्माण वास्तव में उस राष्ट्र के लिए उत्सव का प्रतीक है, जिसने दबाव और सामाजिक संकट देखा होगा, लेकिन इनमें से कोई भी इतना शक्तिशाली साबित नहीं हुआ कि हमारी पहचान खतरे में पड़ जाए। राम मंदिर परियोजना वास्तव में हमारी आबादी के बीच विश्वास की एक सर्वोत्तम भावना पैदा करेगी और हमारे देश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आत्मसात की प्रक्रिया को मजबूत करेगी। यह भगवान राम की अजेयता और अप्रतिरोध्यता को प्रमाणित करता है। इस तरह की भावना को फारूक अब्दुल्ला के हालिया बयान में प्रतिध्वनित किया गया है कि भगवान राम सभी के हैं, न कि केवल हिंदुओं के। भगवान राम उन सभी आदर्शों के उज्ज्वल केंद्र हैं जिन्हें हम भारतीय संजोते हैं।

अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर का हिंदुओं के लिए बहुत महत्व हो सकता है और यह होना भी चाहिए, लेकिन हमें इससे आगे देखना चाहिए और मंदिर को एक स्मारक के रूप में सराहना चाहिए और भारत माता की सभ्यतागत यात्रा पर ध्यान केंद्रित करना चाहता है, जिसमें हमारे भावनात्मक और सांस्कृतिक संबंधों में तीव्र दरार या टूट-फूट की कभी कोई घटना नहीं हुई है।

दृष्टि कोण

भारत की युवा शक्ति और अर्थव्यवस्था

हमारे देश भारत में कुल आबादी का 66 फीसदी 35 वर्ष से कम आयु वर्ग का है। भारत दुनिया का सबसे अधिक युवा आबादी वाला देश है। इनके लिए रोजगार के अवसर प्रदान करना एक बड़ी चुनौती है। यदि हम इस चुनौती को पार कर लेते हैं तो यह हमारे देश की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण योगदान सिद्ध होगा। इस समय भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। क्रय शक्ति समानता के मामले में हमारा देश पूरी दुनिया में तीसरे स्थान पर है। इंटरनेशनल मॉनिटरिंग फंड ने मजबूत मांग के कारण भारत के लिए अपना जीडीपी विकास दर अनुमान 6.3 फीसदी कर दिया है, जबकि चीन की विकास दर घटाकर 5 फीसदी कर दी है। यह एक बहुत बड़ा अंतर है। जिस देश ब्रिटेन ने सैंकड़ों वर्षों तक हमारे देश भारत पर राज किया और हमारे देश के संसाधनों को लूटा, आज हम उस देश की अर्थव्यवस्था को पछाड़ कर आगे निकल चुके हैं। विश्व में पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के बावजूद हम अभी भी गरीबी से जूझ रहे हैं। प्रति व्यक्ति आय के हिसाब से हमारा देश दुनिया के 197 देशों में 142वें स्थान पर है। दुनिया की जितनी भी बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं, उनमें सबसे कम प्रति व्यक्ति आय भारत के लोगों की है। अमरीका में सालाना प्रति व्यक्ति आय 80035 डॉलर है।

भारतीय रुपयों में यह आय 6662822 रुपए बनती है, जबकि भारत में प्रति व्यक्ति आय केवल 2601 डॉलर है। भारतीय रुपयों में यह आय 216530 रुपए प्रति व्यक्ति है। इस प्रकार अमरीका में प्रति व्यक्ति आय भारत में प्रति व्यक्ति आय से 31 गुना अधिक है। इसी प्रकार चीन में प्रति व्यक्ति आय भारत की प्रति व्यक्ति आय से पांच गुना अधिक है। भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है और एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2030 तक भारत की अर्थव्यवस्था विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। लेकिन हमें प्रति व्यक्ति आय को भी बढ़ाना होगा। इसके लिए रोजगार के अधिक से अधिक अवसर पैदा करने होंगे। क्षेत्रफल के हिसाब से हमारा देश विश्व में सातवें स्थान पर और जनसंख्या के हिसाब से हमारा देश विश्व में पहले दूसरे स्थान पर था, लेकिन 2023 की जनसंख्या के अनुसार हम पहले स्थान पर पहुंच चुके हैं। भारत का क्षेत्रफल दुनिया के कुल क्षेत्रफल का 2.4 फीसदी है और हम दुनिया के 17.76 फीसदी लोगों का भरण पोषण करते हैं। यह एक बहुत बड़ी चुनौती है, क्योंकि इतनी अधिक जनसंख्या होने से देश के संसाधनों पर बहुत अधिक बोझ पड़ता है। भारत का कुल क्षेत्रफल 3287263 वर्ग किलोमीटर है, जबकि चीन का क्षेत्रफल 9572900 वर्ग किलोमीटर है। इस दृष्टि से देखा जाए तो चीन का क्षेत्रफल भारत के क्षेत्रफल से तीन गुना अधिक है। यदि वहां जनसंख्या अधिक भी है तो उसके पास प्राकृतिक संसाधन हमारे देश से कहीं अधिक हैं। इतनी बड़ी जनसंख्या का भरण पोषण करना उसके लिए इतना मुश्किल नहीं है। हमारे देश की लगभग आधी आबादी में सभी को रोजगार देना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। इसके लिए मेक इन इंडिया को एक अभियान के रूप में लेना होगा और साथ ही भारत में बनी हुई वस्तुओं को खरीदने पर अधिक जोर देना होगा। इससे एक तो युवा लोग अपना उद्यम स्थापित करके अपना रोजगार प्राप्त कर लेंगे, दूसरा, दूसरे लोगों को भी रोजगार उपलब्ध करवाएंगे। इससे बेरोजगारी की समस्या काफी हद तक दूर हो सकती है। जब हम अपने देश में ही अधिक से अधिक उत्पादों का निर्माण करेंगे और लोग उन्हें खरीदेंगे तो इससे हमारी अर्थव्यवस्था और तेजी से आगे बढ़ेगी। हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी भारत की जनता से आह्वान किया है कि अपने देश भारत में बने उत्पादों को खरीदने को अधिक से अधिक तवज्जो दें। आजादी के 100 साल यानी वर्ष 2047 तक हमने जो विकसित भारत का सपना संजोया है, उसके लिए युवाओं का अधिक से अधिक पढ़ा लिखा होना बहुत आवश्यक है। अपनी पढ़ाई के साथ साथ उन्हें व्यावसायिक दृष्टि से भी निपुण होना होगा, क्योंकि पढने लिखने से कोई भी व्यक्ति ज्ञान तो प्राप्त कर सकता है, लेकिन उसके लिए कोई भी काम आरंभ करने के लिए उस विशेष क्षेत्र में कलात्मक वा व्यावसायिक रूप से निपुण होना बहुत आवश्यक है। इसके लिए सरकार को युवाओं को विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने होंगे। केवल डिग्री प्राप्त कर लेने से ही काम नहीं चलेगा। विकसित भारत का लक्ष्य हासिल कैसे किया जाए, इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'विकसित भारत /2047' कार्यक्रम पेश कर दिया है। इसके तहत युवाओं से आइडिया मांगे जा रहे हैं। इसे 'विकसित भारत /2047 वाइस ऑफ दि यूथ' नाम दिया गया है। यदि मेक इन इंडिया के तहत युवाओं को कच्चे माल की आवश्यकता पड़ती है तो अपने देश में उपलब्धता कम होने पर दूसरे देशों से मंगवाया जा सकता है।

कुछ अलग

सोशल मीडिया में जजों की ट्रोलिंग और कुछ नैतिक सवाल

बात अब मीडिया ट्रायल और अदालती फैसलों की आलोचना से कहीं आगे फैसले देने वाले जजों की ट्रोलिंग तक आन पहुंची है। यही कारण है कि हाल में भोपाल में आयोजित दसवें मप्र न्यायाधीश सम्मेलन में जिला न्यायालयों के जजों ने यह मुद्दा जोर शोर से उठाया और वरिष्ठ जजों से मार्गदर्शन मांगा कि न्यायाधीशों की ट्रोलिंग पर उन्हें क्या करना चाहिए? सोशल मीडिया पर न्यायाधीशों की ट्रोलिंग भी अदालती अवमानना हो सकती है या नहीं? सोशल मीडिया में किसी खास वैचारिक एजेंडे अथवा पूर्वाग्रह दुराग्रह के चलते गढ़े जाने वाले नरेटिव, न्यूसेंस और जजों की व्यक्तिगत आलोचना को किस रूप में लिया जाना चाहिए? क्योंकि भारत में सोशल मीडिया की नकेल कसने के लिए बहुत कड़े कानून नहीं है। ऐसे कानून बन भी जाएं तो फिर व्यक्ति की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का क्या होगा? वैसे भी कई लोगों का मानना है कि सोशल मीडिया दरअसल जनता की आवाज है। लाख आलोचना के बावजूद इसे दबाया नहीं जा सकता। सम्मेलन में शामिल देश के सुप्रीम कोर्ट के ज्यादातर न्यायाधीशों की राय यही थी कि जजों की सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग के मामलो को फिलहाल इग्नोर (अनदेखा) करना ही बेहतर है। भाव यही कि ऐसे तत्वों के मुंह लगने से कोई फायदा नहीं है। हालांकि यह उत्तर भी कई सवालों से भरा है। यूं न्यायपालिका के सामने नई चुनौती आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस(एआई) की भी है, लेकिन उसका मामला थोड़ा अलग है। न्यायाधीशों पर सोशल मीडिया के हमलों का मामला ज्यादा संवेदनशील इसलिए है क्योंकि अदालती फैसले समाज में न्याय की रक्षा का काम करते हैं। इसी से समाज को संचालित करने का दिशानिर्देश और सुसूत्रता भी मिलती है। अदालती फैसले हमेशा निष्पक्ष और न्यायसंगत प्रतीत हों, ऐसा जरूरी नहीं है, लेकिन उन फैसलों की आलोचना तार्किक और कानूनी आधार पर ही की जा सकती है। लेकिन जब ऐसे फैसलों के पीछे न्यायाधीश के विवेक, न्यायिकता अथवा पूर्वाग्रह को लेकर सवाल उठाए जाने लगें, उनकी भद्दे ढंग से ट्रोलिंग की जाए तो तब न्यायाधीशों का विचलित होना स्वाभाविक है। सम्मेलन में शामिल कई जजों ने कहा कि वर्तमान में लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे कि वाट्सएप ग्रुप और फेसबुक पर हमारे विरुद्ध अमर्यादित बातें होती हैं। जिन्हें फैसला पसंद नहीं आता, वे भ्रम फैलाते हैं। भद्दे कमेंट करते हैं। क्या ऐसा करने वालों पर हम (न्यायाधीश) कंटेम्प्ट ऑफ कोर्ट (अदालत की अवमानना) की कार्रवाई कर सकते हैं? इन सवालो के जवाब में सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस अभय एस ओक ने कहा कि न्यायाधीश सोशल मीडिया की ट्रोलिंग से न तो डरें और न हीं किसी एजेंडे के तहत गढ़े जाने वाले नैरेटिव से प्रभावित हों। इसे सिर्फ इग्नोर करें, क्योंकि सोशल मीडिया की कोई अकाउंटेबिलिटी (जवाबदेही) नहीं है। जस्टिस ओक ने बताया कि मुंबई में तो जजों को प्रभावित और परेशान करने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल इतना बढ़ गया है कि कई जजों के खिलाफ ही पिटीशन दायर हो जाती है। इस सम्मेलन में यह बात साफ झलकी कि आज न्यायाधीश समुदाय अगर किसी बात से सर्वाधिक चिंतित है तो वो है, सोशल मीडिया। ऐसा मीडिया जिसके हजारों मुंह, आंखें और कान हैं लेकिन कहीं कोई रिमोट कंट्रोल नहीं है। और शायद मस्तिष्क भी नहीं है।

देश दुनीया से

रेड कारपेट-काले गाऊन गुलाम मानसिकता

दिसंबर के तीसरे सप्ताह में कुरुक्षेत्र तीर्थ स्थान में श्री गीता जयंती महोत्सव मनाया गया। देश-विदेश से श्रद्धालु भी आए, विद्वतजन भी, साधु-संत भी और कृष्ण भक्त जनता भी। मुझे भी इस अवसर पर दर्शन-श्रवण आदि का अवसर मिला, लेकिन यह देखकर हैरान रह गई कि ब्रह्म सरोवर के सडक़ के साथ लगते एक दरवाजे पर पुलिस का सख्त पहरा था और सडक़ से लेकर सरोवर के किनारे आरती स्थल तक लगभग आठ सौ मीटर में लाल रंग के टाट कह दूं या सरकारी भाषा में रेड कारपेट, बिछे थे। अधिकतर लोग जानते होंगे कि यह रेड कारपेट क्यों बिछाए जाते हैं। जब कोई व्यक्ति आम से खास बन जाता है तो उसके पांवों तले, पांव भी नहीं, जूते पहने पांवों तले लाल कारपेट बिछाकर उनका स्वागत किया जाता है अथवा यूं कहिए नेताओं को, सत्तापतियों को यह अहसास करवाया जाता है कि आपका स्वागत विशेष है। आप उन लोगों से कुछ अलग हैं, खास हैं जिन्होंने आपके पक्ष में मतदान करके नेता या सत्तापति बना दिया है। वैसे जिस विश्वविद्यालय में कई प्रांतों के मुख्यमंत्री पधारे रहे, उस विश्वविद्यालय में भी बहुत दूर-दूर तक यही लाल रंग के वैसे तो गलीचे नहीं थे, पर उन्हें रेड कारपेट ही कहा जाता है। जैसे सरकारी मशीनरी की देरी को रेड टेपिज्म अर्थात लालफीताशाही कहा जाता है, वैसे ही यह वीआईपी स्वागत के लिए रेड कारपेट स्वागत शब्द चलता है। अपने भारत में हर प्रांत में यही चकाचौंध दिखाई जाती है। अब प्रश्न यह उठा कि यह लाल कारपेट संस्कृति आई कहां से। वैसे तो 16वीं शताब्दी में एक ग्रीक नाटककार एस. काइलस ने एक नाटक में इसका वर्णन किया था। जब ग्रीक राजा अगाममेनॉन ट्राय का युद्ध जीतकर अपने देश लौटता है तो उसकी पत्नी क्लायटेमनेस्ट्रा अपने पति के स्वागत में रेड कारपेट बिछाती है। राजा डरते-डरते उस पर चला, क्योंकि उन दिनों में यह भी था कि जो लाल कारपेट पर चलेगा उसकी मौत हो जाएगी। इसके शीघ्र बाद ही राजा रानी के षड्यंत्र में ही मारा गया। अमरीका में 1821 में अमरीकी राष्ट्रपति जेम्स मनरो जब कैलीफोर्निया के जार्ज टाउन शहर पहुंचे तो उनके स्वागत में रेड कारपेट बिछाया गया था। उसी समय से बड़े राजनीतिक समारोहों और नेताओं के स्वागत के लिए यह लाल गलीचा बिछाने का चलन शुरू हुआ। रेड कारपेट स्वागत मुहावरे का इस्तेमाल बीसवीं सदी में ही चलन में आया। न्यूयार्क की सेंट्रल रेल रोड कंपनी ने 1902 में एक खास एक्सप्रेस ट्रेन चलाई थी। उसमें मुसाफिरों का स्वागत इसी लाल कारपेट पर चलकर किया जाता था, जिससे उन्हें खास होने का शाही अहसास हो। इसके बाद 1922 में रोबिन हुड फिल्म के प्रीमियर के लिए इजिप्शियन थिएटर के सामने एक लंबा सुर्ख कालीन बिछाया गया। इसके बाद तो सितारों के सारे बड़े-बड़े कार्यक्रम, ऑस्कर अवार्ड जैसे समारोह रेड कारपेट के साथ ही होने लगे। अब प्रश्न यह है कि भारत में इसका कहां से और कब चलन हुआ। एक ही उदाहरण मिलता है कि जब बंग भंग आंदोलन के बहुत बढ़ जाने के बाद तत्कालीन वायसराय लार्ड हार्डिंग दिल्ली आए तो वहां जार्ज पंचम के स्वागत के लिए यह बिछाया गया था। भारत के स्वतंत्र होने के बाद भारत के नेता, अभिनेता, वीआईपी कैसे इस लाल कारपेट का मोह छोड़ सकते थे। जैसे ही उन्हें लोगों के वोट मिलते हैं, वे खास हो जाते हैं। फूलमालाओं से लाद दिए जाते हैं। दिल्ली और प्रदेशों की राजधानियों के बंगले उनके लिए सुरक्षित हो जाते हैं। राजभवन ऐसे ऐसे बन गए जहां आम आदमी का प्रवेश ही मुश्किल और उसके अंदर रहने वाले दो-चार व्यक्तियों के लिए कई एकड़ जमीन में बंगले बनते हैं, पर यह रिवाज सभी जगह देखने को मिलेगा, पूरे भारत में कि जब कोई ऐसा विशिष्ट व्यक्ति जिन्हें वीआईपी ही नहीं, वीवीआईपी कहा जाता है, वे कहीं भी जाएं, धर्म स्थानों पर माथा टेकने भी जाएं तो उनके लिए लाल गलीचे बिछते ही हैं। मैं नहीं जानती कि यह अति विशिष्ट लोगों के किस अहम को तुष्ट करने के लिए पश्चिम की देन या यूं कहिए अमरीका और यूरोप से आई इस स्वागती परंपरा को कब समाप्त करने की बात भारत के नेता सोचेंगे? जो अपने आप को जनता का सेवक कहते हैं, मंत्री, मुख्यमंत्री बनने के बाद भी अपने नाम के आगे भाषणों में आम आदमी लगाते हैं, वे भी इस लाल गलीचा स्वागत के मोह से बच नहीं पा रहे। हमारे राजभवनों और राष्ट्रपति भवन में अंग्रेजों की तरह आज भी हिज हर एक्सीलेंसी शब्द चलता है। हमारे न्यायाधीश भी अपने आप को लार्ड कहे जाने पर नाराज नहीं होते। कुछ दिन पहले एक स्वर सुनाई दिया था कि कुछ न्यायाधीशों ने लार्ड शब्द हटाने की बात कही थी, पर आज तक चल रहा है। आश्चर्य है कि अंग्रेजों के लाल गलीचा स्वागत के साथ ही हम स्वतंत्र भारत के लोग मैकाले की देन काले गाउनों की गुलामी भी बड़े आदर से करते हैं। धीरे-धीरे देश के कुछ विश्वविद्यालयों और बहुत थोड़े कालेजों ने स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्रियां देने के लिए यह गाऊन परंपरा छोड़ी है, पर उत्तर व मध्य भारत इस परंपरा का अधिक गुलाम है।

देश-विदेश से श्रद्धालु भी आए, विद्वतजन भी, साधु-संत भी और कृष्ण भक्त जनता भी। मुझे भी इस अवसर पर दर्शन-श्रवण आदि का अवसर मिला, लेकिन यह देखकर हैरान रह गई कि ब्रहम सरोवर के सडक़ के साथ लगते एक दरवाजे पर पुलिस का सख्त पहरा था और सडक़ से लेकर सरोवर के किनारे आरती स्थल तक लगभग आठ सौ मीटर में लाल रंग के टाट कह दूं या सरकारी भाषा में रेड कारपेट, बिछे थे। अधिकतर लोग जानते होंगे कि यह रेड कारपेट क्यों बिछाए जाते हैं। जब कोई व्यक्ति आम से खास बन जाता है तो उसके पांवों तले, पांव भी नहीं, जूते पहने पांवों तले लाल कारपेट बिछाकर उनका स्वागत किया जाता है अथवा यूं कहिए नेताओं को, सत्तापतियों को यह अहसास करवाया जाता है कि आपका स्वागत विशेष है।

आप का नजरीया

कश्मीर की देशज दृष्टि

पिछले कुछ वर्षों से भारत अपनी पहचान और यथार्थ को लेकर अधिक संवेदनशील हुआ है। इस कारण देशज उपकरणों और शब्दावली के माध्यम से भारतीय यथार्थ को समझने की व्यग्रता बढ़ी है। यह व्यग्रता औपनिवेशिक आधिपत्य वाले विमर्श की सीमाओं और क्षुद्रताओं को तो उजागर कर ही रही है, भारतीय हितों, संघर्षों और अंतद्र्वन्द्वों को नए सिरे से परखने की कोशिश भी कर रही है। इस कोशिश में सबसे प्रमुखता के साथ जो तथ्य उभरकर सामने आता है, वह यह है कि सैकड़ों सालों का मजहबी और औपनिवेशिक बोझ भारतीय पहचान के प्रति आकर्षण कम नहीं कर सका है। और यह भी कि मजहबी और औपनिवेशिक खांचों में फंसा भारतीय हिस्सा भी अब यह समझने लगा है कि उसके हितों और पहचान का अभिकेन्द्र कहीं बाहर नहीं बल्कि भारत और भारतीयता ही है। जम्मू-कश्मीर के ख्यातिलब्ध विद्वान और प्रसिद्ध भारतविद प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री की नई पुस्तक 'कश्मीर का रिसता घाव : एटीएम बनाम डीएम का संघर्ष' मुसलमानों के भारतीय यथार्थ को नई शब्दावली और उपकरणों के माध्यम से समझने की एक ऐसी ही कोशिश है। प्रो. अग्निहोत्री ने भारतीय मुसलमानों को मोटे तौर पर दो वर्गों में विभक्त कर मुसलमानों की आंतरिक दुनिया में झांकने की कोशिश की है। वह विदेशी नस्ल के मुसलमानों को एटीएम (अरब-तुर्क-मुगल) कहते हैं और भारतीय मूल के मुसलमानों को डीएम (देशी मुसलमान) के नाम से संबोधित करते हैं। इस शब्दावली के माध्यम से उन्होंने मोटे तौर पर सम्पूर्ण भारत और विशेष रूप में जम्मू-कश्मीर के मुसलमानों की सामाजिक-सांस्कृतिक गत्यात्मकता को समझने की कोशिश की है। उनका मानना है कि मुसलमानों को एक समूह और एटीएम को मुसलमानों का प्रतिनिधि मानने से राजनीतिक और अकादमिक स्तर पर मुसलमानों की वास्तविक स्थिति देश के सामने नहीं आ पाई है। इस न्यूनता के कारण जहां साम्प्रदायिक संघर्षों की प्रकृति को समझने में नीति नियंता प्रायः विफल हो जाते हैं और आर्थिक स्तर पर लक्षित समूहों तक योजनाओं का लाभ पहुंच पाता है और न ही उनके सशक्तिकरण की दिशा में कदम उठ पाते हैं। इससे भी बड़ी बात यह कि एटीएम को मुसलमानों का प्रतिनिधि मानने से देशज मुसलमानों को उनकी भारतीय संबद्धता से एकदम से काटने के प्रयास किए जाते हैं। वह कहते हैं, जब भी भारत में मुसलमानों का अध्ययन किया जाता है तो एटीएम बनाम डीएम को जोडक़र भारतीय मुसलमान कह दिया जाता है। इतना ही नहीं, इस प्रकार के अध्ययनों में केस स्टडी के लिए एटीएम को ही लिया जाता है, लेकिन उसके निष्कर्षों से डीएम या देसी मुसलमानों को शिकार बनाया जाता है। इस प्रकारा देसी मुसलमान एटीएम के नीचे दब जाता है। उनका मानना है कि जम्मू-कश्मीर का प्रश्न हिन्दू-मुस्लिम से अधिक एटीएम बनाम डीएम का प्रश्न है। यदि इस संघर्ष के कारणों और उपकरणों की ठीक ढंग से पहचान कर ली जाए तो जम्मू-कश्मीर के प्रश्न के समाधान में तो सहयोग मिलेगा ही, सम्पूर्ण भारत में साम्प्रदायिकता की समस्या से निपटने में भी मदद मिलेगी।

चुनाव हारकर जुगाड़ के सहारे कुर्सी से चिपके हुए हैं नीतीश कुमार : प्रशांत किशोर

बेगूसराय (हिंस)। 2014 में *बिहार में बहार बा, नीतीशे कुमार बा* का स्लोगन देने वाले प्रशांत किशोर अब नीतीश कुमार के खिलाफ मुखर हैं। बेगूसराय में चल रहे पदयात्रा के दौरान आज जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने कहा कि मैंने नीतीश कुमार के लिए प्रचार किया, जीताने में कंधा लगाया। उन्होंने कहा कि प्रशासक के तौर पर, नेता के तौर पर और मानवता के आधार पर 2014 और 2023 के नीतीश कुमार में जमीन आसमान का फर्क है। 2014-15 में जिस नीतीश कुमार की हमने मदद की थी, उन्हीं नीतीश कुमार के नेतृत्व में 2005 से लेकर 2012-13 में बिहार में विकास होते हुए दिखा था। यह बात बताता था कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार सुधर रहा है और नीतीश जी ने अपना पद छोड़कर जीतनराम मांझी जी को मुख्यमंत्री बना दिया था। 2014 में हमसे मदद मांगने के लिए नीतीश कुमार दिल्ली आए। तब मैंने उनसे कहा कि आप बिहार ठीक चला रहे थे, बिहार में सुधार की

प्रक्रिया शुरू हो गई थी तो आपने मांझी जी को मुख्यमंत्री बनाकर अलग क्यों हट गए। तब नीतीश कुमार ने बताया कि हम चुनाव हार गए, उस वक्त मैंने उनसे वादा किया कि आप फिर मुख्यमंत्री बनिए, बिहार को जैसे बेहतर बना रहे थे बनाइए और चुनाव के नजरिए से जो मदद होगी वो हम करेंगे। इसलिए उनकी मदद की और चुनाव जिताया भी। सात निश्चय की परिकल्पना की, बिहार विकास मिशन भी बनाया। प्रशांत किशोर ने कहा कि सरकार में हम शामिल नहीं थे, लेकिन स्ट्रेटजी-सुझाव के तौर पर जो कुछ भी किया जा सकता था वह किया। 2005 से लेकर 2012 तक जो बिहार सुधरता हुआ दिखा, वही बिहार 2015 से 2023 के दौर में बिगड़ता हुआ दिख गया है। प्रशांत किशोर ने कहा कि नेता के तौर पर जिस नीतीश कुमार की हमने मदद की थी, वह चुनाव नहीं हारे थे। लोकसभा में उनकी पार्टी को झटका लगा था, दो एमपी जीते थे, लेकिन विधानसभा में उनके 117 विधायक जीते थे। उनको जनता का बहुमत दिया हुआ था। आज वहि नीतीश कुमार चुनाव हार गए हैं। 243 विधानसभा की सीटों में उनके पास 42 विधायक हैं। उस समय नीतीश कुमार चुनाव नहीं हारे थे, लेकिन राजनीतिक मर्यादा के नाते पद छोड़ दिया था, मांझी जी को सीएम बनाया था। आज वह चुनाव हार गए हैं, लेकिन कोई ना कोई जुगाड़ लगाकर कभी लालटेन पकड़कर तो कभी कमल पकड़कर कुर्सी से चिपके हुए हैं। हम उस नीतीश कुमार का विरोध कर रहे हैं।

रायबरेली और अमेठी में प्राण-प्रतिष्ठा का प्रसाद घर-घर पहुंचाएंगी स्मृति ईरानी

40 हजार लोगों को कराएंगी अयोध्या दर्शन

रायबरेली (हिंस)। भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर उल्लास और भक्ति का माहौल है, हर कोई इस उत्सव में अपने को शामिल कर लेना चाहता है, हालांकि इस दिन अयोध्या जाना संभव नहीं है। लेकिन रायबरेली के भक्तों को अब निराश होने की बिल्कुल जरूरत नहीं है क्योंकि उनके प्रभु श्रीराम का प्रसाद उनके घरों तक पहुंचेगा और इसकी व्यवस्था अमेठी की सांसद और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी कर रही हैं। अपने संसदीय क्षेत्र के भक्तों के घर प्रसाद पहुंचाने को लेकर उनके निर्देशन में तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। 22 जनवरी को हो रहे अयोध्या धाम में भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का प्रसाद कैसे अमेठी और रायबरेली और अमेठी के लोगों को सुलभ हो सके, इस बाबत सांसद

स्मृति ईरानी के प्रतिनिधि विजय गुप्ता ने बताया कि दीदी का प्रयास है कि अयोध्या धाम का प्रसाद संसदीय क्षेत्र के ज्यादातर लोगों तक पहुंचे। इसीलिए अमेठी संसदीय क्षेत्र के एक लाख 11 हजार लोगों तक भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा का प्रसाद पहुंचाया जाएगा। प्राण प्रतिष्ठा के उपरांत प्रसाद वितरण का कार्य शुरू करा दिया जाएगा। इसके अलावा सांसद के प्रयास से 40 हजार भक्तों को अयोध्या धाम का दर्शन भी कराया जाएगा। प्राण प्रतिष्ठा के उपरांत फरवरी माह में 40 हजार लोगों को अयोध्या धाम की यात्रा कराई जाएगी। इसके लिए केंद्रीय मंत्री की तरफ से सभी विधान सभाओं में बसों की व्यवस्था की जाएगी। रायबरेली के सलोन विधायक अशोक कोरी ने सांसद के इस प्रयास पर आभार प्रकट करते हुए कहा कि सांसद को हमेशा अपने संसदीय क्षेत्र की चिंता रहती है। इसीलिए उनके द्वारा भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा का प्रसाद घर-घर पहुंचाकर फरवरी माह में अयोध्या धाम का दर्शन भी कराया जा रहा है।

योगी के मंत्री ने दिया संदेश 22 को घरों में जलाएं दीप मनाएं दीपावली

बाराबंकी (हिंस)। अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम है। यह दिन किसी त्योहार से कम नहीं है। हमें इस दिन को दीपावली की तरह मनाना चाहिए। यह अपील योगी सरकार में राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने की है। राज्यमंत्री बुधवार को जनपद में पहुंचकर लोधेश्वर महादेवा के प्रसिद्ध शिव मंदिर में जलाभिषेक कर प्रदेश व देश के खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की। पूजन अर्चन के उपरांत मंदिर परिसर में साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। इसके बाद डाक बंगला रामनगर पर स्थानीय अधिकारियों व भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी में युद्धस्तर पर जुट जाए। गांव, चौराहे और गली-मोहल्ले में जाकर कार्यकर्ता भाजपा सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जन-जन को अवगत कराए।

दुनिया को अध्यात्म के साथ संस्कृति एवं परंपरा से परिचित कराएगी अयोध्या

लखनऊ (हिंस)। त्रेतायुग की अयोध्या कैसी थी, हमने नहीं देखी पर कलयुग की अयोध्या पूरी दुनिया देखेगी और यह अयोध्या अध्यात्म के साथ सनातन संस्कृति और परंपरा से परिचित कराएगी। रामकथा, रामलीला, शास्त्रीय संगीत की श्रृंखला जहां संपूर्ण भारत को एकसूत्र में पिरोएगी, वहीं 22 जनवरी को अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम पूरी दुनिया के लिए एक मिसाल बनकर सामने आएगा। साथ ही 22 जनवरी को देश भर में दीपोत्सव मनाया जाएगा। यह दीपोत्सव दीपावली पर्व से बिल्कुल अलग और बृहद होगा। तेल और बाती की लौ (रामज्योति) भगवान राम के प्रति अगाध आस्था प्रदर्शित करेगी। अयोध्या के हनुमत निवास के महंत डॉ. मिथिलेशनंदिनी शरण जी महाराज कहते हैं कि रामलला हम आएंगे मंदिर वहीं बनाएंगे, ये छह शब्द 500 वर्षों से भारत के जनमानस में गूंज रहे थे। आज हम गर्व से कह सकते हैं-रामलला हम आ रहे हैं, मंदिर वहीं बन गया है।

राहुल गांधी की न्याय यात्रा सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक न्याय के लिए

अररिया (हिंस)। राहुल गांधी भारत जोड़ो न्याय यात्रा की शुरुआत मणिपुर से की है। जिसका समापन मुंबई में होगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा देश में सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक न्याय को लेकर है और जब तक सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक न्याय नहीं मिल जाती। राहुल गांधी का आगाज किए हुए संघर्ष को विराम नहीं दिया जाएगा। ये बातें एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष शशि कुमार उर्फ चुनु सिंह ने बुधवार को फारबिसगंज के एक निजी होटल में प्रेस वार्ता कर कही। उन्होंने कहा कि मणिपुर से शुरू हुआ भारत जोड़ो न्याय यात्रा सीमांचल से होकर 27 जनवरी से लेकर 2 फरवरी तक में कभी भी गुजर सकती है और इसकी तैयारी जोर शोर से की जा रही है। उन्होंने कहा कि देश की हालात पिछले दस साल में बहुत खराब हो गई है। युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है तो किसानों को समुचित मुआवजा नहीं दिया जा रहा है। मजदूरों को मजदूरी नहीं मिल रही है और जब तक युवाओं को रोजगार और किसानों को मुआवजा नहीं मिलेगा, यह संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो करोड़ प्रति वर्ष दो करोड़ युवाओं को रोजगार देने का वादा कर सत्ता में आए थे। लेकिन इन दस साल में बीस करोड़ युवाओं को नौकरी मिली। उल्टे केंद्रीय प्रतिनियुक्ति में कटौती कर दी गई। केवल रेलवे में चार लाख से अधिक की वेकेंसी है। युवाओं और किसानों को केन्द्र सरकार ने छलने का काम किया है। न्याय यात्रा संविधान और लोकतंत्र बचाने को लेकर है। मौके पर एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष इरशाद सिद्दीकी, प्रदेश उपाध्यक्ष सह मीडिया प्रभारी नसीम रेजा, युवक कांग्रेस के प्रदेश सचिव करण कुमार पप्पू, प्रदेश महासचिव शेख मुमताज, जिला महासचिव गुफरान खान, जिला सचिव उमर अंसारी, मो.अनीश, युवा कांग्रेस के अमन आलम मौजूद थे।

भारत नेपाल सामाजिक सांस्कृतिक मंच ने कोशी कोरिडोर धार्मिक क्षेत्र निर्माण के लिए सौंपा ज्ञापन

अररिया (हिंस)। भारत नेपाल सामाजिक सांस्कृतिक मंच की ओर से द्विदेशीय पर्यटन संवर्धन, विकास और कोशी कोरिडोर धार्मिक क्षेत्र निर्माण के लिए बुधवार को नेपाल के कोशी प्रदेश के मुख्यमंत्री केदार कार्की को ज्ञापन पत्र सौंपा। बुधवार को संस्था के अध्यक्ष राजेश कुमार शर्मा, प्रमुख सलाहकार महेश शाह स्वर्णकार, पत्रकार पवन साह के नेतृत्व मे ज्ञापन सौंपा गया। भारत नेपाल सामाजिक सांस्कृतिक मंच के द्वारा दिए

गए ज्ञापन पत्र पर कोशी प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री केदार कार्की ने कहा कि मांग की सभी बिंदु आमजन से जुड़ा है। इस कार्य से भारत नेपाल के बीच पर्यटन प्रवर्धन के लिए संयुक्त कमेटी गठन करने के साथ ही एक बैठक आयोजित करने की बात उन्होंने कही। संस्था के द्वारा नेपाल भारत प्रवेश द्वार मे भारत से नेपाल आने व नेपाल से भारत जाने वाले पर्यटक के लिए सार्वजानिक शौचालय का निर्माण करने, नेपाल-भारत सीमा मे बन रहे प्रवेश द्वार मे दोनों तरफ के सीमावर्ती क्षेत्र के धार्मिक सांस्कृतिक स्थल का कलाकृति रखने, कोशी प्रदेश को बिहार से संबंध विस्तार के लिए एक संयुक्त कमिटी का निर्माण करने, बिहार को अपनी कर्मभूमि बना राजनीति के धरोहर स्थल के रूप मे स्थापित जननायक बीपी कोइराला के जन्म दिवस मे बिहार की राजधानी पटना तथा कोसी प्रदेश मे समन्वय के आधार मे राजकीय कार्यक्रम आयोजन करने, भारत से नेपाल आने वाले पर्यटक के लिए सीमा मे बहुभाषिक साईन बोर्ड लगाने, पर्यावरण संरक्षण के लिए क्रॉस बोर्डर वृक्षारोपण, अंतरक्रिया और जनचेतना मुलक कार्यक्रम का प्रस्ताव दिया गया है।

केंद्र सरकार के खिलाफ एक फरवरी को आइसा करेगी यंग इंडिया रैली

रामगढ़ (हिंस)। केंद्र सरकार की छात्र विरोधी नीतियों के खिलाफ ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन आइसा एक फरवरी को यंग इंडिया रैली करेगी। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बुधवार को जिला कमिटी की बैठक भाकपा माले जिला कार्यालय में आयोजित किया गया। इस बैठक में मुख्य अथिति आइसा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीलाशिस बोस एवं आइसा राज्य सचिव त्रिलोकी नाथ मौजूद थे। मीटिंग से पहले हैदराबाद यूनिवर्सिटी के शोधार्थी छात्र रोहित वेमुला के शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि दिया गया। मौके पर आइसा राष्ट्रीय अध्यक्ष निलाशिलिश बोस ने कहा कि मोदी सरकार के 10 साल, यंग इंडिया के 10 सवाल पर राष्ट्रीय हस्ताक्षर अभियान पूरे देश भर में छात्र नौजवानों के बीच हस्ताक्षर अभियान चला रहा है।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने की गुरु गोविंद सिंह की ऐतिहासिक तलवार की पूजा-अर्चना

जयपुर (हिंस)। सिखों के 10वें गुरु, गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व पर बुधवार को उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सिटी पैलेस के सर्वतोभद्र चौक में गुरु की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने जयपुर के सिटी पैलेस में विराजमान गुरु की ऐतिहासिक तलवार की भी पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा कि गुरु गोविंद सिंह जी का त्याग, बलिदान और शौर्य की गाथा हम सबको सदैव प्रेरित करती रहेंगी। इसके बाद शबद कीर्तन का आयोजन किया गया और सभी को प्रसाद वितरित किया गया। एमएसएमएस द्वितीय संग्रहालय की कार्यकारी ट्रस्टी रमा दत्त और सिटी पैलेस कला एवं संस्कृति के ओएसडी रामू रामदेव भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। गुरु गोविंद सिंह जी के प्रकाश पर्व पर यह तलवार सिटी पैलेस के सर्वतोभद्र चौक में आगंतुकों, पर्यटकों और आमजन के दर्शन के लिए रखी गई है। गौरतलब है कि गुरु गोविंद सिंह ने कुछ समय नाहन (सिरमौर जिला, हिमाचल प्रदेश) में व्यतीत किया था। तब नाहन छोड़ते समय उन्होंने अपनी निजी तलवार तत्कालीन शासक को स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट की थी। राजमाता पद्मिनी देवी जो कि नाहन से हैं, कुछ वर्ष पहले तलवार को जयपुर लेकर आई थीं। तब से इस तलवार की सिटी पैलेस में नित्य पूजा-अर्चना की जाती है।

श्री गुरु गोविंद सिंह जी के प्रकाश पर्व पर भगवंत मान ने 461 नौजवानों को सौंपे नियुक्ति पत्र

चंडीगढ़ (हिंस)। श्री गुरु गोविंद सिंह जी के प्रकाश पर्व पर बुधवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने 461 नौजवानों को नियुक्ति पत्र सौंपे और लोगों को इंसाफ दिलाने के लिए दसमेश पिता के नक्शे कदम पर चलने का न्योता दिया। चंडीगढ़ में आयोजित समागम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पवित्र दिवस पर हम सभी को अपनी ड्यूटी पूरी ईमानदारी, लगन और लगन के साथ निभाने का प्रण लेना चाहिए। भगवंत सिंह मान ने कहा कि हमें श्री गुरु गोविंद सिंह जी के दर्शाए मार्ग पर चलते हुए लोगों की सेवा उत्साह के साथ करनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह म्यूंसिपल भवन ऐसे कई समागमों का गवाह रहा है, जिसमें नौजवानों को अलग-अलग सरकारी विभागों में नौकरियां मिली हैं। उन्होंने कहा कि यह नौजवानों की भलाई के लिए रोजगार के नए रास्ता खोलने के लिए, राज्य सरकार की वचनबद्धता को दर्शाता है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह उनके लिए बहुत ही मान और संतोष की बात है कि अब तक 40 हजार से अधिक नौजवानों को केवल योग्यता के आधार पर सरकारी नौकरियों के लिए चुना गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि गणतंत्र दिवस पर सड़क सुरक्षा फोर्स लोगों की सेवा में समर्पित की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस

समय पर यह फोर्स कपूरथला में प्रशिक्षण ले रही है और राज्य में सड़क हादसों के कारण होने वाली मौतों की दर को घटाने के लिए और राज्य की सड़कों पर यातायात को सुचारू बनाने के लिए इस फोर्स की शुरुआत की जाएगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि अपनी किस्म की यह पहली विशेष फोर्स पंजाब में रोजमर्रा के सड़क हादसों में व्यर्थ जा रही कीमती जानें बचाने के लिए अहम भूमिका निभाएगी। इस फोर्स को गलत ड्राइविंग को रोकने, वाहनों के यातायात को सुचारू बनाने और सड़क हादसों की जांच का काम सौंपा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि शुरुआती तौर पर अत्याधुनिक यंत्रों से लैस लगभग 130 वाहन हर 30 किलोमीटर के घेरे बाद सड़कों पर तैनात किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इन वाहनों में किसी भी जरूरतमंद व्यक्ति को इलाज मुहैया करवाने के लिए पूरी मेडिकल किट भी होगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि लोगों को समय पर चिकित्सा सहायता देने के लिए फोर्स को ट्रामा सेंटरों के साथ जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि हाल ही में इन्वेस्टिगेशन काडर में नए भर्ती किए गए 200 स्टाफ को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं, जिनमें कानूनी अफसर, सहायक कानूनी अफसर, वित्तीय अफसर, सहायक वित्तीय अफसर और फोरेंसिक अफसर हैं। भगवंत सिंह मान ने बताया कि इसके इलावा पंजाब पुलिस अकादमी फिल्लौर में जांच के लिए पहली बार पंजाब ब्यूरो आफ इन्वेस्टिगेशन विंग में 245 नए सब- इंस्पेक्टर भी भर्ती किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हवलदारों की भर्ती के साथ अलग-अलग तरह के अपराधों से निपटने के लिए पुलिस बल को बढ़ावा मिलेगा और गहराई से जांच करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा राज्य सरकार की तरफ से कांस्टेबल की 1746 पदों और सब- इंस्पेक्टर के 288 पदों के लिए सालाना भर्ती प्रक्रिया भी जारी है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि भविष्य में भी राज्य सरकार पंजाब पुलिस में हर साल 1800 कांस्टेबल और 300 सब-इंस्पेक्टरों की भर्ती जारी रखेगी, जिससे हर नौजवान को इस प्रतिष्ठित पुलिस फोर्स का हिस्सा बनने का मौका मिल सके।

चंडीगढ़ निगम मेयर चुनाव पर आधी रात को हुईहाई कोर्ट में सुनवाई

चंडीगढ़ (हिंस)। चंडीगढ़ में नगर निगम मेयर के चुनाव को लेकर शुरू हुआ विवाद आधी रात को पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट पहुंच गया। कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा हाई कोर्ट में दायर की गई बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर रात 12.30 बजे जज आलोक जैन के आवास पर सुनवाई हुई। जज ने बुधवार शाम पांच बजे इस मामले की अगली सुनवाई तय की गई है। कांग्रेस अध्यक्ष एचएस लक्की ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर कहा कि उनके पार्षद जसवीर बंटी को चंडीगढ़ पुलिस ने भाजपा के साथ मिलकर हाउस अरेस्ट कर लिया है। लक्की ने हाई कोर्ट से बंटी को चंडीगढ़ पुलिस की कैद से छुड़ाने की मांग की है। लक्की ने सबूत के तौर पर बंटी का कल रात का वीडियो लगाया है, जिसमें वह कह रहे हैं कि पुलिस ने उन्हें घर भेज दिया जबकि वह पूर्व मंत्री पवन बंसल के घर जाना चाहते थे। जसवीर बंटी को कांग्रेस ने 18 जनवरी को होने वाले मेयर चुनाव में उम्मीदवार बनाया था। इसके बाद कांग्रेस-आप का गठबंधन हो गया और मेयर की सीट आप के कोटे में चली गई। इसके बाद बंटी को नामांकन वापस लेना था लेकिन भाजपा इसके विरोध में डटी हुई है। बंटी को मंगलवार की रात चंडीगढ़ पुलिस की सिक्योरिटी में उनके घर छोड़ा गया। भाजपा उनसे संपर्क न करे, इसके लिए रात भर कांग्रेस और आप कार्यकर्ताओं ने उनके घर के बाहर पहरा लगाकर रखा। कांग्रेस के अध्यक्ष लक्की ने याचिका दाखिल करते हुए कहा है कि उनके पार्षद जसवीर सिंह बंटी ने मेयर चुनाव के लिए नामांकन किया था। वह अपने इस नामांकन को वापस लेना चाहते हैं लेकिन चंडीगढ़ पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया है और उन्हें फ्री नहीं घूमने दे रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए रात 12.30 बजे जस्टिस आलोक जैन के घर पर इस केस की सुनवाई की गई। चंडीगढ़ पुलिस की तरफ से सरकारी वकील मनीष बंसल और दीपेंद्र बराड़ को याचिका की कॉपी अदालत ने दे दी है। उनकी तरफ से अदालत को बताया गया है कि किसी प्रकार का कोई अवैध डिटेंशन नहीं किया गया है। उन्हें कुछ समय के लिए सुरक्षा दी गई है। इस पर अदालत ने आज शाम पांच बजे चंडीगढ़ पुलिस से जवाब मांगा है।

गहलोत और धारीवाल की मूर्ति लगाना गलत, दोषी अधिकारियों को नहीं बख्शेंगे : यूडीएच मंत्री

कोटा (हिंस)। एक दिवसीय दौरे पर बुधवार को आए यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि कोटा में हुए विकास कार्यों के संबंध में उन्हें कई शिकायतें मिल चुकी हैं। यहां तक कि अभी भी शिकायत का क्रम जारी है। सभी की जांच करवाई जाएगी। उन्होंने चंबल के हेरिटेज रिवरफ्रंट पर पूर्व मंत्री शांति धारीवाल और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की मूर्ति लगाना गलत है। इससे जुड़े अधिकारियों को नहीं छोड़ा जाएगा। यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने बुधवार को कोटा दौरे के दौरान मीडिया से बातचीत में कहा कि चंबल के हेरिटेज रिवरफ्रंट पर पूर्व मंत्री शांति धारीवाल और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की मूर्ति लगाना पूरी तरह से अनियमित और गलत है। इस तरह के काम करने वाले लोगों को भी कोटा की जनता ने जीता दिया। लगता है कोटा की जनता उनके बहकावे में आ गई थी। जिस विषय में मुझे शिकायत मिलती है, मैं पहले अपने स्तर पर जानकारी जुटाता हूं। उसके बाद अधिकारियों से पूछता हूं व मीटिंग भी करता हूं। मेरी उपलब्ध करवाई गई जानकारी में कोई अंतर होता

है, तो फिर उसी के मुताबिक आगे कार्रवाई करता हूं। खर्रा ने कहा कि कोटा पहली बार आया हूं, मुझे भी पता है कि शिकायत यहां की बहुत है। कुछ शिकायतें मेरे पास पहुंची भी है। पहले आज अधिकारियों से बात करके उनका स्पष्टीकरण लूंगा। पूर्व मंत्री का शहर है व विधानसभा क्षेत्र के विधायक हैं। इसके साथ ही झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि शांति धारीवाल ने पूरे प्रदेश का पैसा कोटा में लाकर लगाया है। राजस्थान के बाकी नेताओं का हक मार के उन्होंने काफी पैसा कोटा में लगाया है, उसका कितना सदुपयोग हुआ है, यह जानकारी लूंगा।

जम्मू में रात के तापमान में सुधार

जम्मू (हिंस)। जम्मू में रात के तापमान में काफी सुधार लेकिन कश्मीर में हाड़ कंपा देने वाली ठंड जारी रही। इसी बीच मौसम विज्ञानियों ने 25-27 जनवरी तक जम्मू-कश्मीर में कुछ स्थानों पर हल्की बारिश और बर्फबारी की जताई है। हालांकि 24 जनवरी तक शुष्क मौसम जारी रहने की संभावना है मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि 28-30 जनवरी तक छिटपुट स्थानों पर हल्की बारिश और बर्फबारी की भी संभावना है। उन्होंने कहा कि जम्मू संभाग में अगले 2 दिनों के दौरान दृश्यता और अधिकतम तापमान में सुधार होने जा रहा है, जहां पर सुबह के समय कोहरा छाया रहता है। इसी बीच श्रीनगर में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 2.4 डिग्री, गुलमर्ग में शून्य से नीचे 3.2 डिग्री और पहलगाम में शून्य से नीचे 3.9 डिग्री दर्ज किया गया।

रामायण टोल पर धरना दे रहे चालकों के समर्थन में पहुंचे आप नेता मनोज राठी गिरफ्तार

हिसार (हिंस)। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता एवं किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज राठी को हांसी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। वे रामायण टोल पर धरना दे रहे चालकों के समर्थन में गए थे। उनकी गिरफ्तारी का चालकों ने जमकर विरोध किया और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की तो पुलिस ने कुछ देर बाद उन्हें रिहा कर दिया। इससे पहले रामायण टोल पर बुधवार को नए हिट एंड रन कानून के विरोध में धरना दे रहे चालकों के समर्थन में पहुंचे मनोज राठी ने चालकों के संघर्ष को जायज बताया। उन्होंने कहा कि नया हिट एंड रन कानून केन्द्र सरकार की तानाशाही का जीता-जागता सबूत है। रामायण टोल पर चालक पिछले दो दिनों से धरना देकर नए कानून का विरोध कर रहे हैं। ऐसे में आप नेता मनोज राठी बुधवार सुबह उनका समर्थन करने पहुंचे थे। कुछ देर बाद हांसी पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और यहां से चालकों को धरना हटाने की कहते हुए आप नेता मनोज राठी को अपनी

गाड़ी में बैठा लिया। पुलिस ने उन्हें काफी देर तक गाड़ी में बैठाए रखा और कड़ी कार्रवाई की धमकी दी लेकिन इसी दौरान वहां बैठे चालकों ने पुलिस की इस कार्रवाई का विरोध किया और नारेबाजी शुरू कर दी। चालकों के कड़े विरोध को देखते हुए पुलिस ने मनोज राठी को रिहा करना ही उचित समझा। इससे पहले चालकों को संबोधित करते हुए मनोज राठी ने कहा कि नए कानून के जरिए चालकों को बेरोजगार करने की साजिश रची जा रही है। भाजपा ने सत्ता में आने से पहले दो करोड़ रोजगार देने का वादा किया था लेकिन यह सरकार को नए-नए कानूनों के नाम पर पहले से काम में लगे लोगों को ही बेरोजगार कर रही है। देश में छोटी बड़ी गाड़ी चलाने वाले चालक धीरे-धीरे गाड़ियां छोड़ रहे हैं। बड़ी बड़ी ट्रांसपोर्ट कंपनियों की गाड़ियां खड़ी होने लगीं है। उन्होंने कहा कि अडानी अंबानी की इंश्योरेंस कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए मोदी सरकार द्वारा बनाए गए काले कानून के रूझान आने शुरू हो चुके हैं।

एसबीआई को पीछे छोड़ मोस्ट वैल्युएबल पीएसयू स्टॉक बना एलआईसी : मार्केट कैप 5.65 लाख करोड़ के पार, स्टॉक ने 918 का ऑल टाइम हाई बनाया

मुंबई।
लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को पीछे छोड़कर फिर से मोस्ट वैल्युएबल पीएसयू स्टॉक का दर्जा हासिल कर लिया है। एलआईसी के शेयर ने कारोबार के दौरान 918.45 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया। इससे कंपनी का मार्केट बढ़कर 5.65 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया। वहीं एसबीआई के शेयर में करीब 2 प्रतिशत की गिरावट है। इससे कंपनी का मार्केट कैप 5.61 लाख करोड़ रुपए पर आ गया है।

6 महीने में एलआईसी का शेयर 44 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ा

एलआईसी के शेयर ने बीते 6 महीने में अपने निवेशकों को 44 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न दिया है। एक साल में शेयर 26 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ा है। एलआईसी का शेयर अपने 52-वीक लो 530 रुपए से 67 प्रतिशत ऊपर आ चुका है। वहीं एसबीआई के शेयर ने निवेशकों को पिछले छह महीने में केवल 5 प्रतिशत का ही रिटर्न दिया है। बीते एक साल की बात करें तो इसका शेयर सिर्फ 6 प्रतिशत ही बढ़ा है। एलआईसी का आईपीओ 4 मई 2022 को आया था। तब आईपीओ के जरिए सरकार ने एलआईसी में अपनी 3.5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची थी। यह आईपीओ 21,000 करोड़ रुपए का था। इसका प्राइस बैंड 902-949 रुपए तय किया गया था और लिस्टिंग 867 रुपए पर हुई थी।

एमपीएस के नियमों में बदलाव के बाद एलआईसी के शेयर में तेजी

दिसंबर में वित्त मंत्रालय ने एलआईसी को 25 प्रतिशत के मिनिमम पब्लिक शेयरहोल्डिंग के नियमों में 2032 तक पूरा करने की छूट दी थी। सेबी के नियमों के अनुसार, सभी लिस्टेड कंपनियों को 25 प्रतिशत पब्लिक शेयरहोल्डिंग रखना जरूरी है।

हालांकि, नई लिस्टेड कंपनियों को इस जरूरत को पूरा करने के लिए तीन साल का समय दिया जाता है। 1 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा मार्केट कैप वाली कंपनियों के लिए 25 प्रतिशत एमपीएस नियम को पूरा करने की समयसीमा पांच साल है।

न्यूज़ ब्रीफ

2034 तक सात फीसदी होगी उद्योग की वृद्धि दर, 450 अरब डॉलर तक पहुंचेगा प्रीमियम

नई दिल्ली । घरेलू बीमा क्षेत्र अगले एक दशक तक सात फीसदी की दर से विकास कर सकता है। इस दौरान वित्त वर्ष 2034 तक इसका प्रीमियम दोगुना बढ़कर 450 अरब डॉलर होने का अनुमान है। इस समय प्रीमियम आय 224 अरब डॉलर है। स्विस रे इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट के अनुसार, अगले पांच वर्षों में (2024-28) कुल बीमा प्रीमियम आय सालाना 7.1 फीसदी की दर से बढ़ सकती है। वैश्विक विकास की औसत दर 2.4 फीसदी और उभरते बाजारों में दर 5.1 फीसदी रह सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक,बीमा जागरूकता अभी 3.8 फीसदी है, जो 10 वर्षों में बढ़कर 4.5 फीसदी हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2034 तक घरेलू बीमा उद्योग के बढ़ने की दर वैश्विक औसत वृद्धि के दोगुने से भी अधिक होगी इसका श्रेय भारत की लचीली अर्थव्यवस्था को जाता है, जो अगले पांच वर्षों तक सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी जीडीपी बनी रहेगी। रिपोर्ट में भूकंप, बाढ़, चक्रवात, सूखा और जंगल में आग लगने जैसी प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती घटनाओं का हवाला देते हुए कम जोखिम वाले संरक्षण पर भी प्रकाश डाला गया है। इन घटनाओं से पिछले एक दशक में बीमा कंपनियों को सालाना 8 अरब डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआहै। रिपोर्ट के मुताबिक, गुजरात का भुज भूकंप अब आया होता तो नुकसान 30-40 अरब डॉलर का होता। उस समय केवल 10 करोड़ डॉलर का नुकसान हुआ था।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आया बदलाव

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हल्का उतार-चढ़ाव से घरेलू बाजार में भी इसकी कीमतों में बदलाव आया है। डब्ल्यूटीआई क्रूड नीचे आकर 71.91 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं, ब्रेंट क्रूड बढ़कर 78.29 प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। छत्तीसगढ़ में पेट्रोल की कीमत में 60 पैसे और डीजल में 59 पैसे की कमी आई। वहीं महाराष्ट्र में पेट्रोल की कीमतें 39 और डीजल 38 पैसे कम हुई हैं। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना, केरल, ओडिशा व गोवा में भी पेट्रोल-डीजल की कीमतें कम हुई हैं। वहीं दूसरी ओर, उत्तर प्रदेश में पेट्रोल और डीजल की कीमत 20 पैसे बढ़ी है। लखनऊ में पेट्रोल 96.47 रुपये और डीजल 89.66 रुपये प्रति लीटर हो गया है जबकि नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है।

शीरा निर्यात पर अब लगेगा 50 फीसदी शुल्क, इथेनॉल बनाने में मिलेगी मदद

नई दिल्ली । सरकार देश में इथेनॉल बनाने के लिए मोलासिस (शीरा) की उपलब्धता बढ़ाएगी। इसके लिए सरकार ने मोलासिस के निर्यात पर 50 फीसदी का शुल्क लगा दिया है। इसे 18 जनवरी से लागू किया जाएगा। सरकार का कहना है कि इतने बड़े निर्यात शुल्क से मोलासिस की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी। इससे इथेनॉल का उत्पादन बढ़ेगा। इससे ईंधन में इथेनॉल मिलावट का लक्ष्य पूरा हो सकेगा। चालू वर्ष में पेट्रोल में 15 फीसदी इथेनॉल मिलाने का लक्ष्य है। इसके लिए 690 लीटर इथेनॉल की जरूरत होगी। अक्तूबर से सितंबर तक के गन्ने के उत्पादन में कमी आने की भी आशंका है। दुनिया में मोलासिस का 25 प्रतिशत हिस्सा भारत से ही पूरा होता है। मोलासिस निर्यात करने वाले राज्यों में महाराष्ट्र, गुजरात व कर्नाटक हैं, जो थाईलैंड, नीदरलैंड, दक्षिण अफ्रीका और फिलीपीन जैसे देशों को निर्यात करते हैं। इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) ने शीरा निर्यात पर 50 फीसदी शुल्क लगाने के सरकार के फैसले का स्वागत किया है। संगठन ने कहा, हर साल करीब 15-16 लाख टन शीरे का निर्यात किया जाता है, जो उत्पादित मोलासिस की कुल मात्रा का लगभग 10 फीसदी है। इस मोलासिस से लगभग 38 करोड़ लीटर इथेनॉल का उत्पादन हो सकता है।

भारत की विकास संभावनाएं बहुत अच्छी हैं, विश्व आर्थिक मंच में बोले आरबीआई गवर्नर दास

दावोस ।
विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) में एक सत्र को संबोधित करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि भारत की विकास संभावनाएं बहुत अच्छी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि विभिन्न झटकों और संकटों के बावजूद भारत के बैंकिंग क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार आया है।

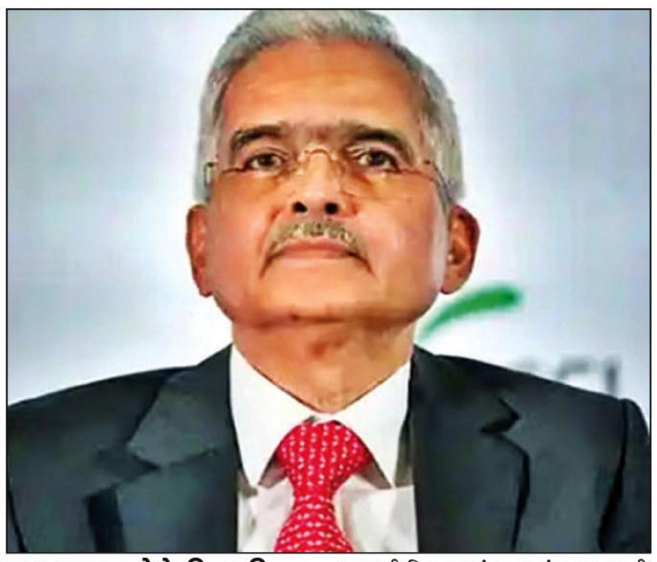

उन्होंने कहा कि भारत और उसके व्यापक आर्थिक और वित्तीय क्षेत्र की स्थिरता में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी भरोसा है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमें वास्तव में भारत में व्यापार के अवसरों पर गौर करने की जरूरत है, क्योंकि यह भारतीय पारिस्थितिकी तंत्र में निर्माण करने का सही समय है। दास ने कहा कि वैश्विक विकास धीमा होने के बावजूद भारत का सर्विस सेक्टर प्रगति कर रहा है।

दास ने भारत की आर्थिक स्थिति के पीछे सरकारी और निजी क्षेत्र के बैंकों तथा एनबीएफसी (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों) की नियामक ढांचे का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि ये भारत के आर्थिक विकास की गति में विश्वास के लिए आधार प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमने अपनी निगरानी में काफी सुधार किया है। हमारा दूरंदेशी दृष्टिकोण किसी संकट या संभावित जोखिम की पहचान करना है। ताकि हम किसी भी जोखिम को बढ़ने से रोकने के लिए उचित उपाय कर सकें।

मुद्रास्फीति को चार फीसदी के लक्ष्य तक लाने के लिए प्रतिबद्ध

आरबीआई गवर्नर दास ने कहा कि भारत में मुद्रास्फीति (महंगाई) कम हो रही है और लगातार आरबीआई के चार फीसदी लक्ष्य के करीब पहुंच रही है। साथ ही विकास संभावनाएं मजबूत बनी हुई हैं। उन्होंने कहा, मुद्रास्फीति नियंत्रण में आ गई है और हमारे पैमाने के भीतर है, जो दो फीसदी से छह फीसदी है। उन्होंने आगे कहा, मुख्य मुद्रास्फीति लगातार कम हो रही है। इससे पता चलता है कि मौद्रिक नीति काम कर रही है। आरबीआई मुद्रास्फीति को चार फीसदी के लक्ष्य तक लाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

क्रिप्टोकरेंसी में बड़े जोखिम

दास ने आने वाले वर्षों में निरंतर विकास के संकेत दिए और कहा कि भारत की आर्थिक विकास संभावनाएं मजबूत बनी हुई हैं। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में भारत में विनिमय दर की अस्थिरता में कमी से अर्थव्यवस्था में निवेशकों का विश्वास फिर से बढ़ा है। क्रिप्टोकरेंसी के बारे में आरबीआई प्रमुख ने कहा कि इसमें बड़े जोखिम हैं। उन्होंने कहा, क्रिप्टोकरेंसी अत्यधिक काल्पनिक है। मेरी राय और आरबीआई की राय है कि इसके चारों ओर बड़े जोखिमों को देखते हुए भारत जैसे देशों को बहुत सावधान रहना चाहिए।

जनवरी महीने की शुरुआत में, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 7.3 प्रतिशत रहने का अनुमान व्यक्त किया है, जो पिछले वित्त वर्ष में 7.2 प्रतिशत थी।

भारत अब बैक ऑफिस नहीं, बल्कि हर क्षेत्र में कामयाबी का दूसरा नाम, बोले गार्सेटी

मुंबई । भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी का कहना है कि भारत अब कोई बैक ऑफिस नहीं है, बल्कि हर क्षेत्र में शानदार सफलताओं का दूसरा नाम है। गार्सेटी ने कहा कि भारत में अब सिर्फ जेनेरिक दवाएं ही नहीं बनाई जा रही हैं, बल्कि स्वास्थ्य क्षेत्र में नए मुकाम गढ़े जा रहे हैं। इसी तरह प्रौद्योगिकी हो या वित्त भारत हर क्षेत्र में सफलता के प्रतिमान गढ़ रहा है। कई मामलों में भारत नेतृत्व कर रहा है और अमेरिका के लिए भारत के इन तरीकों का अनुसरण करना अहम है। भारत और अमेरिका दुनिया को नैतिक नेतृत्व देने में सक्षम हैं। मुंबई में यूएससी-इंडिया इनोवेशन समिट को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका दो महानतम लोकतंत्र होने के नाते दुनिया को दिखा सकते हैं कि नैतिक नेता होने का क्या मतलब होता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका-भारत के रिश्तों के लिहाज से 2023 सबसे अच्छा वर्ष रहा, निश्चित रूप से यह रिश्तों का कोई नया शिखर नहीं है, बल्कि एक मजबूत नींव है। गार्सेटी ने कहा कि भारत और अमेरिका मिलकर कई क्षेत्रों में तरक्की कर रहे हैं। तकनीक, निवेश और संस्कृति ऐसे पुल हैं, जो दोनों देशों के लोगों के लिए आपसी संबंधों का जरिया हैं। लोगों से लोगों के यह संबंध दोनों देशों के लिए बेहद अहम हैं और लगातार प्रगाढ़ हो रहे हैं। भारत और अमेरिका मिलकर दुनिया की सबसे अच्छी वैक्सीन बनाने के साथ ही सबसे अच्छी मूवीज बना सकते हैं और शिक्षा के आदान-प्रदान के जरिये हिंद-प्रशांत क्षेत्र का बेहतर भविष्य तय कर सकते हैं।

सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च' पर गिरी गाज, गृह मंत्रालय ने रद्द किया एफसीआरए पंजीकरण

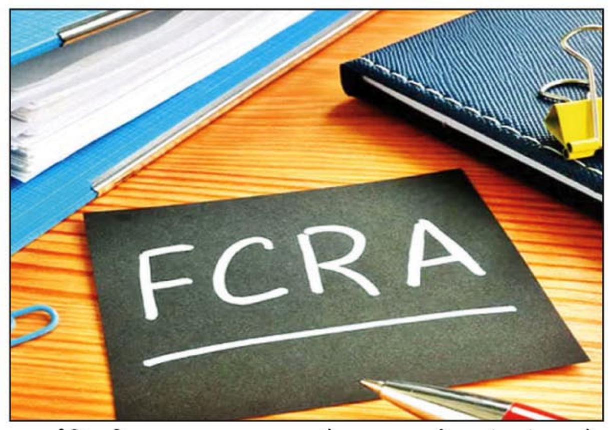

नई दिल्ली ।
सरकार ने नियमों के कथित उल्लंघन के लिए प्रमुख थिंक टैंक 'सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च' का विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) पंजीकरण रद्द कर दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

गृह मंत्रालय (एमएचए) द्वारा यह कदम एफसीआरए के तहत गैर-लाभकारी संस्था (एनजीओ) के पंजीकरण को निलंबित करने के लगभग एक साल बाद उठाया गया है। आयकर विभाग द्वारा की गई छापेमारी के बाद से थिंक-टैंक जांच के दायरे में है। गृह मंत्रालय ने विदेशी अंशदान कानून के प्रावधानों के कथित उल्लंघन के लिए एनजीओ का एफसीआरए पंजीकरण रद्द कर दिया है। इससे पहले एफसीआरए लाइसेंस फरवरी 2023 में 180 दिनों के लिए निलंबित किया गया था। फिर निलंबन को और 180 दिनों के लिए बढ़ा दिया गया। इसकी वेबसाइट के अनुसार 'सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च' (सीपीआर) 1973 से भारत के अग्रणी थिंक-टैंक में से एक रहा है। इसमें बताया कि यह अध्ययन के लिए समर्पित एक गैर-लाभकारी, गैर-पक्षपातपूर्ण, स्वतंत्र संस्थान है। 'सीपीआर' को बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, हेवलेट फाउंडेशन, विश्व बैंक, फोर्ड फाउंडेशन, ब्राउन यूनिवर्सिटी के अलावा अन्य संस्थानों से चंदा मिलता था। इसके संचालन निकाय के पूर्व सदस्यों में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश दिवंगत वाईवी चंद्रचूड़, अनुभवी पत्रकार दिवंगत बीजी वर्गीस शामिल रहे। जब 'सीपीआर' ने अपने निलंबन को दिल्ली उच्च न्यायालय में चुनौती दी तो गृह मंत्रालय ने तर्क दिया था कि सीपीआर का विदेशी चंदा रोकने की जरूरत है क्योंकि इसे ''अवांछनीय उद्देश्यों'' के लिए विदेशी चंदा प्राप्त हो रहा है, जिससे देश के आर्थिक हित प्रभावित हो सकते हैं। गृह मंत्रालय ने आरोप लगाया कि 'सीपीआर' ने एफसीआरए का उल्लंघन करते हुए विदेशी चंदे को अन्य संस्थाओं में स्थानांतरित कर दिया और चंदे को ऐसे खातों में जमा कर दिया, जो कि रिकॉर्ड में दर्ज नहीं थे। संपर्क करने पर सीपीआर अध्यक्ष व मुख्य कार्यकारी अधिकारी यामिनी अय्यर ने कहा कि संस्था जल्द ही एक बयान जारी करेगी।

एबरक्रॉम्बी एंड फिच कंपनी के पूर्व सीईओ पर पुरुषों का यौन शोषण करने का आरोप, एफबीआई ने शुरू की जांच

नई दिल्ली ।
एफबीआई ने कपड़ों का खुदरा व्यापार करने वाली कंपनी एबरक्रॉम्बी एंड फिच के पूर्व सीईओ माइक जेफ्रीज के खिलाफ जांच शुरू की है उन पर पुरुषों के यौन शोषण आरोप लगे हैं। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) ने एक मीडिया रिपोर्ट के बाद यह जांच शुरू की है, जिसमें दावा किया गया था कि एबरक्रॉम्बी एंड फिच (एएंडएफ) के पूर्व सीईओ ने दुनिया भर में आयोजित कार्यक्रमों में पुरुषों का यौन शोषण किया।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, माइक जेफ्रीज और उनके ब्रिटिश साथी के खिलाफ एक नागरिक मुकदमे में यह भी दावा किया गया कि वे एक सेक्स-ट्रैफिकिंग व्यवसाय संचालित करते हैं। वर्तमान में, संघीय जांच एजेंसी संभावित गवाहों का बयान ले रही है और समन जारी कर रही है। हालांकि, जेफ्रीज के एक वकील ने इस मुद्दे पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। सूत्रों ने बता या कि कथित यौन अपराधों में विशेषज्ञता रखने वाले एफबीआई एजेंट और न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के संघीय अभियोजक मामले की जांच कर रहे हैं। अक्तूबर में बीबीसी पॉडकास्ट शृंखला और डॉक्यूमेंट्री में आरोप लगाए गए थे कि माइक जेफ्रीज़ ने अपने साथी मैथ्यू स्मिथ के साथ युवा पुरुषों को उन पार्टियों में सेक्स के लिए मजबूर किया था।

भारतीय मोबाइल इंडस्ट्री के लिए चुनौती बनी सरकार की टैरिफ नीति

नई दिल्ली ।
सरकार की टैरिफ नीति भारतीय मोबाइल इंडस्ट्री के लिए चुनौती बन रही है। इसमें एप्पल का दबदबा भी सामने आ रहा है। दरअसल यही वजह है कि एक समय तेजी से बढ़ रहा भारतीय मोबाइल फोन बाजार अब मंदी का सामना कर रहा है। वित्त वर्ष 2024 में बिक्री वित्त वर्ष 2023 के समान 33 बिलियन रहने की उम्मीद है। 1.4 अरब की आबादी में 1,150 मिलियन फोन के साथ, मोबाइल की पहुंच 83 प्रतिशत से अधिक है। ग्रोथ रेट, जो वित्त वर्ष 2015 से वित्त वर्ष 19 तक 21 प्रतिशत थी, वित्त वर्ष 2020 से वित्त वर्ष 23 तक गिरकर 4.8 प्रतिशत हो गई है और वित्त वर्ष 24 से वित्त वर्ष 27 तक 3.8 प्रतिशत होने का अनुमान है। मोबाइल उत्पादन के लिए मैटी के बड़े लक्ष्य थे, जिसमें वित्त वर्ष 26 तक 126 बिलियन का लक्ष्य था, जिसमें निर्यात का एक बड़ा हिस्सा शामिल था। लेकिन अब उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) स्कीम के प्रभाव के बावजूद, इन लक्ष्यों को पूरा करने को लेकर अनिश्चितताएं हैं। बता दें कि पीएलआई स्कीम के कारण निर्यात बेहतर हो रहा है, लेकिन चिंता है कि भारतीय मोबाइल निर्माता चीन और वियतनाम से कितना मुकाबला कर पाएंगे। कंपोनेंट पर हाई आयात शुल्क भारत को कम प्रतिस्पर्धी बनाते हैं।

इंडियन सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) का कहना है कि इन टैरिफ में कटौती से वित्त वर्ष 2027 तक निर्यात 50 अरब डॉलर तक बढ़ सकता है। वहीं एप्पल मोबाइल निर्यात में एक बड़ा प्लेयर है, अप्रैल-दिसंबर 2023 में 66 प्रतिशत रहा है।

ऐसे में सैमसंग जैसी अन्य कंपनियों और स्थानीय कंपनियों को निर्यात में अपना शेयर बढ़ाने की जरूरत बताई जा रही है। इसके लिए वित्त मंत्रालय को यह पता लगाना होगा कि कम टैरिफ के साथ दोनों वैश्विक कंपनियों को कैसे खुश किया जाए और टैरिफ के साथ स्थानीय व्यवसायों का समर्थन कैसे किया जाए। क्योंकि स्थानीय स्मार्टफोन बाजार मैच्योर है, जिसमें लगभग 800 मिलियन स्मार्टफोन और 300-350 मिलियन फीचर फोन हैं। वित्त वर्ष 2020 में स्मार्टफोन की बिक्री 200 मिलियन से घटकर 150-160 मिलियन हो गई, और लोग अब अपने फोन को 2-3 साल तक चलाते हैं क्योंकि वे स्तरीय तकनीक से लैस और महंगे हैं।

लॉक खराब होने के कारण विमान के शौचालय में एक घंटे तक फंसा रहा यात्री, एयरलाइन ने कही यह बात

नई दिल्ली ।
16 जनवरी को मुंबई से बेंगलुरु जा रही स्पाइसजेट की फ्लाइट में एक यात्री दुर्भाग्य से शौचालय के अंदर करीब एक घंटे तक फंसा रहा। उड़ान के दौरान दरवाजे के लॉक में खराबी आने के कारण यह स्थिति बनी। स्पाइसजेट ने बताया कि यात्रा के दौरान, हमारे चालक दल ने यात्री को सहायता और मार्गदर्शन प्रदान किया।

स्पाइसजेट ने पीड़ित यात्री को किराया रिफंड करने का किया एलान

स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने बताया कि बंगलूरू पहुंचने पर एक इंजीनियर ने शौचालय का दरवाजा खोला और यात्री को तत्काल चिकित्सा सहायता मुहैया कराई गई। स्पाइसजेट ने यह भी कहा है कि मुंबई से बेंगलुरु जा रही फ्लाइट में करीब एक घंटे तक शौचालय के अंदर फंसे यात्री को पूरा रिफंड किया जा रहा है।

सदमे में आए यात्री को स्पाइसजेट के चालक दल ने ऐसे किया शांत

इस बीच, सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट वायरल हो रहे हैं जिसमें दावा किया गया है कि शौचालय में फंसे हुए यात्री सदमे की स्थिति में थे। यात्री को शांत करने के लिए, चालक दल ने कागज के एक टुकड़े पर एक नोट लिखा और उसे शौचालय के दरवाजे के नीचे खिसका दिया।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ नोट

नोट पर लिखा था, सर, हमने दरवाज़ा खोलने की पूरी कोशिश की। हालांकि, हम नहीं खोल सके। आप घबराएं नहीं, हम कुछ ही मिनटों में उतर रहे हैं। इसलिए कृपया कमोड का ढक्कन बंद करके उस पर बैठ जाएं और अपने आप को सुरक्षित करें। मुख्य द्वार खुलते ही इंजीनियर आ जाएगा। यह नोट अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

डीजीसीए कर रहा मामले की जांच

मुंबई से बंगलूरू जा रहे स्पाइसजेट के विमान में यात्री के शौचालय में फंसे रहने के घटनाक्रम की जांच विमानन नियामक डीजीसीए (नागर विमानन महानिदेशालय) कर रहा है। डीजीसीए के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। दरवाजे का लॉक खराब होने के कारण उड़ान के दौरान यात्री को एक घंटे तक शौचालय में ही गुजरना पड़ा था। विमान की बंगलूरू में लैंडिंग के बाद ही दरवाजा खोलकर फंसे यात्री को बाहर निकाला जा सका था। डीजीसीए के अधिकारी के अनुसार यह घटना मेंटेनेंस से जुड़े कारणों से हुई या किसी और कारण से इसकी पड़ताल की जा रही है।

सोना, चांदी की कीमतों में नरमीं

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी है। सर्राफा बाजार में जहां सोने के वायदा भाव ऊपर आये हैं। वहीं चांदी के वायदा भाव में गिरावट दर्ज की गयी है। इससे चांदी के वायदा भाव 72 हजार रुपये से नीचे आ गये। वहीं सोने के वायदा भाव भी तेज शुरुआत के बाद टूटकर 62 हजार रुपये के नीचे आ गए। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव सपाट खुले, जबकि चांदी के वायदा भाव में कमी रही। सोने के वायदा भाव की शुरुआत उछाल के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी अनुबंध 39 रुपये बढ़कर 62,054 रुपये के भाव पर खुला। इस समय ये 62,066 रुपये के भाव पर दिन के उच्च स्तर और 61,952 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया। पिछले साल दिसंबर महीने में सोने का वायदा भाव 64,063 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा था। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरूआत गिरावट के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च अनुबंध 92 रुपये की गिरावट के साथ 72,001 रुपये के भाव पर खुला। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव में कमजोरी देखी जा रही है। कॉमेक्स पर सोना 2,031.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इस पिछला बंद भाव 2,030.20 डॉलर था।

लक्ष्य सेन पहले ही दौर में हारे, प्रियांशु ने किया बाहर ; चेन के खिलाफ प्रणय की 13 मैचों में छठी जीत

नई दिल्ली । भारत के शीर्ष खिलाड़ी और आठवें वरीय एचएस प्रणय ने नई दिल्ली में इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत रोमांचक मुकाबले में सीधे गेम में जीत के साथ की। वहीं, प्रियांशु राजावत ने पुरुष एकल में पहला गेम गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए हमवतन लक्ष्य सेन को हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता प्रणय ने दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी ताइवान के टिएन चेन चाउ को 42 मिनट में 21-6, 21-19 से हराया। टिएन चेन के खिलाफ प्रणय की 13 मैच में यह छठी जीत है। अगले दौर में दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय की भिड़ंत प्रियांशु से होगी जिन्होंने पहला गेम गंवाने के बाद पूर्व चैंपियन लक्ष्य को एक घंटा और 15 मिनट चले मुकाबले में 16-21, 21-16 21-13 से हराया।

प्रणय के खिलाफ असहज दिखे चेन

दुनिया के आठवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय के खिलाफ टिएन चेन शुरुआत में बिल्कुल भी लय में नजर नहीं आए। उन्होंने काफी सहज गलतियां की। वह कोर्ट से सामंजस्य बिठाने में नाकाम रहे और उन्होंने कई बार कोर्ट के अंदर गिर रही शटल को छोड़ दिया। ताइवान के खिलाड़ी ने इसके अलावा कई शॉट नेट पर भी मारे। भारतीय खिलाड़ी की तेजी और सटीक शॉट का भी टिएन चेन के पास कोई जवाब नहीं था।

प्रणय ने पहला गेम आसानी से जीता

प्रणय ने मुकाबले की शानदार शुरुआत की और टिएन चेन की गलतियों का फायदा उठाकर 2-1 के स्कोर पर लगातार आठ अंक के साथ 10-1 की बढ़त बनाई। भारतीय खिलाड़ी ब्रेक के समय 11-2 से आगे था। प्रणय ने बढ़त को 13-2 किया और फिर इसे 16-4 तक पहुंचाया। भारतीय खिलाड़ी ने 20-6 स्कोर पर 14 गेम प्वाइंट हासिल किए और फिर नेट पर आकर अंक जुटाते हुए पहला गेम आसानी से जीत लिया। दूसरे गेम में टिएन चेन ने शुरुआती दो अंक जुटाए लेकिन प्रणय ने लगातार चार अंक के साथ 4-2 की बढ़त बनाई जिसमें क्रॉस कोर्ट स्मैश से जुटाए दो अंक भी शामिल थे। दूसरे गेम में भी हालांकि टिएन चेन ने पहले गेम की गलतियों को दोहराना जारी रखा। वह हालांकि इसके बावजूद प्रणय को अच्छी टक्कर देने में सफल रहे। उन्होंने क्रॉस कोर्ट स्मैश के साथ 7-6 की बढ़त बनाई और लगातार चार अंक के साथ ब्रेक तक 11-7 की बढ़त बनाने में सफल रहे। प्रणय ने इसके बाद कुछ शॉट नेट पर उलझाए और कुछ बाहर मारे जिससे टिएन चेन 14-8 से आगे हो गए।

न्यूज ब्रीफ

ऋषभ की आईपीएल में वापसी को लेकर उठा संदेह,जिम में अभ्यास के दौरान कराहते नजर आये

नई दिल्ली । टीम इंडिया के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के आईपीएल 2024 में खेलने की संभावनाएं के बीच ही आये एक वीडिया से प्रशंसकों की चिन्ताएं बढ़ गयी हैं। ऋषभ कार हादसे के बाद से ही खेल से दूर हैं और उनके आईपीएल के 17 वें सत्र से वापसी की संभावनाएं हैं। वहीं इस क्रिकेटर ने एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसमें वह जिम में दर्द से कराहते नजर आये। ऋषभ को कार हादसे में कई गंभीर चोटें आई थी। इसी कारण उनके घुटने की भी सर्जरी हुई थी। इससे उनको चलने में भी कई दिनों तक मुश्किलों का सामना करना पड़ा। अब इसी चोट से पूरी तरह से उबरने के लिए वह जिम में जमकर पसीना बहा रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर जिम का एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें वे घुटने में दर्द के कारण कराह उठे। इस वीडियो से प्रशंसकों के दिलों की धड़कनें बढ़ी हुई हैं हालांकि इस क्रिकेटर ने जिम की एक रील साझा की है जिसमें वे काफी फिट नजर आ रहे हैं। आईपीएल में उनकी वापसी को लेकर अभी संदेह बना हुआ है। आधिकारिक तौर पर यह नहीं साफ हुआ है कि वह आईपीएल 2024 में दिल्ली की ओर से खेलेंगे या नहीं। पिछले सत्र उनकी जगह पर डेविड वॉर्नर ने दिल्ली की कप्तानी की थी। अब देखना होगा कि वह इस बार वापसी कर पाते हैं या नहीं।

पंड्या को मिल रही शिवम से टक्कर

इंदौर । टीम इंडिया के युवा ऑलराउंडर शिवम दुबे ने अब तक अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज में अच्छा प्रदर्शन कर गेंद और बल्ले से अपने को साबित किया है। भारतीय टीम को सीरीज में मिली बढ़त के पीछे भी शुभम ही हैं। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के फिट नहीं होने के कारण इस सीरीज में शुभम को जगह मिली थी और उन्होंने अपने प्रदर्शन से चयन को सही साबित किया है। शिवम ने केवल 2 मैच में ही पंड्या के एक रिकार्ड की बराबरी कर ली। वहीं पंड्या को यहां तक पहुंचने में 7 साल लग गए थे। पंड्या ने टीम इंडिया में साल 2016 में अपना टी20 डेब्यू किया था। जिसके बाद से ही वह भारतीय टीम में नंबर एक तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के तौर पर उभरे हैं। अब उन्हें शुभम से टक्कर मिली है। शुभम ने अफगानिस्तान के खिलाफ शुरुआती दो मैचों में तेजी से अर्धशतकीय पारियों के साथ ही साथ ही एक-एक विकेट भी लिया। इस प्रकार वह अर्धशतक के साथ विकेट लेने के मामले में हार्दिक से आगे निकल गए हैं। हार्दिक ने अपने टी20 करियर में केवल एक बार अर्धशतक के साथ विकेट लिया था। इसके अलावा शिवम ने केवल 13 पारियों में अर्धशतक के मामले में भी हार्दिक की बराबरी कर ली है शिवम ने साल 2019 में भारतीय टीम में अपना टी20 डेब्यू किया था. लेकिन 2020 में खराब प्रदर्शन के चलते वे टीम से बाहर हो गए थे। अब 4 साल बाद इस खिलाड़ी ने शानदार वापसी की है। हार्दिक ने 71 टी20 पारियों में 3 अर्धशतक लगाए हैं जबकि शिवम ने 13 पारियों में ही 3 अर्धशतक लगा दिये। इससे साफ है कि शिवम यदि इसी प्रकार खेलते हुए रहे तो हार्दिक को अर्धशतक के मामले में पीछे छोड़ सकते हैं।

यशस्वी और शिवम को केन्द्रीय अनुबंध दे सकती है बीसीसीआई

मुम्बई । युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और ऑलराउंडर शिवम दुबे ने हाल में अपने प्रदर्शन से सबको प्रभावित किया है। यशस्वी जहां सलामी बल्लेबाज हैं, वहीं शिवम बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी भी करते हैं। ऐसे में अब माना जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) यशस्वी और शिवम को केन्द्रीय अनुबंध की सूची में शामिल कर सकती है। अभी तक यशस्वी ने खेल के तीनों ही प्रारुपों में अपनी बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया है। अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे टी20 में भी उन्होंने शानदार पारी खेली थी। वहीं शिवम ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और गेंदबाजी से भी सबका ध्यान खींचा है। दुबे ने लगातार दोनों मुकाबलों में तेजी से अर्धशतक लगाये। इससे अब वह हार्दिक पंड्या के सबसे बेहतर बैकअप के तौर पर उभरे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार यशस्वी और शिवम ने अपने प्रदर्शन से बोर्ड को केंद्रीय अनुबंध में स्थान हासिल करने के लिए काफी प्रभावित किया है। इसी कारण चयनकर्ता और टीम प्रबंधन चाहते हैं कि शिवम अधिक से अधिक गेंदबाजी करें क्योंकि इससे एक खिलाड़ी के रूप में उनकी उपयोगिता बढ़ जाती है। यही कारण है कि वह इस सीरीज के दौरान अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। यदि वे कुछ ओवरों में अच्छी गेंदबाजी कर दें तो जून में होने वाले टी20 विश्व कप में उनकी जगह पक्की हो सकती है। ऐसे में यशस्वी और शिवम का लक्ष्य अफगानिस्तान सीरीज के बाद आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा।

ओलंपिक 2036 : भारत के ओलंपिक मेजबान बनने की राह आसान,

मैक्सिको ने वापस लिया नाम ; अब ये चार बड़े दावेदार

नई दिल्ली । ओलंपिक 2036 के लिए भारत की मेजबानी का रास्ता साफ होता जा रहा है। अब मैक्सिको ने आधिकारिक तौर पर ओंलपिक 2036 की मेजबानी से नाम वापस ले लिया है। कड़ी प्रतिस्पर्धा का हवाला देते हुए मैक्सिको ने मेजबानी से अपना नाम वापस ले लिया है। राष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने इसकी जानकारी दी। राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (सीओएम) की अध्यक्ष मारिया जोस अल्काला ने प्रायोजकों के एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि अब मैक्सिको अपना ध्यान युवा ओलंपिक खेलों के लिए बोली लगाने पर केंद्रित करेगा, जहां उसके पास बेहतर मौका है। मैक्सिको ने शुरुआत में अक्तूबर 2022 में खेलों के इस महाकुंभ की मेजबानी करने का इरादा जताया था। पूर्व विदेश मंत्री मार्सेलो एबरार्ड ने सीओएम के साथ मिलकर 2036 ओलंपिक की मेजबानी करने की इच्छा जताई थी। यह देश 1968 में सफलतापूर्वक ओलंपिक खेलों की मेजबानी कर चुका है और एक बार ग्रीष्मकालीन खेलों को अपनी धरती में आयोजित करना चाहता था। दक्षिण कोरिया, भारत, मिस्त्र और कतर सहित अन्य देशों से कड़ी प्रतिस्पर्धा को स्वीकार करते हुए, अल्काला ने खुलासा किया कि मैक्सिको अब अपना ध्यान युवा ओलंपिक खेलों के लिए बोली लगाने पर केंद्रित करेगा, जहां उनका मानना है कि उनके पास बेहतर मौका है। उन्होंने कहा हमने अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के साथ बात की और हमने देखा कि प्रतिस्पर्धा बहुत कठिन है। हम यह देखने के लिए विचार कर रहे हैं कि क्या हम युवा ओलंपिक खेलों के लिए बोली लगा सकते हैं, जहां हमारे पास एक बेहतर मौका होगा। उन्होंने आगे युवा ओलंपिक खेलों की बोली के संबंध में आईओसी के साथ चल रही बातचीत का उल्लेख किया, जिसमें मैक्सिको के लिए एक अलग क्षमता में वैश्विक मंच पर चमकने के संभावित अवसर पर जोर दिया गया। यूथ ओलंपिक पर विचार करने के अलावा अल्काला ने खुलासा किया कि 2027 पैन अमेरिकन गेम्स के लिए मेक्सिको के बोली लगाने की संभावना है। हाल ही में कोलंबियाई शहर बैरेंक्विला से मेजबानी के अधिकार वापस लेने के बाद उत्तरी राज्य नुएवो लियोन ने इस आयोजन की मेजबानी में रुचि व्यक्त की थी। अल्काला ने कहा, नुएवो लियोन ने इसमें रुचि दिखाई है। केवल वे ही हैं जिन्होंने हमसे संपर्क किया है। इस पर अभी भी चर्चा चल रही है।

भारत के लिए अभी भी कड़ी चुनौती

दक्षिण कोरिया, मिस्त्र और कतर जैसे देश अभी भी ओलंपिक 2036 की मेजबानी में रुचि दिखा रहे हैं। कतर ने 2022 फीफा विश्व कप का सफल आयोजन किया था। दक्षिण कोरिया और मिस्त्र में भी बड़े खेलों के आयोजन के लिए क्षमता है। हालांकि, भारत पहली बार इन खेलों की मेजबानी के लिए दावेदारी पेश कर रहा है। भारत को इसका फायदा मिल सकता है।

नील ब्रांड की कप्तानी में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलेगी दक्षिण अफ्रीका

केप टाउन । क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने नील ब्रांड न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली आगामी टेस्ट सीरीज में दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी करेंगे। इस सीरीज में अधिकतर गैरअनुभवी खिलाड़ी ही शामिल किये गये हैं। इसें सलामी बल्लेबाज एडवर्ड मूर सहित सात अन्य अनकैप्ड खिलाड़ी शामिल है। मूर हालांकि घरेलू सर्किट में एक जाना माना नाम है, उसने पश्चिमी प्रांत के लिए 117 प्रथम श्रेणी मैचों में 7743 रन बनाए हैं। वह इस सत्र में शानदार फॉर्म में है उसने डिवीजन 1 सीएसए 4-डे सीरीज़ में 51.75 की औसत से 414 रन बनाए हैं। वहीं बाएं हाथ के बल्लेबाज नील 1995 में पूर्व कीवी क्रिकेटर ली जर्मेन के बाद अपने पहले टेस्ट मैच में ही अंतरराष्ट्रीय पुरुष टीम की कप्तानी करने वाले पहले खिलाड़ी होंगे। वहीं कीगन पीटरसन, जुबैर हमजा और डेविड बेडिंघम टीम में एकमात्र खिलाड़ी टीम में हैं, जो भारत के खिलाफ केपटाउन टेस्ट का भी हिस्सा थे। कुल आठ खिलाड़ियों में डुआन ओलिवियर सबसे अनुभवी हैं। माउंट माउंगानुई में 4 फरवरी को पहले टेस्ट में कीवी टीम से खेलने से पहले दक्षिण अफ्रीका 29 से 31 जनवरी तक न्यूजीलैंड इलेवन के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगा।

स्वियातेक ने केनिन को हराया, रिबाकिना अगले दौर में, अल्काराज और ज्वेरेव भी जीते

नई दिल्ली । शीर्ष रैंकिंग वाली इगा स्वियातेक ने पहले दौर में पूर्व चैंपियन सोफिया केनिन को 7-6, 6-2 से हराया। पोलैंड की स्वियातेक ने पांच ग्रैंडस्लैम जीते हैं लेकिन ऑस्ट्रेलियाई ओपन खिताब अपने नाम नहीं कर सकी हैं। अब उनका सामना 2022 की उपविजेता डेनियेले कोलिंस से होगा जिन्होंने 2016 की चैंपियन एंजेलिक कर्बर को 6-2, 3-6, 6-1 से हराया। कर्बर उन तीन पूर्व चैंपियन में से हैं जो मां बनने के बाद वापसी कर रही हैं। इनमें से एक चार बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका पहले ही दौर में हारकर बाहर हो गई। वहीं 2018 की चैंपियन कैरोलिन वोज्नियाकी दूसरे दौर में पहुंच गई हैं। पिछले साल की उपविजेता एलेना रिबाकिना भी अगले दौर में पहुंच गई जिन्होंने दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी कैरोलिना प्लिसकोवा को 7-6, 6-4 से हराया। यहां 2012 और 2013 में खिताब जीत चुकी विक्टोरिया अजारेंका ने इटली की कामिला जियोर्जी को 6- 1, 4-6, 6-3 से मात दी। पुरुष वर्ग में 11वीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड ने अलबर्ट रामोस विनोलास को 6-1, 6-3, 6-1 से हराया। वहीं कैमरन नौरी ने जुआन पाब्लो वारिलास को 6-4, 6-4, 6-2 से मात दी। ग्रिगोर दिमित्रोव ने मर्टोन फुक्सोविक्स को 4-6, 6-3, 7-6, 6-2 से परास्त किया। कार्लोस अल्कराज ने पहले सेट में कड़ा संघर्ष करने के बाद 37 साल के खिलाड़ी रिचर्ड गास्केट को सीधे सेटों में हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया। पहला सेट एक घंटे और 12 मिनट तक चला जिसे अल्कराज ने टाईब्रेकर में जीता, लेकिन इसके बाद अगले दो सेट जीतने में उन्हें कोई परेशानी नहीं हुई। अल्कराज ने यह मैच 7-6 (5), 6-1, 6-2 से जीता। उनका अगला मुकाबला लोरेंजो सोनेगो से होगा, जिन्होंने डैन इवांस को 4-6, 7-6 (8), 6-2, 7-6 (4) से हराया। अल्कराज दाहिने पांव की चोट के कारण पिछले साल इस टूर्नामेंट में नहीं खेल पाए थे। ओलंपिक टेनिस चैम्पियन अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने आस्ट्रेलियाई ओपन में पहले दौर का मुकाबला जीता जबकि एक दिन पहले ही जर्मनी में उत्पीड़न के एक मामले में उन्हें इस साल के आखिर में सुनवाई का सामना करने के आदेश दिए गए हैं।

प्रगनाननंदा ने फिर किया कमाल, विश्व चैंपियन डिंग लिरेन को हराया; विश्वनाथन आनंद से आगे निकले

नई दिल्ली । भारत के स्टार शतरंज खिलाड़ी रमेशबाबू प्रगनाननंदा ने एक बार फिर कमाल किया है। उन्होंने टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट में विश्व चैंपियन डिंग लिरेन को हराकर इतिहास रच दिया। इसके साथ ही वह अनुभवी शतरंज ग्रैंडमास्टर विश्वनाथन आनंद को पछाड़कर पहली बार नंबर एक रैंक वाले भारतीय ग्रैंडमास्टर बन गए।

चीन के विश्व चैंपियन लिरेन के खिलाफ मिली जीत ने प्रगनाननंदा को आश्चर्यचकित कर दिया, क्योंकि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि पूर्व खिलाड़ी इतनी आसानी से हार जाएगा।

चेस डॉट कॉम ने प्रगनाननंदा के हवाले से कहा, मुझे लगा कि मैंने बहुत आसानी से बराबरी कर ली और फिर किसी तरह चीजें उनके लिए गलत होने लगीं। मोहरा जीतने के बाद भी मुझे लगा कि मैच में वह पकड़ बना सकते हैं। मुझे लगता है कि किसी भी दिन, यदि आप इतने मजबूत खिलाड़ी को हराते हैं, तो यह हमेशा विशेष होता है क्योंकि उन्हें हराना बहुत आसान नहीं होता है। शास्त्रीय शतरंज में विश्व चैंपियन के खिलाफ पहली बार जीतना अच्छा लगता है।

प्रगनाननंदा को टूर्नामेंट में जिस तरह की शुरुआत मिली है उससे संतुष्ट लग रहे हैं, लेकिन वह अपने सामने आने वाली चुनौतियों से सावधान हैं। उन्होंने कहा यह अच्छा है। मुझे लगता है कि पहले तीन गेम काफी दिलचस्प थे। मुझे लगता है कि मैं अच्छा खेल रहा हूं, लेकिन पिछले साल भी ऐसा ही हुआ था। एक समय था जब मैं वास्तव में अच्छा खेल रहा था और फिर मेरा खेल काफी खराब हो गया था इसलिए मुझे लगता है कि यह (नतीजा) अच्छा है। टूर्नामेंट के अंत तक ऊर्जा बरकरार रखना वास्तव में महत्वपूर्ण है। प्रगनाननंदा इससे पहले भी शीर्ष खिलाड़ियों को हराने के लिए चर्चा में रहे हैं। वह कई बार विश्व चैंपियन और दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन को हरा चुके हैं। पिछले साल शतरंज विश्व कप में भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई थी। खिताबी मुकाबले में कांटे की टक्कर के बाद टाई ब्रेकर में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। वह शतरंज विश्व कप के फाइनल में पहुंचने वाले तीसरे सबसे युवा खिलाड़ी बने थे।

भारतीय महिला टीम ने इटली को 5-1 से हराया, ओलंपिक क्वालीफायर के सेमीफाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली । भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर के सेमीफाइनल में जगह बना ली। उसने इटली को 5-1 से हरा दिया। टीम इंडिया अब पेरिस ओलंपिक में पहुंचने के करीब है। भारत के लिए अपने 100वें मैच में उदिता दुहान दो गोल दागे। उदिता (पहला मिनट, 55वां), दीपिका (41वां), सलीमा टेटे (45वां) और नवनीत कौर (53वां) भारतीय टीम के लिए गोल स्कोरर रहे। टीम इंडिया पूल बी में संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर रही। सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला पूल ए में शीर्ष पर रहने वाले जर्मनी से होगा। वहीं, अमेरिका की टीम जापान के खिलाफ खेलेगी। इनमें से शीर्ष तीन टीमें पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करेंगी।

अमेरिका ने न्यूजीलैंड को 1-0 से हराया

दूसरी ओर, एलिजाबेथ येगर ने दूसरे क्वार्टर में पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदला जिससे अमेरिका ने अपना विजय अभियान जारी रखते हुए न्यूजीलैंड पर 1-0 से जीत दर्ज करके एफआईएच महिला ओलंपिक क्वालिफायर के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अब उसकी टक्कर जापान से होगी जिसने पूल ए में चिली को 2-0 से हराया। अमेरिका की एलिजाबेथ येगर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ निर्णायक गोल खेल के 17वें मिनट में किया, जिससे अमेरिका पूल बी में शीर्ष पर रहा। अमेरिका ने पूल बी में अपने तीनों मैच जीते। न्यूजीलैंड ने तीन अंक के साथ अपने अभियान का अंत किया। इससे पहले जापान ने चिली के खिलाफ पहले दो क्वार्टर में एक-एक गोल किए। जापान की तरफ से पहला गोल काना उराता ने पहले मिनट में ही कर दिया था। उन्होंने यह मैदानी गोल खेल के 23वें सेकंड में किया। इसके बाद मियु हासेगावा ने 23वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर उसकी बढ़त दोगुनी की। जापान इस तरह से पूल ए में सात अंक लेकर दूसरे स्थान पर रहा। विश्व में पांचवें नंबर की टीम जर्मनी के भी सात अंक थे लेकिन वह गोल अंतर के कारण इस पूल में शीर्ष पर रहा। जापान की टीम ने शुरू में ही अपने इरादे जतला दिए और पहले मिनट में ही गोल करने से उसने चिली को दबाव में ला दिया था। उसने इसके बाद भी अपना दबदबा बनाए रखा। विश्व में 23वें नंबर के चिली ने मध्यांतर के बाद अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन जापान ने अपनी पूरी ताकत गोल बचाने पर लगा दी। जापान ने भी तीसरे क्वार्टर में दो पेनल्टी कार्नर हासिल किए थे लेकिन वह उनका फायदा नहीं उठा पाया। जापान को अंतिम 6 मिनट में भी दो पेनल्टी कार्नर मिले थे।

सिर्फ एक बर्गर खाने के लिए बचे थे पैसे, विराट ने की मदद

अब एक मैच जीत सुमित ने कमाए 98 लाख रुपये

नई दिल्ली । देश के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में पहुंचकर इतिहास रच दिया है। वह 1989 के बाद से ऑस्ट्रेलियन ओपन में किसी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को हराने वाले देश के पहले खिलाड़ी बन गए। नागल ने पहले दौर में कजाखस्तान के एलेक्जेंडर बुबलिक को 6-4, 6-2, 7-6 (7-5) से हराया। नागल ने जीत के साथ इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया।

नागल अब चर्चा में आ गए हैं, लेकिन कुछ दिन पहले वह आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे। उनके लिए ट्रेनिंग करना और गुजारा करना भी मुश्किल हो रहा था। एक समय पर उनके पास सिर्फ छह डॉलर रुपये बचे थे। इन पैसों में ऑस्ट्रेलिया में एक बर्गर खाया जा सकता है। क्योंकि, यह बर्गर की कीमत 4-8 डॉलर के बीच है। सितंबर 2023 में एटीपी टूर में खेलने के लिए एक करोड़ रुपये के बजट की व्यवस्था करने के बाद उनके बैंक खाते में 900 यूरो (करीब 80,000 रुपये) बचे थे। अब ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में जगह बनाने के साथ उन्होंने 1.8 लाख डॉलर (98 लाख रुपये) का इनाम पक्का कर लिया है।

मैच में क्या हुआ – मुख्य दौर के पहले राउंड में भारतीय खिलाड़ी ने एक भी सेट गंवाए बिना जीत हासिल की, जैसा कि उन्होंने तीनों क्वालीफाइंग राउंड में किया था। उन्होंने बढ़त ले ली और सर्व के कई ट्रेंडों के साथ घबराहट भरे पहले सेट में आगे रहे, और दूसरे सेट में अपनी स्थिति पक्की की, जहां उन्होंने अपने फोरहैंड का उपयोग करके हावी होना शुरू कर दिया और बुब्लिक की सभी गलतियों पर काबू पा लिया, जिसमें 17 गलतियां शामिल थीं। तीसरे सेट में बढ़त बनाने के बाद, नागल फिनिश लाइन को देखते हुए पीछे हट गए और मैच के लिए सर्विस करते समय कन्वर्ट करने में असफल रहे, लेकिन टाईब्रेकर में बुब्लिक के दो डबल फॉल्ट की सहायता से, उन्होंने मैच जीत लिया। हरियाणा के झज्जर में एक प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक के घर पैदा हुए नागल बेहद सामान्य परिवार से आते हैं। भारत में टेनिस खेलने के लिए आर्थिक रूप से मजबूत होना जरूरी है, क्योंकि यहां राष्ट्रीय महासंघ या सेटअप से बहुत कम आर्थिक समर्थन मिलता है। नागल से पहले जिन लोगों को कोई सफलता मिली है, उन्होंने ऐसा पूरी तरह से अपने दम पर किया है। चैलेंजर टूर पर खेलते हुए नागल की मामूली पुरस्कार राशि की कमाई और एक इंडियन ऑयल कर्मचारी के रूप में उनका वेतन सिर्फ उनकी जीविका पूरी कर सकता है।

नागल 2020 यूएस ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे थे, लेकिन डोमिनिक थिएम से हार गए थे। उन्होंने न्यूयॉर्क में शुरुआती दौर में रोजर फेडरर से एक सेट जीता था। लेकिन चोटों के चलते उनके पिछले कुछ वर्ष खराब रहे। शीर्ष 500 से बाहर काफी समय बिताने के बाद उन्होंने 2023 में चार चैलेंजर फाइनल में दो खिताब जीते और विश्व रैंकिंग में 122वें स्थान पर पहुंच गए।

चोटों से वापसी करते हुए यह नागल के करियर का सबसे बड़ा परिणाम होगा। अगर उन्होंने विश्व रैंकिंग में 140वें स्थान पर मौजूद जुआनचेंग शांग के खिलाफ दूसरे दौर में जीत दर्ज की तो तीसरे दौर में वह विश्व नंबर दो कार्लोस अलकराज से भिड़ सकते हैं।

ट्रेंच कोट से फैशनेबल लुक...

खूबसूरत दिखना और फैशनेबल दिखने में बहुत अंतर है। फैशनेबल दिखने के लिए जरूरी है कि सबसे पहले यह जान लिया जाए कि ट्रेंड में क्या है और आपको हर मौसम के ट्रेंड के बारे में पता होना चाहिए। आजकल ट्रेंच कोट काफी ट्रेंड में है, जो स्टाइलिश लुक के साथ आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा देंगें।

हल्के ट्रेंच कोट

अगर आप ऐसी जगह पर रहती हैं जहां ज्यादा सर्द हवाएं नहीं चलती हैं, तो आप इन कोट्स को पहन सकती। जो कि बाहर घूमने के लिए अच्छे हैं।

मिलिट्री ट्रेंच कोट

मिलिट्री ट्रेंच कोट देखने में काफी वर्सटाइल लगते हैं, और आप इन्हे कही पर भी पहन कर जा सकती हैं। ऑफिस सबसे अच्छी जगह है इसे पहने की। साथ ही आप इसे मीटिंग्स में भी पहन कर जा सकते हैं।

कैज्युअल ट्रेंच कोट

कैज्युअल ट्रेंच कोट पहने में बहुत ही आरामदायक होते हैं साथ ही यह कार्डिगन वॉटरफॉल की तरह दिखते हैं। इसे आप हाउस पार्टी, रोड ट्रिप्स, हैंगआउट्स आदि जगहों पर भी पहन सकती हैं।

फॉक्स फर ट्रेंच कोट

यह विंटर्स पार्टीज के लिए बहुत अच्छे हैं। लेदर और फॉक्स फर ट्रेंच कोट बहुत क्लासी और फैशनबल लगते हैं। इनकी फॉक्स फर कॉलर एजी लुक देती हैं।

बालों पर चॉक कलर...

जमाना इतना मॉडर्न हो गया है कि लोग हर तरह के फैशन फॉलो करने लग गए हैं फिर भले ही बात ड्रैसिंग सैंस की हो या फिर हेयर स्टाइल की। खासकर लड़कियां अपनी ड्रैसिंग सेंस और बालों को सजाने संवारने में ज्यादा ध्यान देती हैं। हेयर कलर करना भी इन दिनों खूब ट्रैंड में है। युवा महिलाएं कलरफुल स्ट्रीक्स करवा रही हैं। अगर आप भी स्ट्रीक्स करवाना चाहती हैं तो बालों पर चॉक कलरिंग करना आसान तरीका है। बालों पर रंग-बिरंगे हेयर चॉक की मदद से आप न केवल अपने मनपसंद रंगों की स्ट्रीक्स बना सकती हैं बल्कि उन्हें ज्यादा देर तक कैरी भी कर सकती हैं। आप इसे जब चाहे हटा भी सकती हैं।

क्या है हेयर चॉक?

हेयर चॉक को वॉटर बेस्ड इंक के साथ तैयार किया जाता है। यह इंक माइको फाइबर की तरह काम करती है और बालों के ऊपर एक स्ट्राइकिंग विजिबल फिल्म बनाती है। वॉटर बेस्ड इंक होने की वजह से यह आसानी से रिप्लेस हो जाती है। बालों पर कलर की जगह हेयर चॉक एक मेकअप की परत की तरह काम करता है और एक-दो बार धोने के बाद ही बालों से छूटने लगता है इसीलिए जो बालों को कलर करने से घबराती हैं यह उनके लिए अच्छा ऑप्शन है।

हेयर चॉक का इस्तेमाल

- बालों की एक चोटी बनाकर आगे की तरफ बांध लें। फिर कलर करना वाले हेयर्स को स्प्रे करके अलग-अलग ट्रेस में बांट लें।
- अब इसके बाद चॉक से एक ट्रेस को कलर करें। आप बालों पर कलर करने के लिए एक से ज्यादा कलर की चॉक्स का भी इस्तेमाल कर सकती है।
- धीरे-धीरे सभी ट्रेसेज को कलर करें। शुरू में कलर को लाइट रखें।
- अब बालों को सूखने दें। सूखने के बाद कलर ट्रेसेज खिली-खिली दिखेंगी।
- कलर को ज्यादा दिनों तक बनाए रखने के लिए कलर करने के बाद में ब्लो ड्रायर का यूज करें। यह चॉक को ड्राई करके लबें समय कर बनाए रखने में मदद करते हैं।

फिट रहने ये 5 गलतियां न करें

डाइटिंग करना अच्छा है, लेकिन अगर उसे सही तरीके से न किया जाए तो बॉडी को बहुत ज्यादा नुकसान भी पहुंचता है। कई बार की गई छोटी-छोटी गलतियों के कारण डाइट का जो फायदा मिलना चाहिए वो नहीं मिल पाता। हममें से ज्यादातर लोग इन गलतियों से अंजान होते हैं। जानते हैं ऐसी ही कुछ गलतियों के बारे में..

सलाद: फ्रिज में रखी कई दिन की सब्जियों या फल से ज्यादा विटामिन या मिनरल्स ताजे फलों में होते हैं। सलाद में नमक या सॉस जैसे म्योनीज या शुगर डालते हैं तो फलों और सब्जियों के आधे से ज्यादा न्यूट्रिशन तो उनकी वजह से ही खत्म हो जाते हैं।

पॉपकॉन: घूमने के समय लोग सोचते हैं कि समोसे के बजाय पॉपकॉन खाना हैल्दी ऑप्शन है। मगर बाहर मिलने वाले पॉपकॉन में नमक और मक्खन ज्यादा होता है।

फ्रूटी ड्रिंक्स: फ्रूट ड्रिंक पीने का कुछ फायदा नहीं है। फ्रूट्स के नाम पर जो जूस बेचे जाते हैं, उनमें फल के नाम पर स्वीटनर और पल्प की जगह फलों के वेस्ट होते हैं। पीने में हैल्दी लगने वाले ये जूस आपके शरीर को असली फल जितने पोषक तत्व नहीं देते।

पनीर: कहते हैं डाइटिंग में प्रोटीन के लिए पनीर खाना फायदेमंद होता है। लेकिन पनीर अगर फैट वाले दूध से बना है तो वो शरीर को फैट की जगह कोई पोषक तत्व नहीं देता। जब भी पनीर खरीदें तो यह जरूर देखें कि उसमें कौन से पोषक हैं। पनीर हमेशा कच्चा ही खाएं।

खुले ड्रॉय फ्रूट्स। इसमें कोई शक नहीं कि ड्रॉय फ्रूट्स खाना बहुत ही अच्छा और हेल्दी होता है लेकिन खुले ड्रॉय फ्रूट्स के मामले में ये बात सही नहीं। खुली रखी हुई चीजों के ज्यादा न्यूट्रिशन्स निकल चुके होते हैं इसलिए इन्हें किसी सील बंद डिब्बे में रखें, जब खाना हो तभी निकालें।

ठंड में ऐसे बरकरार रखें सुंदरता...

मौसमी बदलाव न सिर्फ शरीर पर गहरा असर डालता है बल्कि रूप और त्वचा को भी प्रभावित करता है। गर्मी हो या सर्दी त्वचा को परेशानी दोनों ही हालत में होती है। ऐसे में आप अपनी त्वचा को कोमल बनाए रखने के लिए कैसी देखभाल करें जानें।

सर्दियों का मतलब है, बर्फीली हवाओं का आना जो हमारी त्वचा की नमी छीन कर इसे रूखा बना देती है। हमारे होंठ और पैर फटने लगते हैं। तैलीय त्वचा की समस्या से सीधा हम रूखी त्वचा की दिक्कतों से दो-चार होने लगते हैं। कुछ लोगों को तो त्वचा में रूखेपन की वजह से स्किन एलर्जी या दाग-धब्बे भी उभर आते हैं। इस तरह के मौसमी बदलाव हमारे शरीर की देखभाल के नियमित उपायों में कोल्ड क्रीम को भी अहम हिस्सा बना देते हैं। ऐसे में जब हम अपने वॉर्डरोब को ठिठुराने वाली ठंड के लिए तैयार कर रहे हों, तब अपनी त्वचा को नर्म-मुलायम बनाए रखने के लिए कुछ बातों का ध्यान भी रखना चाहिए।

गाढ़े क्रीम बेस्ड उत्पाद: सर्दियों की शुरुआत के साथ ही हमें अपनी त्वचा पर इस्तेमाल किए जाने वाले उत्पादों में भी बदलाव की जरूरत पड़ती है। इसमें सबसे ज्यादा जरूरी है क्रीम-बेस्ड गाढ़े मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल। तो अब अपने हल्के वॉटर-बेस्ड उत्पादों की जगह ले आएं गाढ़े उत्पाद। इसी तरह अब आपको अपनी त्वचा से मॉइश्चर हटाने के लिए पहले से हल्के और जेंटल फेसवॉश की जरूरत होगी, ताकि इससे त्वचा की प्राकृतिक नमी न खोए। सनस्क्रीन भी ऐसा लगाएं जिसमें मॉइस्चराइजर भी हो। जब चेहरे से मेकअप हटा रहे हों, तब भी मॉइस्चराइजर युक्त क्लींजर ही इस्तेमाल करें। अगर आपकी त्वचा संवेदनशील है और रूखी है तो हलके और मॉइस्चराइजिंग साबुन का इस्तेमाल करें।

तेल की मालिश: तेल से मसाज का मतलब यह नहीं कि आपको लंबे समय तक की जाने वाली परंपरागत मसाज की सलाह दी जा रही है। इसके लिए जब आप सोकर उठें तब सिर्फ 15 मिनट का समय निकालें। तेल गुनगुना करें और पूरे शरीर पर इसे लगाएं। इसे चेहरे और सिर पर भी लगाएं। एक घंटा लगे रहने दें। इस बीच अपनी अन्य दिनचर्या जैसे कि अखबार पढना नाश्ता बनाना आदि काम निबटा लें। अब नहाकर पूरे दिन के लिए तैयार हो जाएं। अगर आप हफ्ते में दो दिन भी इस प्रक्रिया को करें तो त्वचा लंबे समय तक स्वस्थ रहेगी। इसका असर सिर्फ सर्दियों तक ही नहीं, इसके बाद भी आपको दिखेगा। मालिश के लिए नारियल का तेल सबसे बेहतर और आसानी से उपलब्ध है, जो त्वचा और शरीर के लिए बहुत अच्छा होता है।

एक्सफोलिएट करें: चूंकि हम सर्दियों में रूखेपन से बचाव के लिए अपनी त्वचा पर ज्यादा क्रीम और तेल लगाते हैं, इसके चलते कई बार त्वचा के रोम छिद्र बंद हो जाते हैं। इससे त्वचा को होने वाले नुकसान से बचाने के लिए हर दस दिन में एक बार एक्सफोलिएट करें। त्वचा की मृत कोशिकाएं हटाने और इसे साफ करने के लिए कोई मृदु स्क्रब लें और हाथों को गोल-गोल घुमाते हुए लगाएं। महीने में एक बार भाप यानी स्टीम थेरेपी भी लें। इससे त्वचा मुलायम होगी, रोमछिद्र खुलेंगे, व्हाइट हेड्स और मुंहासे हट जाएंगे। ऐसी कोई भी प्रक्रिया जिससे त्वचा के रोमछिद्र

खुलते हैं और मृत कोशिकाएं हटती हैं, त्वचा को पोषण देती है और नमी बनाए रखने में मददगार होती है।

सनस्क्रीन का इस्तेमाल: सर्दी के मौसम में ज्यादा तीखी धूप नहीं निकल रही, इस कारण सनस्क्रीन का इस्तेमाल बंद न करें। सच तो यह है कि सर्दियों में हम धूप के संपर्क में ज्यादा देर तक रहना चाहते हैं, ऐसे में त्वचा को सूरज की खतरनाक किरणों से बचाने की ज्यादा जरूरत होती है। तेज धूप हो या हलकी, दोनों ही मामलों में यूवी किरणें खतरनाक साबित होती हैं। यहां तक कि ठंड के दिनों में भी।

पैरों की देखभाल: अकसर ठंड का सबसे निष्ठुर असर पैरों पर देखा जाता है। फटी एडियां, दुखते तलवे और सूजे व खुजलाते पैर, इस मौसम की कुछ आम परेशानियों में शामिल हैं। अकसर हम अपने चेहरे की देखभाल के लिए हर संभव कोशिश करते हैं, लेकिन पैर आमतौर पर अनदेखी का शिकार हो जाते हैं। हर रोज रात में सोने से पहले पैरों पर कोल्ड क्रीम या मॉइस्चराइजर लगाएं। एड़ियों से रूखी और सख्त त्वचा को हटाने के लिए महीने में दो बार इसे एक्सफोलिएट करें। सर्दियों में ऊनी जुराबें पहनें। हालांकि कुछ ऐसे लोग भी होते हैं, जिन्हें पैरों में बहुत ही ज्यादा पसीना आने की समस्या होती है। यह एक तरह की बीमारी है, जिसे हाइपरहाइड्रोसिस कहते हैं। ऐसे लोगों को सर्दियों में भी पसीना आता रहता है। ऐसे में बोटॉक्स ट्रीटमेंट फायदेमंद होता है। यह पैरों में पसीना आना कम करके इसे सूखा रखने के लिए जादुई उपचार की तरह काम करता है।

संतुलित आहार है जरूरी: आप अगर अंदर से स्वस्थ महसूस करेंगी तो बाहर से भी स्वस्थ दिखेंगे। यह कभी न भूलें कि अच्छी सेहत एक सेहतमंद शरीर से ही संभव है। सर्दियों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और शरीर को पूरी तरह स्वस्थ रखने के लिए ऐसा आहार लें, जिसमें भरपूर मात्रा में विटमिन और खनिज तत्व शामिल हों। पर्याप्त फल और सब्जियां खाएं। अपनी त्वचा और शरीर को भरपूर पोषण देने के लिए ओमेगा 3 फैटी एसिड युक्त आहार लें, जैसे कि मछली।

बालों की देखभाल: सर्दियां और सूखी हवाएं बालों की नमी चुराकर उन्हें रूखा बना देती हैं। बाल और सिर की त्वचा मौसम की परिस्थितियों के प्रति काफी संवेदनशील होते हैं। बालों की आम समस्याओं में शुष्क, रूखे बाल, डैंड्रफ, ड्राइ स्कैल्प और दोमुंहे बाल जैसी तकलीफें शामिल हैं। प्राकृतिक सामग्रियों से बने हेयर पैक्स लगाएं। जैसे दही, दूध, हिना, नीबू और नीम। यह बालों में रूसी और रूखापन हटाने व उन्हें मजबूत बनाने में मददगार होते हैं। सिंथेटिक हेयर पैक्स भी अच्छे रहेंगे और तुरंत लाभ भी देंगे। अंडे की जर्दी में पर्याप्त फैट और प्रोटीन होता है और यह प्राकृतिक रूप से नमी प्रदान करने वाला होता है इसलिए सामान्य बालों के लिए, बालों को कंडिशन करने के लिए पूरा अंडा लगाएं। चिपचिपे बालों के लिए सिर्फ अंडे का सफेद हिस्सा उपयोग करें।

बराबर पीते रहें पानी

अकसर ठंडे, बर्फीले मौसम में हम पानी कम मात्रा में पीते हैं। इस वजह से भी हमारी त्वचा में डीहाइड्रेशन बढ़ जाता है और त्वचा रूखी हो जाती है। चूंकि हमें सर्दियों में पसीना नहीं आता है, प्यास लगने का एहसास भी नहीं होता है। लेकिन यह याद रखें कि प्यास नहीं महसूस होने का यह मतलब कतई नहीं होता है कि आपको पानी की जरूरत कम है। अगर आपको ठंडा पानी पीना अच्छा नहीं लगता है तो इसे गुनगुना करके इस्तेमाल करें। पानी एक बार गर्म करके थर्मस में रख सकती हैं। त्वचा की नमी बरकरार रखने और होठों को फटने से बचाने के लिए पानी बराबर पीते रहें।

कंसीलर करे दाग-धब्बों को दूर

कंसीलर त्वचा को चिकना और खूबसूरत बनाने का काम करता है। सही कंसीलर आपकी त्वचा में अच्छी तरह समा जाता है और त्वचा के दोषों को सफाई से छिपाता है। सीनियर ब्यूटीशियन रेशमा लाखा बता रही हैं, कंसीलर चुनने और लगाने का सही तरीका.. हर किसी का चेहरा बेदाग और साफ-सुथरा बेशक नहीं हो सकता, लेकिन सही मेकअप से उसे बेदाग जरूर बनाया जा सकता है। कंसीलर ऐसे में जादुई बदलाव लाता है। हालांकि हर समस्या और चेहरे के हर हिस्से के लिए अलग कंसीलर की जरूरत होती है।

आखों के नीचे काले घेरे

- इसके लिए क्रीमयुक्त कंसीलर चुनें, जो लिक्विड या बाम फॉर्मूले में मिलता है।
- दरअसल, आखों के आसपास की त्वचा काफी पतली और नाजुक होती है। इसलिए क्री म या लिक्विड कंसीलर से उसे थोड़ा भर देने या मोटा करने से आखों के आसपास का हिस्सा तरोताजा लगता है।

दाग और लाल पैचेज

- एक सॉलिड कंसीलर चुनें, जो बेहतर कवरेज दे सके। ऐसे कंसीलर स्टिक फॉर्मूले में आते हैं। यह टच अप्स के लिए बेहतर होते हैं। साथ ही यह टी-जोन को भी लंबे समय तक कवरेज देते हैं।
- दाग हटाने के लिए ऐसा कंसीलर चुनें, जिसमें बेंजॉइल पैरॉक्साइड सैलिसाइलिक एसिड या सल्फर हो।

चुनें सही रंग

- आखों के नीचे गहरे धब्बों को हटाने के लिए कंसीलर के दो शेड्स की जरूरत हो सकती है। केवल पीच शेड लगाने से आखें थकी नजर आएंगी। इसलिए इसके ऊपर एक परत त्वचा के रंग से एक शेड हल्का कंसीलर लगाएं और अच्छी तरह ब्लेंड करें।
- दाग-धब्बों के लिए त्वचा की रंगत से एकदम मेल खाता कंसीलर चुनें।
- सही कलर मैचिंग के लिए कई सारे शेड्स वाला कंसीलर पैलेट लें, जिसे आप जरूरत प?ने पर एक-दूसरे के साथ ब्लेंड भी कर सकें।
- हायली पिग्मेंटेड कंसीलर चुनें जो त्वचा में अच्छी तरह समा जाए।
- अगर रंग गेहुंआ है तो पीला, गोरा है तो हल्का गुलाबी रंग वाला और अगर लाल रंग के मुंहासे हैं तो हरे रंग का कंसीलर चुनें।

कैसे लगाएं

- सबसे पहले मॉइश्चराइजर से अपनी त्वचा को हाइड्रेट करें। पांच मिनट बाद चेहरे पर क्लेयर प्राइमर लगाएं। प्राइमर कंसीलर को स्मूद करता है और लंबे समय तक टिका रहता है। फिर छोटे ब्रिसल वाले ब्रश से कंसीलर लगाएं।
- कलरलेस पाउडर से हल्की डस्टिंग करने से कंसीलर केक जैसा नहीं लगता है।
- स्मूद स्किन लुक देने के लिए नोज ब्रिज और आखों के बाहरी कोनों पर कंसीलर लगाना न भूलें।
- अगर कंसीलर लगाने के बाद भी आपकी आखों के नीचे काले घेरे नजर आएं तो थोड़ा-सा ऑरेंज कंसीलर लगाएं।
- मेकअप हटाने के लिए साबुन और पानी का प्रयोग न करें, ऑयल युक्त रिमूवर का इस्तेमाल करें और उसके बाद तेल रहित फेस क्लेंजर लगाएं।

हर दिन लगें खुबसूरत

अगर आपके पास हर दिन अच्छी तरह तैयार होने का समय नहीं होता है तो कम से कम इतना तो आप तय कर सकती हैं, कोई ऐसी कमी न रह जाए जो आपके पूरे रूप को खराब कर दे।

मसलन जिस दिन आप तैयार हों, मेकअप तो कर लें लेकिन नाखूनों पर लगी उखडी हुई नेलपॉलिश हटाना भूल जाएं। ऐसी ही छोटी-छोटी गलतिया हम जाने-अनजाने कर जाते हैं जो हमारे सौंदर्य पर ग्रहण लगा देती हैं। मेकअप का बेसिक तरीका हर किसी के लिए जानना जरूरी है। यहा वह आपको ऐसी ही कुछ छोटी-छोटी लेकिन महत्वपूर्ण बातें बता रही हैं जिन्हें अपनाकर आप हमेशा स्मार्ट और सुंदर दिख सकती हैं।

उखड़ी हुई नेलपॉलिश

नाखूनों पर लगी उखडी हुई नेलपॉलिश यह दर्शाती है, कि आप अपने सौंदर्य के प्रति जरा भी सचेत नहीं है। या तो आप नई नेल पॉलिश लगाएं या फिर रिमूवर से नाखून साफ करके यूं ही छोड दें। लेकिन आधी-अधूरी उखडी हुई नेलपॉलिश आपकी छवि को खराब कर देती है। अगर आपका नेल रिमूवर खत्म हो गया है, तो कोई भी डार्क शेड्स की नेलपॉलिश लगाने से पहले रिमूवर की बॉटल जरूर खरीद लें। लगभग 3-4 दिन में आपकी नेलपॉलिश उखडने लगती है। ऐसे में या तो आप नेलपॉलिश का दूसरा कोट उसके ऊपर लगाएं या रिमूवर से साफ करके नई नेल पॉलिश लगाएं। अगर आपके पास बार-बार नेलपॉलिश हटाकर दूसरी लगाने का समय नहीं होता है, या आप इस ओर ध्यान नहीं दे पाती हैं, तो बेहतर होगा कि आप हमेशा लाइट शेड वाली नेल पॉलिश चुनें। ताकि उखडने पर लोगों का ध्यान उस तरफ न जाए।

फैली हुई लिपस्टिक

फैली हुई लिपस्टिक आपके लुक को खराब तो करती ही है, आप कितनी लापरवाह हैं, यह भी दर्शाती है। अगर आपके होंठों में लिपस्टिक अधिक देर तक नहीं टिक पाती, या आप लिपस्टिक खा जाती हैं तो हमेशा क्त्रीमी मैट वाली लाइट शेड की लिपस्टिक चुनें। लगाने से पहले होंठों पर हलका सा फाउंडेशन लगाएं। मैट लिप लाइनर से आउटलाइन बनाएं फिर होंठों को भरें।

बिगड़ी हुई आइब्रोज

शार्प आईब्रोज का असर जबरदस्त होता है। अगर आपकी ग्रोथ अच्छी है तो नियमित रूप से बनवाना बेहद आवश्यक है। आप कितना ही अच्छा मेकअप कर लें, अगर आइब्रो सही शेप में नहीं हैं तो अच्छा नहीं लगेगा।

अपर लिप

अगर आपके अपर लिप पर काफी बाल हैं और थ्रेडिंग कराने के बाद उस भाग पर हरापन या लाली रहती है तो कंसीलर से उसे छिपाना न भूलें। अगर आपके बाल अत्यधिक हैं तो अपर लिप एरिया में थ्रेडिंग, वैक्स या ब्लीच जरूर कराएं। आप चाहें तो इसे लेजर के जरिये पर्मानेंट हटा सकती हैं। छोटी-छोटी गलतियों से आपका सौंदर्य प्रभावित हो सकता है, इस बात का हमेशा ध्यान रखें। खुद में सुंदरता का एहसास करें और अपने सौंदर्य को संवारने का प्रयास करें।

सफेद बाल

अगर आपके बाल सफेद होना शुरू हो गए हैं और आप अपने बालों में नियमित रूप से हेयर कलर का प्रयोग करती हैं, तो यह बहुत जरूरी है कि हेयर कलर आपके बालों की जड़ों के पास जरूर लगा हो। वरना सिर की त्वचा के पास दिखने वाले सफेद बाल आपके लुक को खराब कर देते हैं। इसलिए इस बात का भी ध्यान रखें कि बालों की जडों के पास हमेशा गहरा काला रंग न लगाएं। ताकि अगर कभी हेयर कलर कराने में देर हो जाए तो वहा आए सफेद बाल बहुत अधिक खराब न लगें। बेहतर होगा कि आप दो शेड के हेयर कलर चुनें। ताकि यह स्ट्रीक्ड इफेक्ट दे। यह विकल्प अपने बालों के प्राकृतिक रंग से मेल खाता जेट ब्लैक कलर चुनने से अधिक बेहतर होगा। बाजार में तमाम शेड्स के हेयर कलर उपलब्ध हैं, अपनी स्किन टोन से मेल खाता कोई भी कलर आप चुन सकती हैं। यह सफेद बाल नजर आने से बेहतर होगा। ब्राउन और माहोगनी शेड्स आसानी से चुनें जा सकते हैं। कभी माहोगनी और कभी ब्राउन कलर कराएं। ताकि ग्रे हेयर लोगों को नजर न आएं।

रूखे, बिखरे बाल

रूखे, बेजान व बिखरे बालों की देखभाल के तमाम उपाय बाजार में उपलब्ध हैं। लेकिन आप तब भी उन्हें नहीं अपनाती तो यह आपकी गलती है। बाल हर स्त्री की क्त्राउनिंग ग्लोरी होते हैं। कम से कम इन्हें सही तो रखें। ऐसे बालों को कभी भी खोलकर न रखें। अत्यधिक रूखे बालों को सही अवस्था में करने के लिए थोडे से पानी में 3-4 बूंद तेल मिलाकर बालों में लगाएं और फिर पोनी बाध लें। इससे वे संवरे और साफ नजर आएंगे। इसी तरह अगर आपके बाल लंबे, घुंघराले व नीचे से पतले हैं तो सिरों को बिना कर्ल किए उन्हें खुला न छोडें। यह बालों को सिरे से एक सपोर्ट देता है।

आलोचना के प्रति रखें सकारात्मक नजरिया

सृजनात्मक आलोचना, रचनात्मकता, नवाचार और समस्या सुलझाने के लिए अनिवार्य है। चूंकि नेतृत्व में इन तीनों खूबियों की ही जरूरत होती है इसलिए लीडर्स को सिर्फ यही सुनिश्चित नहीं करना चाहिए कि वे आलोचना के प्रति सकारात्मक नजरिया रखें, बल्कि उन्हें सक्रिय रूप से इसकी तलाश भी करनी चाहिए। केवल सामान्य फीडबैक ही न मांगें, बल्कि लोगों- अधीनस्थों, समकक्षों, ग्राहकों से कहें कि वे आपके विचारों तथा नीतियों की कमियां बताएं। दरअसल, आलोचना विचारों को परखने और लोगों व टीमों को जवाबदेह रखने की उपयोगी नीति हो सकती है।

बेहतर श्रोता बनने करें प्रयास...

नेतृत्व विशेषज्ञ बरसों से प्रबंधकों को प्रोत्साहित करते आ रहे हैं कि वे अपनी सुनने की क्षमता को बेहतर बनाएं। अच्छी तरह सुनने का मतलब सिर्फ यही नहीं है कि वक्ता यह महसूस करे कि आप उसकी बात सुन रहे हैं और उसका सम्मान कर रहे हैं। इसका अर्थ तो यह सुनिश्चित करना भी है कि आप कही गई बात को पूरी तरह समझ गए हैं। बेहतर श्रोता बनने के तीन सुझाव दिए जा रहे हैं।

समीक्षा करना भी जरूरी

किसी की बात सुनते समय आगे की सोचें और कल्पना करें कि वक्ता अब क्या कहने जा रहा है। सिर्फ शब्द ही न सुनें, बल्कि निष्कर्षों का अनुमान लगाने की कोशिश भी करें। कुछ देर ठहरें और मन ही मन बिंदुओं की समीक्षा करें।

घटनाओं पर चिंतन...

गैर शाब्दिक संकेतों पर गौर करें जिनसे पता चल सके कि वक्ता क्या नहीं कह रहा है। अनकही बात भी अक्सर कही गई बात जितनी ही महत्वपूर्ण होती है। स्वयं के साथ नियमित मीटिंग्स करें ऐसी स्थिति में जब मुश्किल आर्थिक हालात में फंसे हुए हैं तो आप अपने काम को पटरी पर बनाए रखने और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए क्या कर सकते हैं? सबसे बेहतर है कि आप खुद के साथ साप्ताहिक मीटिंग करें। आप चाहे जितने व्यस्त हों, यह कोई विलासिता नहीं है। यह तो अनिवार्य है। हर सप्ताह एक घंटे तक एकांत में हाल ही में घटी महत्वपूर्ण घटनाओं पर चिंतन-मनन करें-संघर्ष, असफलताएं, भुनाए गए अवसर, दूसरों के व्यवहार संबंधी अवलोकन, दूसरों से मिला फीडबैक। इस बारे में विचार करें कि आपकी प्रतिक्रिया कैसी थी, क्या अच्छी तरह हुआ, क्या अच्छी तरह नहीं हुआ और भविष्य में क्या ज्यादा कारगर हो सकता है। इस मीटिंग को कभी रद्द न करें-यह बेहद महत्वपूर्ण है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)